हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,मंगलवार 22 अक्टुबर 2024 वर्ष : 02 अंक :157 पृष्ठ -14 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली के जहांगीरपुरी में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत, दो लोग घायल,

एजेंसी

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में गोलीबारी की घटना में 35 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गोली लगने से घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान दीपक उर्फ ??पत्रकार के रूप में हुई है।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, बीजेआरएम अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को कई गोलियों के जख्म के साथ लाया गया था, जिसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद अस्पताल से सूचना मिली कि गोली लगने से घायल दो लोगों (नरेन्द्र और सूरज) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अधिकारी ने बताया कि विस्तृत जांच के लिए पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दीपक, उसके भाई और अन्य लोगों तथा नरेंद्र और सूरज के बीच एक पार्क में बहस हुई थी।अधिकारी ने कहा, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गोलियां चलाई थीं। दीपक की गर्दन, दोनों पैरों और पीठ पर चोटें आईं। नरेन्द्र की पीठ में गोली लगी और सूरज के पैर में चोटें आईं।

दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना,

आशा का संचार कर रहा: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में वैश्विक स्तर पर भारत के उदय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी 'भारत की सदी' क्यों है, देश किस तरह तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भर के निवेशक भारत के सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने को लेकर कैसे उत्साहित हैं।एनडीटीवी वर्ल्ड को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने भारत के विकास की गति और गति के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत की तेज वृद्धि - दुनिया में सबसे तेज - और देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण को देखते हुए, कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत के विकास के पूर्वानुमान को अपग्रेड किया है।" उन्होंने आगे कहा कि "दुनिया भर के निवेशक भारत के विकास पर उत्सुकता से नजर रख रहे हैं और सबसे तेजी से बढ़ते बाजार में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है।उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है भारत की शताब्दी। दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं।उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है।प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरूआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है। उन्होंने कहा, हमने गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों के निर्माण, 9 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है।

राष्ट्रपति मुर्मू आज राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2023 प्रदान करेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश भर में जल प्रबंधन और संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2023 प्रदान करेंगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) द्वारा ये पुरस्कार दिए जाते हैं, जिसमें सर्वश्रेष्ठ राज्य से लेकर सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज तक की नौ श्रेणियों में प्रयासों को सम्मानित किया जाता है।पुरस्कारों के पांचवें संस्करण में, ओडिशा ने सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी में पहला पुरस्कार हासिल किया है, जबकि उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। गुजरात और पुडुचेरी ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया है इन पुरस्कारों में प्रशस्ति पत्र, ट्रॉफी और कुछ श्रेणियों में नकद राशि शामिल हैं, जिनमें संयुक्त प्राप्तकताओं सहित कुल 38 विजेताओं को सम्मानित किया जाता है। बयान में कहा गया है कि 2018 में शुरू किए गए राष्ट्रीय जल पुरस्कार का उद्देश्य जल संरक्षण और प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जो सरकार के ह्यजल समृद्ध भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

पुरस्कारों के पांचवें संस्करण में, ओडिशा ने सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी में पहला पुरस्कार हासिल किया है, जबकि उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। गुजरात और पुडुचेरी ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया है।

सदगुरु को मिला प्रतिष्ठित CIF : लोबल इंडियन अवार्ड

एजेंसी

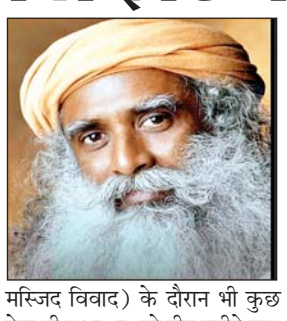

टोरंटो/कनाडा। कनाडा इंडिया फाउंडेशन (उक्क्ष्) ने वर्ष 2024 के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित ग्लोबल इंडियन अवार्ड की घोषणा कर दी है। इस बार यह अवार्ड ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु को दिया जाएगा। सदगुरु पुरस्कार स्वरूप मिलने वाली 50 हजार कनाडाई डॉलर की धनराशि ह्यकावेरी कॉलिंग संस?थाह्न को देंगे। यह संस्था भारत में नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए कार्य करती है। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो तीन महीने तक मेरे सामने था। मैं ईश्वर के सामने बैठा और उनसे कहा कि उन्हें इसका समाधान ढूंढ़ना होगा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा, ह्यह्यमेरा विश्वास करें, यदि आपको भरोसा है, तो ईश्वर हमेशा कोई रास्ता निकाल देंगे।हम आपको याद दिला दें कि देश के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने नौ नवंबर, 2019 को अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करके उस विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया था जो एक सदी से भी अधिक पुराना था।

सच यह है की पूरी दिल्ली वायु प्रदूषण से त्रस्त है- वीरेन्द्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कर्तव्य पथ इंडिया गेट के पास पत्रकारों को खुले आसमान के नीचे दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण का नजारा दिखाया और बदहाल स्थिति के लिए सुश्री आतिशी मालेर्ना सरकार की अकर्मण्यता को जिम्मेदार ठहराया।उन्होने कहा की दिल्ली की मुख्य मंत्री एवं पर्यावरण मंत्री आनंद विहार के बढ़े प्रदूषण का कारण यू.पी. की बसों को बता रहे हैं जबकि वो बसे दिल्ली में प्रवेश करती ही नही पर उन्हे अपनी सरकार की लापरवाही से उसी आनंद विहार में चारों ओर टूटी हुई सड़कें नही दिखतीं। सचदेवा ने कहा की गोपाल राय बतायें की वह दिल्ली भर में वायु प्रदूषण का दोष दूसरों पर डाल सकते हैं पर इस साफ सुथरे कर्तव्यपथ क्षेत्र का दोष किस पर मढ़ेंगे, सच यह है की पूरी दिल्ली वायु प्रदूषण से त्रस्त है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट छोड़ी, गांदरबल सीट से विधायक बने रहेंगे

एजेंसी

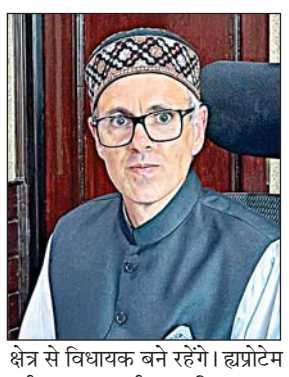

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट खाली कर दी है और गंदेरबल निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने का फैसला किया है, प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल ने सोमवार को सदन में घोषणा की। अब्दुल्ला ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में दोनों सीटें जीती थीं।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट छोड़ी जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट छोड़ दी है और वह गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने रहेंगे। ह्यप्रोटेम स्पीकर (अस्थायी विधानसभा अध्यक्ष) मुबारक गुल ने सोमवार को यह जानकारी दी। उमर अब्दुल्ला ने हाल में हुए विधानसभा चुनाव में दोनों सीट पर जीत हासिल की थी। गांदरबल सीट अब्दुल्ला परिवार का गढ़ मानी जाती है।54 वर्षीय उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2009 से 2014 तक गांदरबल से विधायक थे। इसके साथ ही 95 सदस्यीय सदन में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों की संख्या घटकर 41 रह गई है, हालांकि पार्टी को कांग्रेस के छह, पांच निर्दलीय और आम आदमी पार्टी तथा माकपा के एक-एक विधायक के समर्थन से अभी भी बहुमत प्राप्त है।

वसंतराव चव्हाण के निधन से घट गई कांग्रेस सांसदों की संख्या, Naigaon क्षेत्र से रहे थे विधायक

एजेंसी

नई दिल्ली: कुछ समय पहले नांदेड़ से कांग्रेस के सांसद वसंतराव चव्हाण का निधन हो गया है। वे पिछले कुछ समय से बीमार थे और हैदराबाद के किम्स अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। आधी रात के समय उनकी हालत अचानक बिगड़ गई और सुबह 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से कांग्रेस के सांसदों की संख्या में एक नंबर की गिरावट आ गई है। सांसद बनने से पहले चव्हाण राज्य की विधानसभा में विधायक भी रहे थे। उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर ही नांदेड़ जिले की नायगांव सीट से जीत हासिल की थी।वसंतराव चव्हाण को सांस लेने में कठिनाई और लो-बीपी की समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पहले उन्हें नांदेड़ के एक अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें एयर एंबुलेंस से हैदराबाद के किम्स अस्पताल में शिफ्ट किया गया।वसंतराव चव्हाण के राजनीतिक कैरियर की बात करें तो उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत नायगांव गांव के सरपंच के रूप में की थी। जिसके बाद उन्होंने जिला परिषद में भी सेवाएं दीं और 2002 में जिला परिषद के लिए चुने गए। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा में निर्दलीय के रूप में प्रवेश किया और नायगांव विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

BJP ने जारी की महाराष्ट्र चुनाव की पहली लिस्ट, प्रदेश अध्यक्ष Bawankule को कामठी से मैदान में उतारा

एजेंसी

महाराष्ट्र: भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी की इस सूची में कुल 99 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जिनमें 71 वर्तमान विधायक भी हैं। पार्टी ने प्रमुख चेहरों जैसे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से टिकट दिया है। बीजेपी ने इस बार कुछ नए चेहरों को भी मौका दिया है। इस सूची में राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम प्रमुख है, जो नागपुर साउथ वेस्ट से चुनाव लड़ेंगे। तो वहीं जबकि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से मैदान में उतारा गया है।चंद्रशेखर कृष्णराव बावनकुले भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष हैं और 2 जनवरी 2022 को नागपुर स्थानीय प्राधिकरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य हैं। वे 13वीं महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य थे। इसके साथ ही वे ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा महाराष्ट्र के मंत्री, राज्य उत्पाद शुल्क मंत्रालय और 26 दिसंबर 2014 को नागपुर संरक्षक मंत्री भी नियुक्त किए गए थे।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए

एजेंसी

महाराष्ट्र: गढ़चिरौली मुठभेड़: महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में सोमवार (21 अक्टूबर) को पुलिस मुठभेड़ में कम से कम चार नक्सली मारे गए, एक अधिकारी ने बताया। मुठभेड़ छत्तीसगढ़ की सीमा के पास महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में स्थित भामरागढ़ तहसील के कोपरी जंगल में हुई। अधिकारी ने बताया कि गढ़चिरौली पुलिस की सी60 कमांडो टीम और सीआरपीएफ की टीम ने अभियान चलाया। नक्सल विरोधी पुलिस दल अभियान में लगे हुए हैं और शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि चार नक्सली मारे गए हैं, जबकि एक पुलिसकर्मी घायल हुआ है।खुफिया एजेंसियों ने पुलिस को इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में सचेत किया था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। कोपरी भामरागढ़ का आखिरी जंगली इलाका है। इस खुफिया सूचना के आधार पर जंगल में पुलिस अभियान चलाया गया। अभियान को तेज करने के लिए विशेष नक्सल विरोधी बल सी60 पुलिस दस्ते को 60 कर्मियों के साथ मजबूत किया गया है।नक्सली दंपत्ति ने किया आत्मसमर्पणइससे पहले, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में 8 लाख रुपये के इनामी नक्सल दंपत्ति ने आत्मसमर्पण किया था। पुलिस अधिकारी ने उनकी पहचान असिन राजाराम कुमार (37) उर्फ ??अनिल और उसकी पत्नी अंजू सुल्या जाले (28) उर्फ ??सोनिया के रूप में की है।असिन राजाराम कुमार ओडिशा में माओवादियों की प्रेस टीम का 'एरिया कमेटी सदस्य' था। अधिकारी ने कहा कि वह हरियाणा के नरवाना का निवासी है और फर्जी पहचान के साथ हिमाचल प्रदेश में शिमला के पास एक इलाके में रह रहा था। गढ़चिरौली का निवासी जाले भी पूर्वी राज्य में उसी प्रेस टीम का हिस्सा था और हिमाचल प्रदेश में रह रहा था।

चंद्रचूड़ ने अयोध्या पर दिया बयान, भड़के सपा नेता राम गोपाल यादव ने CJI के लिए 'चू.. शब्द का किया इस्तेमाल

एजेंसी

नई दिल्ली: देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ अपने निष्पक्ष फैसलों के लिए जाने जाते हैं। प्रधान न्यायाधीश रहते हुए चंद्रचूड़ ने आम भारतीयों के मन में जो सम्मान और विश्वास पाया है वैसा कम ही देखने को मिलता है। ऐसे में तब हैरत होती है जब कोई राजनीतिज्ञ उनके खिलाफ टिप्पणी करे। यह हैरत तब और बढ़ जाती है जब देश के प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी की जाती है। हाल ही में गणेश उत्सव के दौरान जब प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने घर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया तो उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया गया। अब चंद्रचूड़ ने कहा है कि उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की थी तब भी उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश पर निशाना साधते साधते समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव बहुत आगे बढ़ गये और जिस प्रकार की अमर्यादित टिप्पणी उन्होंने की है उससे सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या इतना लंबा राजनीतिक अनुभव रखने वाले व्यक्ति को सामान्य शिष्टाचार भी नहीं पता है ?हम आपको बता दें कि अपने गृह राज्य महाराष्ट्र के खेड़ तालुका में स्थित अपने पैतृक गांव कन्हेरसर के निवासियों को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) आते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंच पाते।

48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा मनाया गया पुलिस शहीद स्मृति दिवस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
।मो.अबु बकर सिद्दीकी

48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा कमांडेंट श्री गोविंद सिंह भंडारी के पर्यवेक्षण मे वाहिनी मुख्यालय जयनगर एवं अधीनस्थ सीमा चौकियों में पुलिस शहीद स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कमांडेंट के द्वारा अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए बताया कि 21 अक्टूबर 1959 मे भारत चीन सीमा की रक्षा करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 बहादुर जवानो ने हॉट स्प्रिंग लदाख में शहादत दी थी उनकी तथा राष्ट्र सेवा मे पुलिस बलों के शहीद हुए जवानो की याद मे पुलिस शहीद स्मृति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। हमारे बहादुर जवानो ने देश की अखण्डता और सुरक्षा के लिए अपने बहुमूल्य प्राणों की आहुति दी है। उनकी शहादत को राष्ट्र सदा याद रखेगा। जवान देश सुरक्षा के लिए हमेशा मुस्तैद रहता है जब भी जरूरत होती है वह अपनी जान देने से भी पीछे नहीं हटता है ऐसे शहीद जवानों के बलिदान व सेवा को नमन किया और उनके परिवार के प्रति भी आभार व्यक्त किया । श्री गोविंद सिंह भंडारी कमांडेंट के द्वारा गत वर्ष 01/09/2023 से 31/08/2024 के बीच शहीद हुए सशस्त्र सीमा बल के 2 शहीदों के नाम पढ़ कर याद किया गया। अंत में इस मौके पर शहीदों की याद में 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों एवं जवानों के द्वारा दो मिनट का मौन रखा गया और वाहिनी परिसर जयनगर में बने शहीद स्मारक स्थल पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी ।

बदलो बिहार न्याय यात्रा का दरौंदा में विशाल जन सभा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 21 अक्टूबर सोमवार। बदलो बिहार न्याय यात्रा के अंतर्गत दरौंदा में एक विशाल सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जयशंकर पंडित ने की। सभा को दरौली विधायक सत्यदेव राम, जिरादेई विधायक अमरजीत कुशवाहा, सोहिला गुप्ता, जितेंद्र पासवान समेत अन्य नेताओं ने संबोधित किया।सभा का प्रमुख उद्देश्य बिहार के गरीब, दलित, मजदूर और वंचित तबकों के हक और अधिकार की लड़ाई को तेज करना था। नेताओं ने जनता के सामने अपनी प्रमुख मांगे रखते हुए सरकार से इन मुद्दों पर आश्वस्त करते हुए कहा की दारौंदा विधानसभा क्षेत्र से सरकार को सबक सिखा दिया जाएगा।सभा में निम्नलिखित प्रमुख मांगो पर बात की गई:आवास भूमि और पक्का मकान की गारंटी सभी गरीबों को सरकारी वादे के अनुसार 2 लाख रु. और 5 डिसमिल आवास भूमि के साथ पक्का मकान मुहैया कराया जाए।दलित-गरीब-महिलाओं पर हिंसा पर रोक दलित, गरीब और महिलाओं पर हो रही हिंसा पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई।भूमि के सर्वेक्षण पर रोक जब तक गरीबों के वास-आवास और बटाईदारों के हक की गारंटी नहीं हो जाती और जमीन के सभी कागजात दुरुस्त नहीं हो जाते, तब तक भूमि सर्वेक्षण पर रोक लगाने की मांग की गई।बिजली से संबंधित राहत स्मार्ट मीटर लगवाने की अनिवार्यता समाप्त कर, बिजली की दरों को आधा करने और गरीबों व किसानों के लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग की गई।बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत,, बाढ़ पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान करने और किसानों को 50 हजार रु प्रति एकड़ फसल क्षति मुआवजा देने की मांग की गई। साथ ही बाढ़ का स्थायी समाधान करने की आवश्यकता जताई गई।स्कीम वर्कर्स का पारिश्रमिक**: जीविका दीदी, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, विद्यालय रसोइया, मनरेगा मजदूर, सफाई मजदूर आदि को केन्द्र सरकार द्वारा घोषित नई मजदूरी दर के अनुसार पारिश्रमिक/मानदेय की गारंटी देने की मांग की गई।आरक्षण और जातीय गणना**: बिहार में आरक्षण वृद्धि को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने, पूरे देश में जातीय गणना कराने और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की गई।सभा में उपस्थित सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि सरकार अगर इन मांगों पर ध्यान नहीं देती, तो जनता अपने हकों के लिए सड़कों पर उतरने को तैयार है। यह न्याय यात्रा बिहार में सामाजिक और आर्थिक न्याय के लिए लड़ाई का प्रतीक है और इसे हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है।

ट्रक के चपेट में आने से इंटर की छात्रा की मौत, सड़क जाम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के ताजपुर थाना क्षेत्र के राजधानी रोड स्थित पाकीजा होटल के समीप एक तेज रफ्तार बालू लदा ट्रक ने एक साईकिल से कोचिंग के लिए जा रही छात्रा को कुचल दिया जिससे छात्रा की मौत मौके पर हो गई। इधर घटित करने के बाद ट्रक चालक गाड़ी लेकर भागना चाहा परंतु ट्रक लेकर भाग नहीं सका परंतु ट्रक के उप चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। वहीं ट्रक चालक चकमा देकर भाग निकला। मृत छात्रा की पहचान पड़ोसी जिला विशाली के कैजु बकार निवासी अरुण कुमार राय की पुत्री शिवांजली कुमारी उर्फ (सीवानी कुमारी) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि शिवांजली कुमारी इंटर की छात्रा थी। वह रोज की तरह सोमवार को भी अपने घर से साईकिल से ताजपुर में कोल्ड स्टोरेज चौक से हॉस्पिटल रोड में कोचिंग के लिए जा रही थी तभी बालू लदा तेज रफ्तार ट्रक ने छात्रा को अपने चपेट में ले लिया जिससे घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बहरहाल इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आक्रोशित होकर मुख्य सड़क को जाम कर दिया। जाम के कारण सड़क के दोनो ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। घटना की जानकारी मिलने पर ताजपुर थाना अध्यक्ष सन्नी कुमार मौसम मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को साझा बुझाकर जाम खत्म कराया उसके बाद यातायात बहाल हो सका। पुलिस ने छात्रा के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया।

डीएम ने की भूमि विवाद एवं भूमि सुधार विभाग के कार्यों की समीक्षा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में विभिन्न विभागों की भूमि उपलब्धता, विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित भूमि विवाद एवं राजस्व तथा भूमि सुधार विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा के क्रम में सबसे पहले विभिन्न विभागों की भूमि उपलब्धता की समीक्षा की गई। प्रभारी पदाधिकारी जिला राजस्व शाखा द्वारा बताया गया कि प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय के भवन निर्माण हेतु कुल 14 प्रखंडों में से 13 चिन्हित पंचायत में भूमि उपलब्ध कराया जा चुका है, केवल मोरवा के बनवीरा में भूमि अभिलेख त्रुटि पूर्ण है इसके निराकरण हेतु अंचल अधिकारी मोरवा को निर्देश दिया गया है। आरडीएसएस योजना के तहत 33/11 के वी विद्युत शक्ति उप केंद्र के निर्माण हेतु कल्याणपुर के चकमेहसी, मोहिउद्दीननगर के महमदीपुर, विभूतिपुर के देसरी में भूमि अप्राप्त है, के लिए इस सप्ताह के अंत तक भूमि

उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अंचलाधिकारी को निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न अंचलों में पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु लंबित भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया। औद्योगिक क्षेत्र विकास हेतु भूमि (वियाडा) के संबंध में पृच्छा करने पर प्रभारी पदाधिकारी जिला राजस्व शाखा द्वारा बताया गया कि मोरवा के हरपुर भिंडी, ताजपुर के उदयपुर अन्नी एवं सिरसिया, खानपुर के पुरुषोत्तम अन्नु, वारिसनगर के डरसुर में प्रस्ताव विभाग को भेजा गया है। विभाग से निर्देश प्राप्त होने पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त मुफस्सिल थाना, यातायात थाना एवं साइबर कार्यालय हेतु भूमि के संबंध में जिला राजस्व कार्यालय द्वारा बताया गया की भूमि उपलब्ध हो गया है। इसके पश्चात राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा खारिज - दाखिल के मामलों की समीक्षा की गई एवं सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले अंचल अधिकारियों जिनके लंबित आवेदनों का प्रतिशत ज्यादा है उनको सख्त हिदायत दिया गया। इस संदर्भ में दलसिंहसराय अनुमंडल में दलसिंहसराय अंचल में सर्वाधिक लंबित मामले 85%, पटोरी अनुमंडल में सर्वाधिक लंबे मामले पटोरी अंचल का 58%, रोसड़ा अनुमंडल में सर्वाधिक लंबित मामले रोसडा का 91% तथा समस्तीपुर अनुमंडल में सर्वाधिक लंबित लंबित मामले खानपुर का 90% है, जिलाधिकारी द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि विभाग द्वारा दिए गये लक्ष्य को 31 अक्टूबर तक हर हाल में पूरा करना है जिससे खारिज दाखिल के लंबित मामलों को इस माह तक 50% एवं शेष को नवंबर में पूर्ण कर सभी लंबित मामलों का निपटारा किया जा सके। इसमें किसी प्रकार की कोताही को अत्यंत गंभीरता लिया जाएगा एवं संबंधित अंचलाधिकारी / पदाधिकारी /कर्मी के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार जमाबंदी के डिजिटाइजेशन में सर्वाधिक लंबित मामले रोसडा अनुमंडल अंतर्गत बिथान 93%, रोसड़ा 90% ,सिंघिया 90%, हसनपुर 84% पाया गया जिलाधिकारी द्वारा 31 अक्टूबर तक दिए गये लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया गया।

हरियाणा में सीएम नायब सिंह सैनी कैबिनेट में मंत्रियों को विभाग आवंटित हुए

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मंत्री नायब सैनी के पास गृह और वित्त समेत 13 विभाग होंगे

अनिल विज ऊर्जा, परिवहन और श्रम विभाग के मंत्री होंगे

कृष्णलाल पंवार पंचायत और खनन मंत्री बनाए गए

राव नरबीर सिंह उद्योग समेत 4 विभाग के मंत्री होंगे

इसके साथ ही महिपाल ढांडा स्कूल शिक्षा ,उच्चतर शिक्षा और संसदीय कार्य मंत्री होंगे

विपुल गोयल को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन , स्थानीय निकाय और सिविल एविएशन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई

अरविंद शर्मा को सहकारिता ,जेल एवं पर्यटन समेत 4 विभाग दिए गए हैं

श्याम सिंह राणा को कृषि , पशुपालन एवं डेयरिंग और मत्स्य विभाग का मंत्री बनाया गया

रणबीर गंगवा को जनस्वास्थ्य और लोक निर्माण विभाग का मंत्री बनाया गया

कृष्ण कुमार बेदी को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता समेत 3 विभाग मिले

श्रुति चौधरी को महिला एवं बाल विकास और सिंचाई विभाग की मंत्री बनाया गया

आरती राव को स्वास्थ्य ,मेडिकल एजुकेशन और आयुष विभाग की मंत्री बनाया गया

इसके अलावा राजेश नागर को खाद्य एवं आपूर्ति एवं प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी विभाग की जिम्मेदारी मिली

गौरव गौतम को खेल समेत 3 विभाग का मंत्री बनाया गया

प्रखंडों के डाटा इंट्री ऑपरेटर नहीं मानते हैं समस्तीपुर शिक्षा विभाग के DPO का निर्देश,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : जिले के प्रखंडों में कार्यरत डाटा इंट्री ऑपरेटर प्रारंभिक शिक्षा व सर्वशिक्षा के डीपीओ मानवेन्द्र कुमार राय के जारी निर्देश को नहीं मानते हैं। डीपीओ ने इसे गंभीरता से लेते हुए डाटा इंट्री ऑपरेटरों को सेवा समाप्ति का नोटिस भेजा है। उन्होंने उन्हें दिए गए टास्क को तीन दिनों के अंदर पूरा करने अन्यथा सेवा समाप्ति की कार्रवाई झेलने को तैयार रहने की हिदायत दे दी है। नोटिस में डीपीओ ने उनसे कहा है कि उन्हें बार-बार निर्देश देने के बाद भी उन्होंने दिए गए टास्ट को अब तक पूरा नहीं कर विभागीय कार्य को पूरा करने में उनके द्वारा शिथिलता बरती जा रही है।इसके कारण राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में उन्हें (डीपीओ को) असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। यह गंभीर स्थिति है। बता दें, कि जिले के सरकारी स्कूलों के नामांकित बच्चों के पिछले साल के आंकड़ों को विभाग के यू डायस प्लस 2024 पर अपडेट करना है। इसी कार्य को पूरा नहीं किया गया है। बिहार शिक्षा परियोजना समस्तीपुर कार्यालय के एमआईएस प्रभारी ने बताया कि इस कार्य की विभाग लगातार समीक्षा कर रहा है। हर समीक्षा बैठक में इस जिले की स्थिति पर विभाग नाराजगी व्यक्त करता रहा है। यह अत्यावश्यक कार्य में शामिल है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर छात्र छात्राओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाता है।

2 चोरी के बाइक के साथ दो चोर को गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केवटी (दरभंगा) :- केवटी पुलिस बाइक चोरों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए सोमवार को 2 चोरी के बाइक के साथ दो चोर को गिरफ्तार करने में सफल रही। केवटी थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि थाना कांड सँख्या 348/24 में कार्रवाई करते हुए मधुबनी जिला के बिस्फी थाना क्षेत्र के भटरा गाँव निवासी कौशल किशोर यादव के पुत्र राज कुमार उर्फ राहुल और शत्रुघ्न यादव के पुत्र सोहन कुमार यादव को गिरफ्तार किया। चोरी की गई मोटरसाइकिल बीआर 07 एटी 2137 को कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त राज कुमार उर्फ राहुल के पास से बरामद किया गया इस चोरी कांड में प्रयुक्त एक उजले रंग की बिना नम्बर वाली अपाची मोटरसाइकिल सोहन कुमार यादव के पास से बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिल सहित दोनों चोर को पकड़कर थाना लायी और आवश्यक औपचारिकता पूरी कर दोनों को न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेज दिया।

विशिष्टपहचान पत्र) यु0डी0आई0डी0 कार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से यु0डी0आई0डी0 परियोजना का कार्यान्वयन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

विशिष्ट पहचान पत्र) यु०डी०आई०डी० कार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से यु०डी०आई०डी० परियोजना का कार्यान्वयन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है।अपर मुख्य सचिव सह अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-1176, दिनांक 09.10.2024 निदेशानुसार राज्य के प्रत्येक दिव्यांगजनों को (विशिष्ट पहचान पत्र) यु०डी०आई०डी० कार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से यु०डी०आई०डी० परियोजना का कार्यान्वयन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। जिसका संचालन बिहार राज्य में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। उपरोक्त के आलोक में यु०डी०आई० डी० के पोर्टल पर लंबित आवेदन के साथ-साथ शत-प्रतिशत दिव्यांगजनों को यु०डी०आई०डी० कार्ड प्रदान करने के लक्ष्य प्राप्ति के निमित जिलान्तर्गत सभी प्रखंडो में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त के आलोक में जिलान्तर्गत गत सप्ताह प्रखंड कार्यालय बिथान, हसनपुर, में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर में जिलान्तर्गत प्रखंड कार्यालय बिथान एवं हसनपुर के कमशः (222 एवं 382) दिव्यांगजनों का यु०डी०आई०डी० कार्ड बनाने से संबंधित आवेदन कराया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है

शराब धंधेबाज व फ्लिपकार्ट से 17 लाख के लूट मामले के आरोपी को समस्तीपुर पुलिस ने दबोचा

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/चकमेहसी :- चकमेहसी थाना अध्यक्ष दिव्य ज्योति कुमारी के नेतृत्व में पुलिस ने थाना क्षेत्र के मालीनगर में गुप्त सूचना पर छापेमारी कर शराब धंधेबाज व फ्लिपकार्ट लूट मामले में आरोपी को दबोचने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मालीनगर निवासी रोहित कुमार मिश्र उर्फ रोहित कुमार के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार 2022 में थाना क्षेत्र के मालीनगर स्थित फ्लिपकार्ट के कार्यालय में धावा बोल हथियार बंद बदमाशों ने साढ़े 17 लाख लूट लिया था। इस मामले में जांच में गिरफ्तार आरोपी की संलिपता मिलने पर आरोपी बनाया गया था। जिसके बाद से वह फरार था।

गिरफ्तार आरोपी पर चकमेहसी थाना में शराब धंधे के मामले में भी कई मामले दर्ज हैं। जिसमें भी वह फरार था। थाना अध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

वृद्धा पेंशन 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले जिन्हें पेंशन नहीं मिलता हो वैसे लाभार्थी प्रखंड के आरटीपीएस काउंटर पर आवेदन करें

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, समस्तीपुर द्वारा संचालित योजनाओं में मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना अन्तर्गत राज्य के सभी आय वर्ग के वृद्धजन जिनकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के हो और जिन्हें केन्द्र / राज्य सरकार से कोई वेतन, पेंशन, पारिवारिक पेंशन या सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त नहीं कर रहे हो, ऐसे लाभार्थी अपना आवेदन संबंधित प्रखण्ड के आर०टी०पी०एस० काउन्टर पर अथवा अपने सुविधानुसार (उरउ/उट्टी१ जी) में जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करते समय आधार कार्ड, वोटर कार्ड, बैंक खाता, सहमति पत्र-01 (पंचायत सचिव/मुखिया द्वारा सत्यापित), सहमति पत्र-02 (बैंक) की छायाप्रति तथा आवेदक का फोटो संलग्न करना आवश्यक होगा। 60 से 79 वर्ष के वृद्धजन को 400 रुपए प्रतिमाह एवं 80 वर्ष एवं अधिक उम्र के वृद्धजन को 500 रुपए प्रतिमाह उझळ के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भुगतान किया जाता है। मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना में समस्तीपुर जिला अन्तर्गत अबतक कुल-187946 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना अन्तर्गत बी०पी०एल० परिवार के 60 वर्ष एवं अधिक आयु के समस्त वृद्ध पुरुष/महिला जिन्हें केन्द्र / राज्य सरकार से कोई वेतन, पेंशन, पारिवारिक पेंशन या सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त नही कर रहे हो, ऐसे लाभार्थी अपना आवेदन संबंधित प्रखण्ड के आर०टी०पी०एस० काउन्टर पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करते समय आधार कार्ड, वोटर कार्ड, बैंक खाता, इढछ सूची की छायाप्रति तथा आवेदक का फोटो संलग्न करना आवश्यक होगा। 60 से 79 वर्ष के वृद्धजन को 400 रुपए प्रतिमाह एवं 80 वर्ष एवं अधिक उम्र के वृद्धजन को 500 रुपए प्रतिमाह उझळ के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भुगतान किया जाता है। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना में समस्तीपुर जिला अन्तर्गत अबतक कुल 124172 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है।

कांग्रेस ने समारोहपूर्वक मनाया श्रीबाबू की जयंती, प्रतिमा का हुआ अनावरण

बिहार के पहले सीएम श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर कांग्रेस ने किया भव्य आयोजन, प्रतिमा का हुआ अनावरण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ आधुनिक बिहार के संस्थापक श्रीबाबू का जीवन अनुकरणीय : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

पटना. सोमवार, 21 अक्टूबर, 2024 बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह की 137वीं जयंती का भव्य आयोजन प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम के मैदान में किया गया।

सदाकत आश्रम में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा का अनावरण हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया।

मुख्य अतिथि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने श्रीबाबू के 137वीं जयंती पर उन्हें नमन किया और कहा कि शिक्षा, पुल, सामाजिक ढांचों के निर्माण, कुशल प्रशासन और अर्थव्यवस्था को लेकर श्रीबाबू ने जितना काम किया वो अतुलनीय रहा है। श्रीबाबू के कार्यों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान सभा में सदस्य के रूप में भी उनके काम अनुकरणीय रहा। आजादी की लड़ाई से लेकर नमक आंदोलन और किसानों के आंदोलन को लेकर मेरे परिवार ने काम किया और श्रीबाबू के साथ मेरे परिवार के लोगों ने काम किया है। दलितों को मंदिर प्रवेश का हक देने वाले श्रीबाबू ने जो काम उस दौर में किया था वो आज संभव नहीं रहा। उन्होंने जमींदारी प्रथा का उन्मूलन किया और तमाम झंझावतों को झेलते हुए भी उन्होंने अपने कदम पीछे नहीं हटाया। आज उनके जयंती पर उनके बताएं नियमों और आदर्शों के को अपनाकर जाएंगे केवल फूलमाला चढ़ाने का काम हम नहीं करेंगे। आज बिहार के तरफ पूरा देश देख रहा है। हरियाणा के जनमत पर उन्होंने कहा कि आज मानव पर मशीन हावी हो गया है और हमें लोकतंत्र की पुनर्स्थापना की लड़ाई लड़नी है। उन्होंने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष को श्रीबाबू के उसूलों पर चलने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आप बिहार से मजबूती से नेतृत्व देते रहें और कांग्रेस को मजबूत करें।

सम्मानित अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज बिहार के महान सपूत के जयंती पर उन्हें नमन करता हूं और उनके बताएं मार्ग पर चलने के लिए सभी कांग्रेसजन को प्रेरित करने वाले जीवन से सीखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि आजादी के लड़ाई में हमारे महान नेताओं ने अपना जीवन

किसानों, पिछड़ों और आम जनता के हित के लिए लड़ने वाले नेता श्रीबाबू हमेशा अमर रहेंगे: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

समर्पित कर दिया ताकि आने वाली पीढ़ियां आजाद मुल्क में रह सकें। कोई भी देश, समाज अपने इतिहास से अलग होकर आगे नहीं बढ़ सकती। जिन लोगों ने इतिहास को झुठलाने का काम किया है उनको हम स्पष्ट संदेश देते हैं कि इतिहास बनाया जाता है उसके लिए कुर्बानियां त्याग देना पड़ता है ये मिटाया नहीं जा सकता। आज देश की सत्ता में गलफहमी के शिकार लोग शासन में बैठ गए हैं जो इतिहास को मिटाने के प्रयास में पिछले दस वर्षों से लगे हैं। इस देश में बराबरी की लड़ाई, गरीबों, किसानों, अमीर गरीब सबकी लड़ाई किसी ने लड़ी तो वो हमारे कांग्रेस पार्टी के नेता रहें। हमारे नेताओं ने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पोरबंदर से लेकर मणिपुर तक एकता के सूत्र में पिरोने का काम कांग्रेस ने देश में किया और हमने सबका आवाज बनकर काम किया। हमें यह लोगों को समझाने की जरूरत है कि देश में शिक्षा, प्रशासनिक और औद्योगिक विकास की जो क्रांति उठी वो मई 2014 से नहीं शुरू हुआ है बल्कि ये कांग्रेस ने शुरू किया। श्रीबाबू ने रिफायनरी, यूनिवर्सिटी और सामाजिक सौहार्द्र की स्थापना करने का काम किया। हमारे नेताओं ने जो अधिकार हमें देने का काम किया अगर उसमें कुछ कमी रह जाएगी तो देश का सामाजिक ढांचा बिगड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मजबूती बेहद जरूरी है ताकि देश में एकता और भाईचारे का राज स्थापित रह सकें।

प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीबाबू पंडित जवाहरलाल नेहरू के चाहते थे और उन्होंने बिहार को विकास के राह पर अग्रसर किया। उन्होंने कहा कि श्रीबाबू के आदर्शों को कांग्रेसजन आत्मसात करें क्योंकि उनके बताएं रास्तों पर चलकर ही देश को हम वापस विकास के राह पर ल सकते हैं। उन्होंने कांग्रेसजन को सचेत किया कि जयंती में हम आज संकल्प लें कि उनके मूल्यों, आदर्शों को स्थापित करने के लिए राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी के नेतृत्व में लगातार प्रयास करें। पुरखों को भूलकर जो आगे बढ़ने की कोशिशा करते हैं उनका नाम इतिहास में कायरों में गिना जाता है। पूरे देश में जहां राजनीतिक दलों द्वारा वैचारिक लड़ाई को छोड़कर केवल जनता को बरगलाने के उद्देश्य से राजनीति की जा रही है वहीं कांग्रेस पार्टी आज भी अपने आदर्शों और विचारों के राह पर चल रही है। आज जनमत और जनादेश के अंतर को समझने की जरूरत है।

बनियापुर थानान्तर्गत 02 घंटे के अन्दर लूट की घटना का सफल उद्भेदन कर 06 अभियुक्तों को लूटी गयी मोटरसाइकिल के साथ किया गया गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 20.10.24 को बनियापुर थाना को सुचना प्राप्त हुई कि मुन्ना कुमार प्रसाद, पे०- जनक प्रसाद, साकिन झ्र हथिसार, थाना गौरा, जिला सारण से ड्यूटी जाने के क्रम में मुस्लिम्पुर प्राइमरी स्कूल के समीप 02 बाइक सवार 04 अज्ञात अपराधियों द्वारा बन्दुक का भय दिखाकर मोटरसाइकिल और मोबाइल लुटने की घटना कारित की गयी इस सन्दर्भ में पीड़ित के लिखित आवेदन के आधार पर बनियापुर थाना कांड संख्या-480/24 दिनांक -20.10.24 धारा-309 (4) इठर दर्ज कर अनुसन्धान प्रारंभ किया गयो अनुसन्धान के क्रम में प्राप्त आसूचना के आधार पर इस घटना में संलिप्त कुल 06 अपराधियों को लुटी गयी मोटरसाइकिल और लूट की घटना कारित करने में प्रयोग की गयी मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

> गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पताः-

1. विशाल कुमार, पिता-रामजी राय, सा०-मिजार्पुर, थाना- जनताबाजार, जिला सारणे
2. अर्जुन कुमार, पिता-स्व० झूलन राय, सा०-लौवा कला, थाना-बनियापुर, जिला सारणे
3. राजन कुमार, पिता-भगवान राय, सा०-छतवा खुर्द, थाना- बनियापुर, जिला सारणे
4. विक्की कुमार, पिता-योगेन्द्र राय, सा०-मुरारपुर, थाना- जनताबाजार, जिला सारणे 5. नितीश कुमार, पिता-किशुनदेव राय, सा०-लौवा कला, थाना- बनियापुर, जिला सारणे
6. मो० इमरान, पिता-मो० चाँद, सा०-मझौली, थाना- बनियापुर, जिला सारणे

>गिरफ्तार अभियुक्तों के अब तक का ज्ञात आपराधिक इतिहास :-

1. राजन कुमार, पिता-भगवान राय, सा०-छतवा खुर्द, थाना- बनियापुर, जिला सारण ।

(क) बनियापुर थाना कांड सं0-60/23 दिनांक-17.02.23 धारा-392 भा०द०वि० ।(ख) बनियापुर थाना कांड सं0-88/23 दिनांक-16.03.23 धारा-395 भा०द०वि० ।

(ग) बनियापुर थाना कांड सं0-105/23 दिनांक-23.03.23 धारा-395 भा०द०वि० ।

(घ) जनताबाजार थाना कांड सं0-36/23 दिनांक-12.03.23 धारा-392 भा०द०वि० ।2. मो० इमरान, पिता-मो० चाँद, सा०-मझौली, थाना-बनियापुर, जिला सारणे

(क) बनियापुर थाना कांड सं0-88/23 दिनांक-16.03.23 धारा-395 भा०द०वि० ।(ख) खैरा थाना कांड सं0-299/23 दिनांक-01.08.23 धारा-379/411/414 भा०द०वि०`

(ग) महराजगंज थाना कांड सं0-237/23 दिनांक-28.08.23 धारा-392 भा०द०वि० ।3. नितीश कुमार, पिता-किशुनदेव राय, सा०-लौवा कला, थाना- बनियापुर, जिला सारण ।

(क) बनियापुर थाना कांड सं0-132/24 दिनांक-05.04.24 धारा-392 भा०द०वि०`

4. अर्जुन कुमार, पिता-स्व० झूलन राय, सा०-लौवा कला, थाना-बनियापुर, जिला सारणे

(क) बनियापुर थाना कांड सं0-204/24 दिनांक-15.05.24 धारा-341/323/307/504/506/34 भा०द०वि० ।

जप्त/बरामद सामानों की विवरणीः-

1. मोटरसाईकल -03, 2. मोबाइल-07, चाकू झ्र1> टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारीः- पु०अ०नि० आशुतोष कुमार झा, थानाध्यक्ष बनियापुर थाना एवं थाना के अन्य कर्मी।

जदयू जिला उपाध्यक्ष बिरिया देवी के पति का निधन, जदयू परिवार ने जताया शोक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिला जदयू के उपाध्यक्ष सह मछुआरा आयोग की पूर्व सदस्य एवं मोरवा के पूर्व मुखिया बिरिया देवी के पति प्रमानंद ठाकुर का लंम्बी बिमारी के कारण 80 वर्ष के उम्र में अपने आवास स्थान पर निधन हो गया। जिला अध्यक्ष सह बीस सुत्री उपाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने कहा कि उनके निधन से पूरा जिला जदयू परिवार शोकाकुल है और दुःख की इस घड़ी में मृत आत्मा की शांति के लिए तथा परिवार के सदस्यों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना करते है। शोक व्यक्त करने वालो में मंत्री विजय कुमार चौधरी, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, वारिसनगर के विधायक अशोक कुमार मुन्ना, पूर्व सांसद श्रीमती अश्वमेघ देवी, पुर्व विधायक राजकुमार राय, पुर्व विधायक विद्यासागर सिंह निषाद, पुर्व विधायक मंजू कुमारी, जितेन्द्र सिंह, मीडिया प्रभारी अनस रिजवान, ठाकुर राजीव सिंह, डॉक्टर अमित कुमार मुन्ना, जिला सचिव संतोष कुमार साह, पूर्व उप प्रमुख शिव शंकर महतो, अब्दुस समद खां, अफजाल अहमद उर्फ (उजाले), युवा जदयू जिला अध्यक्ष विशाल कुमार सिंह आदि ने शोक व्यक्त किया है।

आगामी दीपावली और छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी कर्मचारियों के लिए विशेष आदेश जारी किया है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांकः 21 अक्टूबर 2024मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के निदेशानुसार, बिहार सरकार ने आगामी दीपावली और छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी कर्मचारियों के लिए विशेष आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार, अक्टूबर 2024 का वेतन 25 अक्टूबर 2024 को अग्रिम रूप से भुगतान किया जाएगा।इसके साथ ही, जिन सरकारी कर्मचारियों का सेवा निवृत्ति अथवा सेवांत इसी माह में हो रहा है (अराजपत्रित एवं राजपत्रित), उनके लिए भी अक्टूबर माह के अंतिम कार्य दिवस तक (माह का वेतन हड़का) वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।यह निर्णय बिहार कोषागार संहिता, 2011 के नियम 141 के तहत लिया गया है। सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया है कि वे इस आदेश का पालन सुनिश्चित करें, ताकि कर्मचारियों को समय पर उनके वेतन का लाभ मिल सके।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का यह कदम राज्य के कर्मचारियों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और पर्वों के प्रति सम्मान का परिचायक है, ताकि सभी कर्मचारी अपने परिवारों के साथ खुशहाली से त्योहार मना सकें।

सड़क हादसे में बाईक सवार घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के ताजपुर थाना क्षेत्र के रामापुर महेशपुर स्कूल के समीप एक तेज रफ्तार बाईक सवार अपना संतुलन खो दिया और बीच सड़क पर जा गिरा। भाग्य अच्छा था कि उस समय कोई बड़ी गाड़ी नहीं आई नहीं तो बाईक सवार की जान भी जा सकती थी। घायल बाईक सवार का उपचार ताजपुर रेफरल अस्पताल में चल रहा है और वह बेहोशी की हालत में है। जिसके कारण उसका नाम और पता की जानकारी नहीं हो सकी है।

अलग अलग गांव में हुई मारपीट की घटना में 07 लोग जखमी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में सात लोग जख्मी हो गये। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर में कराई गई है।

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में सात लोग जख्मी हो गये। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर में कराई गई है। घायलों की पहचान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बी के ठाकुर ने भगवानपुर गांव के सुबोध महतो के 21 वर्षीय पुत्र जयप्रकाश कुमार के रूप में की, मिजार्पुर गांव के स्वर्गीय लक्ष्मण सहनी के पुत्र 65 वर्षीय विमल सहनी, भानपुर गांव के शिव शंकर मंडल के 17 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार बरहेता गांव निवासी शंभू मंडल के 17 वर्षीय पुत्र पवन कुमार, चकबेगम गांव के नसीम के 23 वर्षीय जूली परवीन, इसी गांव की दूसरी जख्मी 65 वर्षीय मरियम खातून, सोमनाहा कमतीटोल गांव के देवन राय के पुत्र विजय राय जख्मी हुए हैं।

मारपीट मामले मे प्राथमिकी दर्ज नहीं कर सकी महाराजगंज पुलिस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज 21अक्टूबर सोमवार। महाराजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रतनपुरा गांव मे आपसी विवाद मे रतनपुरा निवासी जयकिशोर प्रसाद 27 वर्ष पिता पेभी प्रसाद और इनके पत्नी को 20 अक्टूबर को संध्या छह बजे किसी बात को लेकर आपसी विवाद मे रतनपुरा निवासी पृथ्वी प्रसाद और इनकी पत्नी पुत्र ने मिलकर तेजधार दाब से सर पर परहार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया । जिसे गंभीर स्थिति में महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल से सिवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहा इलाज जारी है।वही घायल व्यक्तियों ने महाराजगंज थाना मे आवेदन 20 अक्टूबर को संध्या में ही दिया । लेकिन 24 घंटा बीत जाने के बाद भी महाराजगंज पुलिस नामजद अभियुक्तों के ऊपर न प्राथमिकी दर्ज की न ही घटना स्थल पर जा कर जांच करना उचित समझा। जीसे घायल दर दर भटक रहे है।

शहीद - ए - आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के ताजपुर प्रखंड कमिटी की समीक्षात्मक बैठक, लिए गये कई निर्णय

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। ताजपुर प्रखंड के फतेहपुर वाला पंचायत के वार्ड नंबर 11 अवस्थित कॉमरेड मोती लाल साह के निवास स्थान पर आयोजित ताजपुर प्रखंड कमिटी की समीक्षात्मक बैठक को संबोधित करते शहीद - ए - आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार ने कहा कि आम जनता को खून चूसने वाली विद्युत स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक और 200 यूनिट बिजली फ्री दिलाने की मांग को लेकर शहीद - ए - आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के बैनर तले संघर्ष तेज किया गया है तथा इस संघर्ष को और आगे बढ़ाना है साथ ही मनरेगा में असली जॉब कार्डधारी मजदूर जिनको काम नहीं मिल रहा है उसे काम दिलाने के लिए भी संघर्ष तेज करना है। प्रखंड संयोजक कॉमरेड नरेश राय के अध्यक्षता व जिला संयोजक कॉमरेड राम कुमार के पर्यवेक्षण में आयोजित बैठक में मंच की सदस्यता, ब्रांच गठन, पंचायत /प्रखंड सम्मेलन करने पर विचार, जन संगठन की सदस्यता, जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष तेज करने समेत कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।

डीएम ने भूमि सुधार उपसमाहर्ता सदर के कार्यालय का निरक्षण किया

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ीः डीएम रिची पांडेय के द्वारा आज भूमि सुधार उप समाहर्ता ,सदर के कार्यालय का निरीक्षण किया गया। परिमार्जन एवं दाखिल खारिज के अपीलवाद से संबंधित अत्यधिक मामले लंबित रहने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी प्रकट की गई।निर्देश दिया गया कि लंबित मामलों के निष्पादन में गति लाना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के क्रम में निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से कोर्ट करें तथा दैनिक सुनवाई करते हुए आदेश पारित कर अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन किया जाए। कैंप मोड में लंबित मामलों का निष्पादन किया जाए।उन्होंने निर्देशित किया कि अंचल अधिकारी के साथ समीक्षा करें साथ ही रिजेक्शन की अधिक मामले को देखते हुए वैसे राजस्व कर्मचारियों को चिन्हित करें जिनके द्वारा इस आशय का अनुशंसा की जा रही है।वैसे राजस्व कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा भी की जाए।निरीक्षण के दौरान जिला जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि कार्य संस्कृति में सुधार लाना सुनिश्चित किया जाए। आम पब्लिक को परेशानियों का सामना न करना पड़े इस बाबत पूरी प्रतिबद्धता के साथ अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्व का निर्वहन करें।उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि ऐसा नहीं पाया जाता है तो हर स्तर पर जिम्मेदारी तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।इसके साथ ही निर्देश दिया गया कि जिला जनता दरबार ,सीपी ग्राम, मुख्यमंत्री जनता दरबार ,सीएम डैशबोर्ड, आयुक्त कार्यालय से संबंधित आवेदनों के निष्पादन में गति लाना सुनिश्चित करें। मौके पर जिला जन संपर्क पदाधिकारी कमल सिंह की उपस्थिति थे।

शहीद हुए पुलिस पदाधिकारी के परिजनों को एसपी ने किया सम्मानित

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: पुलिस संस्मरण दिवस 2024 के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी, वरीय पुलिस उपाधिक्षक मुख्यालय नजीव अनवर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर राम कृष्णा एवं अन्य पुलिस पदाधिकारीयों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान देने वाले देश एवं राज्य के जांबाज पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को विनम्र श्रद्धांजली दी।इस अवसर पर जिले से पूर्व में शहीद हुए पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी के परिजनों को पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं उनके समस्याओं को सुन उनके निराकरण के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया।2 शहीदों के नाम पढ़ कर याद किया गया। अंत में इस मौके पर शहीदों की याद में 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों एवं जवानों के द्वारा दो मिनट का मौन रखा गया और वाहिनी परिसर जयनगर में बने शहीद स्मारक स्थल पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी ।

संक्षिप्त डायरी

मधुबनी जिला विकास समन्वय समिति की बैठक में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने दिए कई निर्देश।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो . अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला विकास समन्वय समिति की बैठक में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने दिए कई निर्देश।

सितंबर माह में विभिन्न इंडिकेटरो में ओवर ऑल प्रदर्शन में टॉप पाँच में क्रमश लदनियां, मधेपुर,रहिका,खजौली एवं पंडौल बीडीओ रहे जबकि अंतिम पाँच में क्रमशः फुलपरास,लखनौर,खुटौना, झंझारपुर एवं लौकही *बीडीओ *रहे। लगातार पाँच महीने निम्न प्रदर्शन करने वाले बीडीओ पर होगी करवाई।

ड्ड प्रत्येक माह की समीक्षा बैठक में सभी सभी इंडिकेटरो में दिखनी चाहिए प्रगति-जिलाधिकारी

ाभी बीडीओ,सीओ एवं सीडीपीओ आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को लेकर प्रत्येक सप्ताह अचूक रूप से करे बैठक।

कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय करने के बावजूद कचड़ा उठाव कार्य नही करने वाले पंचायतों के संबधित कर्मियों,मुखिया आदि पर जबाबदेही तय कर करवाई करने का दिया निर्देश।

शेष बचे पंचायतों में कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय एक सप्ताह के अंदर हर हाल में करने का दिया निर्देश।-

सभी चिन्हित महादलित टोलों में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु अविलम्ब भूमि उपलब्ध करवाकर प्रतिवेदित करे।

खेलो इंडिया के तहत सभी प्रखंडों में स्टेडियम निर्माण हेतु उचित खेल मैदान का अविलम्ब प्रस्ताव देने का दिया निर्देश।

जिले के सभी पंचायतों में मनरेगा के तहत बनेगा खेल मैदान।

सभी पंचायत स्तरीय कर्मी पंचायत सरकार भवन में बाइमेट्रिक उपस्थिति करेंगे दर्ज।

जिला पंचायती राज पदाधिकारी को पंचायत ग्राम कचहरी सचिव के चयन हेतु शीघ्र अग्रेतर करवाई करने का दिया निर्देश।.

ड्ड जिलाधिकारी ने स्वच्छता कर्मियों के लंबित भुगतान को लेकर भी गंभीरतापूर्वक प्रयास करने के दिए निर्देश.

ड्ड जिलाधिकारी ने सामाजिक सुरक्षा योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का ससमय निष्पादन के दिए निर्देश.

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि सितंबर माह में विभिन्न इंडिकेटरो में ओवर ऑल प्रदर्शन में टॉप पाँच में क्रमश लदनियां, मधेपुर,रहिका,खजौली एवं पंडौल बीडीओ रहे जबकि अंतिम पाँच में क्रमशः फुलपरास,लखनौर,खुटौना, झंझारपुर एवं लौकही *बीडीओ रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि लगातार पाँच महीने निम्न प्रदर्शन करने वाले बीडीओ के विरुद्ध करवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की समीक्षा बैठक में सभी सभी इंडिकेटरो में अनिवार्य रूप से प्रगति दिखनी चाहिए। आगनबाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि सभी बीडीओ,सीओ एवं सीडीपीओ आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को लेकर प्रत्येक सप्ताह अचूक रूप से बैठक करे। जिलधिकारी ने लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत कचड़ा प्रीसेसिंग इकाई का निर्माण,कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय, कचरा का उठाव, यूजर चार्ज की वसूली,वर्मी कंपोस्ट का निर्माण,प्लास्टिक कचड़ा की विक्री,स्वच्छता कर्मियों का भुगतान ,ओडीएफ प्लस आदि का प्रखंडवार किया समीक्षा। जिलाधिकारी ने स्वच्छता कर्मियों के लंबित भुगतान को लेकर भी गंभीरतापूर्वक प्रयास करने के निर्देश दिए। यूजर चार्ज की वसूली में सबसे निम्न प्रदर्शन पंडौल का आया गया।उन्होंने निर्देश दिया कि यूजर चार्ज के रूप में वसूली गई शत प्रतिशत राशि खाते में अनिवार्य रूप से जमा करें। पंचायतों में कचरा प्रबंधन के कार्यों की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी बीडीओ को निर्देश दिया कि पंचायतों में कचरा प्रबंधन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सुचारू रूप से चलाने हेतु मासिक शुल्क के रूप में तीस रुपया प्रतिमाह की वसूली हर हाल में सुनिश्चित करें. उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायतों में नियमित रूप से सभी घरों से कचरा का उठाव हर हाल में सुनिश्चित करें, साथ ही शत प्रतिशत शेष बचे पंचायतों में कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय एक सप्ताह के अंदर हर हाल में करें. उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय करने के बावजूद कचड़ा उठाव कार्य नही करने वाले पंचायतों के संबधित कर्मियों,मुखिया आदि पर जबाबदेही तय उनके विरुद्ध करवाई करे।उन्होंने स्वच्छता कर्मियों के लंबित भुगतान को लेकर भी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को गंभीरतापूर्वक प्रयास करने की बात कही.जिलाधिकारी ने सभी बीडीओ को खेलो इंडिया के तहत सभी प्रखंडों में स्टेडियम निर्माण हेतु उचित खेल मैदान का अविलम्ब प्रस्ताव देने का निर्देश दिया। जिले के सभी पंचायतों में मनरेगा के तहत खेल नौदन बनाने को लेकर उपस्थित जिला खेल पदाधिकारी एवं डीडीसी को कई निर्देश भी दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी पंचायत स्तरीय कर्मी पंचायत सरकार भवन में बाइमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करवाना सुनिश्चित करे।

पैक्स चुनाव और मतगणना का तिथि निर्धारित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 21 अक्टूबर सोमवार ।प्रखंड के 12 पंचायतों में पैक्स चुनाव दूसरे चरण में 27 नवंबर को होगी। इसके लिए राज्य निर्वाचन प्राधिकार के निर्देश पर सिवान जिले में पांच चरणवार चुनाव कराये जाएंगे। इसके लिए चुनाव की तिथि घोषित कर दी गई है। दारौंदा प्रखंड के 12 पंचायतों में दूसरे चरण में 27 नवंबर को चुनाव होंगे। मतगणना उसी दिन शाम या अगले दिन 28 नवंबर को होगी। इस मामले में संबंधित विभाग द्वारा जारी पत्र के मुताबिक दूसरे चरण का सूचना का प्रकाशन 28 अक्टूबर को होगी। नामांकन 13 ,14 एवं 16 नवंबर को होगी। संवीक्षा 17 एवं 18 नवंबर को होगी। नाम वापसी एवं प्रतीक चिन्ह का आवंटन 20 नवंबर को होगी। मतदान 27 नवंबर को होगी। मतगणना उसी दिन शाम या अगले दिन 28 नवंबर को होगी। 12 पंचायतों में दूसरे चरण में 27 नवंबर को चुनाव होंगे। मतगणना उसी दिन शाम या अगले दिन 28 नवंबर को होगी। इस मामले में संबंधित विभाग द्वारा जारी पत्र के मुताबिक दूसरे चरण का सूचना का प्रकाशन 28 अक्टूबर को होगी।

राजनगर थाना में थाना अध्यक्ष सचिन कुमार के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो . अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के राजनगर थाना में थाना अध्यक्ष सचिन कुमार के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया ' जिसमें सैकड़ों व्यवसायी शामिल थे । सभी स्वर्णकारों एवं बैंक सीएसपी के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर सुरक्षा से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में बढ़ते अपराधों के मद्देनजर सभी व्यवसायियों को जागरूक किया गया। थाना अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि अपने-अपने शोरूम और दुकानों के भीतर तथा बाहर सीसीटीवी कैमरे और अलार्म अनिवार्य रूप से लगवाएं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मोटरसाइकिल चलाने वाले नागरिकों से अपील की कि वे अपनी गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम स्थापित करें ताकि अपराधियों को पकड़ने में सुविधा हो सके।इस बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाना था, ताकि अपराधों पर नियंत्रण रखा जा सके। मौके पर अन्य व्यवसायी भी उपस्थित रहे और सभी ने प्रशासन के दिशा-निदेर्शों का पालन करने का आश्वासन दिया।

लोग बोलेः मैडम के कहने पर ड्राइवर ने गाड़ी चढ़ाई

सारण में उत्पाद विभाग की गाड़ी ने दो शराब तस्करों को कुचला, एक की मौत

सारण । उत्पाद विभाग की गाड़ी ने दो शराब तस्करों को कुचल दिया। इस घटना में एक शराब तस्कर की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे की हालत गंभीर है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सोनपुर के दुधैला बाईपास चौक के पास भिनक टोला की है। हादसे के बाद मौके से उत्पाद विभाग के पुलिस अधिकारी स्कॉर्पियो को गड्ढे में छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक स्कॉर्पियो से उत्पाद विभाग की टीम बाइक सवार शराब तस्करों का पीछा कर रही थी। गाड़ी में बैठी महिला पुलिस कर्मी ने स्पीड बढ़ाने को कहा और चालक ने गाड़ी तेज कर दी। इसके बाद बाइक सवार तस्कर उत्पाद विभाग की गाड़ी की चपेट में आ गए। स्थानीय निवासी रंजन कुमार का आरोप है कि घटना के बाद पुलिस वालों ने गाड़ी बैक कर लाश पर चढ़ाई। वहीं, घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बाद सोनपुर थाना के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों को समझाकर मामले को शांत कराया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान बाबुरबानी गांव निवासी सुरेश राय के बेटे सुजीत कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार वाले घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय इंद्रजीत राय ने बताया कि सुजीत समेत 2 लोग बाइक से घास लेने जा रहे थे। इतने में एक्साइज की गाड़ी ने उनको कुचल दिया। प्रशासन की गाड़ी स्पीड में थी। उसमें एक मैडम बैठी थीं। बाढ़ आने से सब दह गया है इसलिए ये लोग घास लेकर आ रहे थे। सुजीत शादीशुदा था, उसके परिवार का क्या होगा। हम लोग दोषी पुलिसवालों के खिलाफ सजा देने की मांग करते हैं। सारण एसपी डॉ कुमार आशीष ने बताया कि मृतक शराब डिलिवरी एजेंट था। उसे पकड़ने के लिए उत्पाद विभाग के अधिकारी स्कॉर्पियो से पीछा कर रहे थे। तभी स्कॉर्पियो के चपेट में आ गए, जिसमें से युवक की मौत हुई है। वहीं, सोनपुर थाना अध्यक्ष राजनंदन ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को दे दिया गया है।

8053 पंचायतों के मुखिया की कलमबंद हड़ताल जारी

पटना। राज्य की 8053 पंचायतों के मुखिया मनरेगा योजना में व्यापक सुधार को लेकर 15 अक्टूबर से कलम बंद हड़ताल पर हैं। राज्य से मजदूरों का पलायन रोकने के लिए 100 की जगह 200 दिन काम मिलने, मजदूरी दर 245 से बढ़ाकर 350 रुपए करने और 5 लाख की जगह 20 लाख की योजना की मंजूरी मिलने की मुख्य मांगों को लेकर हड़ताल की गई है। बिहार मुखिया महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय ने बताया कि 15 अक्टूबर से राज्य की किसी भी पंचायत में मजदूरों द्वारा मुखिया और कार्यक्रम पदाधिकारी से रोजगार हेतु आवेदन नहीं किया गया है। पर प्रखंड स्तर के अधिकारी आंकड़ों की जादूगरी दिखाकर कलमबंद हड़ताल को विफल करने में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि किसी भी पंचायत में मजदूर काम नहीं कर रहे, बावजूद प्रखंड स्तरीय अधिकारी काम दिखा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मनरेगा में व्यापक सुधार हेतु आवश्यक कदम नहीं उठाया गया तो मुखिया अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। यह भी कहा कि समय रहते मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी और प्रखंड स्तरीय मनरेगा से जुड़े अभियंता सचेत नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध पोल खोल अभियान चलाया जाएगा।

छठ तक 10-10 अतिरिक्त सफाईकर्मी वार्डों को मिलेंगे

पटना। शहर में त्योहारी रौनक को बढ़ाने के लिए पटना नगर निगम की ओर से कई स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। खासकर वार्डों और कॉलोनियों को साफ-सुथरा रखने के लिए विशेष पहल की गई है। निगम प्रशासन ने निर्णय लिया है कि छठ महापर्व तक शहर के सभी 75 वार्डों में बेहतर साफ-सफाई के लिए 10-10 अतिरिक्त सफाई कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही मोहल्ले में कचरा उठाने वाले वाहनों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। ऐसे में कचरा उठाव करने वाले वाहन दिनभर में दो बार वार्डों में चक्कर लगाएंगे। इसके अलावा शहर के सभी छह अंचलों में एक-एक पिंक टॉयलेट की सुविधा शुरू होगी। फिलहाल दो पिंक टॉयलेट का निर्माण कर लिया गया है। नगर निगम ने दावा किया है कि दीपावली से पहले शहर के चौक-चौराहों पर 20 नई हाईमास्ट लाइट लगाई जाएंगी। इसके लिए टेंडर फाइनल करते हुए एजेंसी को वर्क ऑडर जारी हो गया है। इसके अलावा 10 स्वीपिंग मशीन के संचालन और रखरखाव के लिए पुरानी एजेंसी के समय को बढ़ा दिया गया है। अब नया टेंडर होने तक उसी एजेंसी से काम कराया जाएगा।

जिसकी हत्या में पति-ससुर को 3 साल जेल, वो लौट आई

ससुर को मेले में दिखी तो पुलिस बुलाई, बोली- पिता की मुझपर गंदी नीयत थी

भोजपुर । विवाहिता की हत्या के आरोप में पति, ससुर और भसुर को तीन साल तक जेल में रहना पड़ा। लेकिन, इस मामले में तब ट्वीस्ट आया, जब मृतक विवाहिता 4 साल बाद लोगों के सामने जिंदा आ गई। महिला के ससुर ने उसे 8 अक्टूबर को एक मेले में देखा और फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने महिला से पूछताछ शुरू की तो यह पता चला कि 4 साल पहले वो अपने पिता की गंदी हरकतों से तंग आकर मायके से भाग गई थी और उसने दूसरी शादी कर ली। महिला ने पुलिस को यह भी बताया कि हमारी हत्या के आरोप में पति-ससुर को जेल जाना पड़ा है। इस मामले की शुरूआत अक्टूबर 2020 से हुई। पुलिस को महिला ने बताया कि मां की मौत के बाद मैं मायके जनकपुरिया रहती थी। मेरे पिता कहते थे कि तुम्हारा पति साथ में नहीं रहता है। इसलिए तुम मेरे साथ रहो। तुम मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाओ। मैं कैसे उनके साथ गलत काम करती। जिसने पैदा किया, वही ऐसा काम करने की कोशिश करता था। पिता से तंग आ गई थी। एक दिन सुसाइड करने के लिए आरा रेलवे स्टेशन पहुंची। मैं चलती ट्रेन के आगे कूदने की तैयारी में थी। तभी एक युवक अजय ने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे बचा लिया। मैंने उसे अपनी पूरी कहानी बताई। इसके बाद वो मुझे अपने घर मीरगंज ले गया। वहां दो दिनों बाद हमने शादी कर ली। इधर, पीड़ित पति ने बताया कि 'मेरी शादी 3 मई 2015 को हुई थी। शादी के एक साल बाद बेटा हुआ, लेकिन पत्नी की लापरवाही से उसकी अस्पताल में मौत हो गई। 2016 में सास तेतरा देवी की मौत के बाद मेरे पूरे परिवार ने पैसा इकट्ठा कर श्राद्ध कर्म कराया था। मेरी पत्नी का कोई भाई नहीं है। वो मायके अपने पिता के पास चली गई। ससुर मेरी पत्नी को मारते-पीटते थे। ससुर ने पत्नी को डरा धमका कर मेरे परिवार के खिलाफ महिला थाने में दहेज प्रताड़ना का केस करवा दिया। रिश्तेदार भी जान से मारने की धमकी देते थे। पीड़ित पति ने बताया कि एक दिन पत्नी मायके से भाग गई और फिर वो काफी दिनों तक मिली नहीं।' महिला के पति ने बताया कि '29 अक्टूबर 2020 को सहार थाना क्षेत्र के खड़ाव गांव के सोन नदी से एक अज्ञात महिला का शव मिला था। मेरे ससुर ने उस महिला की डेड बॉडी की पहचान अपनी बेटी के रूप में की थी। इसके बाद मेरे, मेरे बड़े भाई और पिता पर हत्या का आरोप लगा दिया। पुलिस ने हम लोगों को घर से पुल के पास बुलाया। इसके बाद हम दोनों भाइयों की बेहरमी से पिटाई की। हम कहते रहे कि यह मेरी पत्नी की लाश नहीं है, लेकिन किसी ने मेरी बात नहीं मानी। बिना जुर्म किए हमें करीब तीन साल तक जेल में रहना पड़ा। मेरा ससुर थाने पर झूठे आंसू दिखाकर पुलिस से कह रहा था कि मेरी बेटी को इन लोगों ने मारा है। तीन साल तक मेरी मां और बड़े भाई के छोटे-छोटे बच्चे दरझदर भटक रहे थे।' लड़के की मां ने बताया कि 'मेरे छोटे बेटे ने पुलिस के डर से पढ़ाई छोड़ दी थी। उस वक्त घर के कमाने वाले लोग जेल चले गए थे। सिर्फ महिला थी। दूसरे के घर जाकर काम करती थी और परिवार का पालन-पोषण करती थी। मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य किसी ने मदद नहीं की। खाने का एक दाना भी नहीं मिलता था। किसी तरह अपनी हिम्मत को बरकरार रखा और पूरे परिवार को एक साथ लेकर चली।'

मां दुर्गा, राम दरबार, राधा-कृष्ण की मूर्ति तोड़ी

लाठी-डंडा लेकर भीड़ ने थाना घेरा, 3 घंटे जाम रही सड़क; एक आरोपी गिरफ्तार

भागलपुर । सन्हौला शिव शक्ति मंदिर में तोड़फोड़ के बाद जमकर हंगामा हुआ। असामाजिक तत्वों ने मंदिर में राम-लक्ष्मण, माता सीता, राधा- कृष्णा और मां दुर्गा की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसके बाद लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। लोगों ने थाना परिसर में घुसकर जमकर हंगामा किया। लाठी-डंडे के साथ लोग सड़क पर उतर आए। सन्हौला से झारखंड को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग को थाना के पास जाम कर दिया। घटना सन्हौला थाना क्षेत्र के तालाब स्थित दुर्गा मंदिर की है। स्थानीय लोग दोषी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इधर लोगों की भीड़ को देखते हुए मौके पर भारी फोर्स तैनात की गई। पुलिस-प्रशासन के समझाने पर करीब 3 घंटे बाद लोगों ने प्रदर्शन खत्म कर दिया है। प्रतिमा क्षतिग्रस्त की सूचना पर इलाके के सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। आक्रोशित लोगों का मांग है कि इस घटना में शामिल सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जाए। अपराधियों की जब तक गिरफ्तारी नहीं होती है तब तक हम लोग प्रदर्शन करते रहेंगे। आक्रोशित लोग लाठी-डंडे लेकर सड़क पर उतर रहे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल, स्पेशल फोर्स और कई थानेदार मौके पर पहुंच गए हैं। लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे। पुलिस ने बताया इस मामले में मूर्ति खंडित करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक की जा रही है। इलाके में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। पुलिस-प्रशासन के समझाने के बाद लोगों ने जाम खत्म कर दिया है। जिसकी गिरफ्तारी हुई है, वह विक्षिप्त युवक है। जिसे पुलिस अपने हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। गिरफ्तारी के बाद भी लोग प्रदर्शन कर रहे थे क्योंकि लोगों का कहना था कि एक आदमी ऐसा नहीं कर सकता है। लोगों का आरोप है कि 10 लाख से अधिक के जेवरात की चोरी हुई है। फिलहाल मामले को सुलझा लिया गया है। रविवार की सुबह करीब 7 बजे पुजारी मंदिर पहुंचे थे तो देखा कि 6 मूर्तियां टूटी हुई थी। पुजारी ने ग्रामीणों को सूचना दी। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे और थाना गेट के सामने विरोध जताना शुरू कर दिया, तीन घंटे तक सड़क जाम किया। जिसके बाद पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले एक विक्षिप्त को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा कि 10 लाख के जेवर चोरी हुए हैं, पर पुलिस पुष्टि नहीं कर रही। पुजारी ने बताया कि एक व्यक्ति मंदिर में घुसा था। प्रशासन

संक्षिप्त डायरी

पटना के 31 पीएमश्री दर्जा प्राप्त स्कूलों में लगेंगे कैमरे, यूनिफॉर्म में ही आना होगा

पटना। जिले के पीएमश्री से दर्जा प्राप्त 31 स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों और यहां की हर गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा। यह कैमरा वर्ग कक्ष से लेकर पूरे कैंपस में लगाया जाएगा। जिला शिक्षा कार्यालय के अनुसार जिले के 31 स्कूलों पीएमश्री दर्जा के लिए चयन किया गया है। ऐसे सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों को प्रतिदिन यूनिफार्म में आने के लिए कहा गया है। प्राथमिक स्तर के स्कूल में कुछ बच्चे यूनिफार्म में नहीं आते हैं तो उन पर दबाव नहीं दिया जाता है। लेकिन पीएमश्री की श्रेणी में आने वाले स्कूल में विद्यार्थियों को यूनिफार्म में आना अनिवार्य है। यदि यूनिफार्म में नहीं आते तो उनको स्कूल में प्रवेश नहीं मिलेगा। बच्चे अनुशासन में दिखें, इसपर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जिले के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से स्कूलों में बन रहे रैन हार्वेस्टिंग की सूची मांगी है। जिले के कुछ स्कूलों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण किया गया है। इसमें पीएमश्री दर्जा के लिए चयनित स्कूल भी शामिल है। जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा है कि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं सहायक अभियंता यह बताएंगे कि इस कार्य से विद्यालयों को लाभ हो रहा या नहीं। विद्यालय का नाम, रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कब बनकर तैयार हुआ, कार्य कर रहा है या नहीं और प्रखंड एवं स्कूल के नाम के साथ भेजने के लिए निर्देशित किया है। माध्यमिक, उच्च माध्यमिक एवं पीएमश्री की श्रेणी में आने वाले प्रत्येक स्कूलों में कक्षा नौ से 12 वीं तक की पाठ्य पुस्तक की एक-एक सेट लाइब्रेरी में रखा जाएगा। जिला शिक्षा शिक्षा कार्यालय ने जिले के सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से लाइब्रेरी में पाठ्य पुस्तक रखने के लिए सूची मांगी है। इसके अलावा लाइब्रेरी में प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित पत्रिका, हिंदी एवं अंग्रेजी के एक अखबार भी रखना अनिवार्य है।

डेंगू और चिकनगुनिया के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया

पटना। शहरी क्षेत्र में डेंगू एवं चिकनगुनिया का प्रकोप बना हुआ है। इसी को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क है। इससे निपटने के लिए अलर्ट मोड में काम किया जा रहा है। इसी क्रम में पटना के सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को डेंगू व चिकनगुनिया के खतरे के बारे में जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें बचाव की जानकारी दे रहे हैं। वनिता विहार बालक मध्य विद्यालय, राजेंद्रनगर में छात्रों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रविशंकर सिंह ने कहा कि डेंगू एवं चिकनगुनिया से बचने के लिए घर में साफ-सफाई पर ध्यान रखें, कूलर और गमले का पानी रोज बदलें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, मच्छर भगाने वाली क्रीम का इस्तेमाल दिन में करें, स्कूल में पूरी आस्तीन के कपड़े पहन कर आएं, आस-पास गंदगी जमा नहीं होने दें एवं अपने दोस्तों को भी डेंगू से बचने के उपाय बताएं। वहीं, बेली रोड स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय नंबर-2 में बच्चों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि यदि डेंगू एवं चिकनगुनिया के मरीज को नाक एवं जबड़े से खून आने लगे अथवा काला रंग का शौच हो तो अविलंब डॉक्टर को दिखाएं। यह गंभीर स्थिति का सूचक है। स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी, डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद ने कहा कि डेंगू के लक्षण सात दिन में स्पष्ट होने लगते हैं। दर्द, उल्टी, बुखार, आंखों के पीछे दर्द होना इसके विशेष लक्षण हैं। दर्द से बुखार आ जाता है, जिसे हड्डी तोड़ बुखार भी कहते हैं। एक व्यक्ति के बुखार से संक्रमित होने पर इसका खतरा अन्य लोगों को भी होता है। घर के आसपास सफाई रखें। जलजमाव नहीं होने दें। मच्छर के पनपने का कोई रास्ता नहीं छोड़ें। इससे डेंगू समेत मच्छर जनित अन्य बीमारियों से भी बचाव होगा।

कर्ज लेने वालों पर बैंक ने चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई

पटना। एचडीएफसी बैंक की ओर से जब्त किए गए कुछ सामानों की चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। यह संपत्ति बाढ़ के एक व्यक्ति को दिए गए ऋण के पैसे चुकता नहीं होने के बाद जब्त की गई थी। इस मामले में एचडीएफसी बैंक के अधिकारी ने थाने में केस दर्ज कराया है। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि एचडीएफसी बैंक ने मेसर्स जय मां दुर्गा इन्स्ट्रीज को ऋण दिया था। इसके प्रोपाइटर अरविन्द कुमार हैं। इसमें कई लोग बंधक कर्ता व गारंटर हैं। ऋण की राशि नहीं चुकाने के कारण उपरोक्त नामित ऋणी का ऋण खाता एनपीए हो गया तथा ऋण की वसूली के लिए बैंक ने ऋणी पर कार्रवाई की। बैंक के आवेदन पर जिला समाहर्त्ता सह दण्डाधिकारी, पटना ने दिनांक 17 जनवरी 2023 को दण्डाधिकारी एवं पुलिस की प्रतिनियुक्ति संबंधी आदेश पारित किया। इस आदेश के आलोक में दिनांक 15 जून 2023 को पुलिस एवं दण्डाधिकारी के समक्ष बंधक सम्पति,वाजितपुर थाना बाढ़ जिला पटना पर भौतिक दखल कब्जा लिया गया। भौतिक दखल कब्जा के समय सभी चल सम्पतियों की सूची बनाई गई थी तथा इसी परिसर में इसे पुलिस एवं दण्डाधिकारी के समक्ष सील बंद कर दिया था। बैंक अधिकारी का कहना है कि 17 अक्टूबर 2024 को अपराह्न करीब 4 बजे वहां के स्थानीय लोगों की ओर से बैंक कर्मी को सूचना दिया गया कि उक्त परिसर का पिछला दरवाजा तोड़कर सामान की चोरी हो रही है।

आरसीपी का भाजपा से मोहभंग

जदयू के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रहे आरसीपी सिंह भाजपा में गए थे, पर वहां तवज्जो नहीं मिली

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह का भाजपा से मन भर गया है। अब वे नई पार्टी बनाएंगे। बोले- ह्यनई पार्टी, प्रदेश और समाज के लिए बहुत जरूरी है। वे शनिवार को मीडिया से मुखातिब थे। उन्होंने कहा- ह्यराजनीतिक कार्यकर्ता बेहद निराश हैं। यह प्रदेश और समाज के लिए खतरनाक स्थिति है। प्रदेश और समाज की चौतरफा बेहतरी के लिए राजनीतिक कार्यकताओं में उत्साह की बहुत जरूरत है। मैंने पिछले 4 महीनों में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। कार्यकर्ता, शुभचिंतकों से लेकर आम लोगों से बात की। सबका यही कहना रहा कि राजनीतिक तौर पर कुछ नया होना चाहिए। नई पार्टी बननी चाहिए, जो सार्थक विकल्प हो। सो, हमने नई पार्टी बनाने की बात तय की है।ह्न उनके अनुसार, मैंने 6 अगस्त 2022 को जदयू छोड़ा। तब से बड़ी संख्या में नेता-कार्यकर्ता हमारे साथ हैं। मैंने इन सबका भी फीडबैक लिया। इन्होंने भी नई पार्टी बनाने की बात कही। आरसीपी सिंह जदयू में नेक्स्ट टू की हैसियत में रहे। जब नीतीश कुमार केंद्र में मंत्री थे, तब से आरसीपी उनके साथ रहे। नीतीश के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उनके साथ रहे। पार्टी संगठन से जुड़े। राज्यसभा भेजे गए। पार्टी के कोटे से केंद्र में मंत्री बने। हालांकि, उनका मंत्री बनना बहुत विवादास्पद रहा। खुद जदयू के बड़े नेताओं ने कहा कि वे अपने मन से मंत्री बन गए, जबकि पार्टी

ने उनको केंद्रीय मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी के लिए भाजपा नेतृत्व से बात करने को कहा था। मगर वे खुद ही मंत्री बन गए। इसके बारे में जदयू नेतृत्व से सहमति नहीं ली। आरसीपी पर भाजपा के साथ मिलकर जदयू को तोड़ने का आरोप लगा। राजीव रंजन सिंह ह्यललनह्न आदि नेताओं ने उन्हें ह्यभाजपाई एजेंटह्न कहा। यहां तक की नीतीश कुमार ने भी काफी कुछ कहा। आरसीपी ने इन तमाम बातों को कई मौकों पर खारिज किया। कहा- ह्यनीतीश कुमार को घेरे हुए कॉकस ने मुझे साजिशन उनसे दूर कर दिया।ह्न बहरहाल, आरसीपी जदयू छोड़कर भाजपा में आ गए। तब जदयू, राजद के साथ मिलकर सरकार चला रहा था। कुछ दिन बाद जदयू खुद भाजपा के साथ हो गया। यह स्थिति आरसीपी के लिए बहुत परेशान करने वाली रही। जदयू के साथ होते ही भाजपा ने उनको ठंडा कर दिया। यानी कोई जिम्मेदारी या तवज्जो नहीं मिली। लोकसभा चुनाव के दौरान तो आरसीपी बिहार में दिखे भी नहीं। हां, इन सबके बाद पहली बार उनकी तरफदारी के पोस्टर-बैनर राजधानी में जरूर दिखे।

लोग बोले: मैडम के कहने पर ड्राइवर ने गाड़ी चढ़ाई

सारण में उत्पाद विभाग की गाड़ी ने दो शराब तस्करों को कुचला, एक की मौत

सारण । उत्पाद विभाग की गाड़ी ने दो शराब तस्करों को कुचल दिया। इस घटना में एक शराब तस्कर की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे की हालत गंभीर है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सोनपुर के दुधैला बाईपास चौक के पास भिनक टोला की है। हादसे के बाद मौके से उत्पाद विभाग के पुलिस अधिकारी स्कॉर्पियो को गड्ढे में छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक स्कॉर्पियो से उत्पाद विभाग की टीम बाइक सवार शराब तस्करों का पीछा कर रही थी। गाड़ी में बैठी महिला पुलिस कर्मी ने स्पीड बढ़ाने को कहा और चालक ने गाड़ी तेज कर दी। इसके बाद बाइक सवार तस्कर उत्पाद विभाग की गाड़ी की चपेट में आ गए। स्थानीय निवासी रंजन कुमार का आरोप है कि घटना के बाद पुलिस वालों ने गाड़ी बैक कर लाश पर चढ़ाई। वहीं, घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बाद सोनपुर थाना के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों को समझाकर मामले को शांत कराया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान बाबुरबानी गांव निवासी सुरेश राय के बेटे सुजीत कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार वाले घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय इंद्रजीत राय ने बताया कि सुजीत समेत 2 लोग बाइक से घास लेने जा रहे थे। इतने में एक्साइज की गाड़ी ने उनको कुचल दिया। प्रशासन की गाड़ी स्पीड में थी। उसमें एक मैडम बैठी थीं। बाढ़ आने से सब दह गया है इसलिए ये लोग घास लेकर आ रहे थे। सुजीत शादीशुदा था, उसके परिवार का क्या होगा। हम लोग दोषी पुलिसवालों के खिलाफ सजा देने की मांग करते हैं। सारण एसपी डॉ कुमार आशीष ने बताया कि मृतक शराब डिलिवरी एजेंट था। उसे पकड़ने के लिए उत्पाद विभाग के अधिकारी स्कॉर्पियो से पीछा कर रहे थे। तभी स्कॉर्पियो के चपेट में आ गए, जिसमें से युवक की मौत हुई है। वहीं, सोनपुर थाना अध्यक्ष राजनंदन ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को दे दिया गया है।

8053 पंचायतों के मुखिया की कलमबंद हड़ताल जारी

पटना। राज्य की 8053 पंचायतों के मुखिया मनरेगा योजना में व्यापक सुधार को लेकर 15 अक्टूबर से कलम बंद हड़ताल पर हैं। राज्य से मजदूरों का पलायन रोकने के लिए 100 की जगह 200 दिन काम मिलने, मजदूरी दर 245 से बढ़ाकर 350 रुपए करने और 5 लाख की जगह 20 लाख की योजना की मंजूरी मिलने की मुख्य मांगों को लेकर हड़ताल की गई है। बिहार मुखिया महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय ने बताया कि 15 अक्टूबर से राज्य की किसी भी पंचायत में मजदूरों द्वारा मुखिया और कार्यक्रम पदाधिकारी से रोजगार हेतु आवेदन नहीं किया गया है। पर प्रखंड स्तर के अधिकारी आंकड़ों की जादूगरी दिखाकर कलमबंद हड़ताल को विफल करने में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि किसी भी पंचायत में मजदूर काम नहीं कर रहे, बावजूद प्रखंड स्तरीय अधिकारी काम दिखा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मनरेगा में व्यापक सुधार हेतु आवश्यक कदम नहीं उठाया गया तो मुखिया अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। यह भी कहा कि समय रहते मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी और प्रखंड स्तरीय मनरेगा से जुड़े अभियंता सचेत नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध पोल खोल अभियान चलाया जाएगा।

छठ तक 10-10 अतिरिक्त सफाईकर्मी वार्डों को मिलेंगे

पटना। शहर में त्योहारी रौनक को बढ़ाने के लिए पटना नगर निगम की ओर से कई स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। खासकर वार्डों और कॉलोनियों को साफ-सुथरा रखने के लिए विशेष पहल की गई है। निगम प्रशासन ने निर्णय लिया है कि छठ महापर्व तक शहर के सभी 75 वार्डों में बेहतर साफ-सफाई के लिए 10-10 अतिरिक्त सफाई कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही मोहल्ले में कचरा उठाने वाले वाहनों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। ऐसे में कचरा उठाव करने वाले वाहन दिनभर में दो बार वार्डों में चक्कर लगाएंगे। इसके अलावा शहर के सभी छह अंचलों में एक-एक पिंक टॉयलेट की सुविधा शुरू होगी। फिलहाल दो पिंक टॉयलेट का निर्माण कर लिया गया है। नगर निगम ने दावा किया है कि दीपावली से पहले शहर के चौक-चौराहों पर 20 नई हाईमास्ट लाइट लगाई जाएंगी। इसके लिए टेंडर फाइनल करते हुए एजेंसी को वर्क ऑडर जारी हो गया है। इसके अलावा 10 स्वीपिंग मशीन के संचालन और रखरखाव के लिए पुरानी एजेंसी के समय को बढ़ा दिया गया है। अब नया टेंडर होने तक उसी एजेंसी से काम कराया जाएगा।

जिसकी हत्या में पति-ससुर को 3 साल जेल, वो लौट आई

ससुर को मेले में दिखी तो पुलिस बुलाई, बोली- पिता की मुझपर गंदी नीयत थी

भोजपुर । विवाहिता की हत्या के आरोप में पति, ससुर और भसुर को तीन साल तक जेल में रहना पड़ा। लेकिन, इस मामले में तब ट्वीस्ट आया, जब मृतक विवाहिता 4 साल बाद लोगों के सामने जिंदा आ गई। महिला के ससुर ने उसे 8 अक्टूबर को एक मेले में देखा और फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने महिला से पूछताछ शुरू की तो यह पता चला कि 4 साल पहले वो अपने पिता की गंदी हरकतों से तंग आकर मायके से भाग गई थी और उसने दूसरी शादी कर ली। महिला ने पुलिस को यह भी बताया कि हमारी हत्या के आरोप में पति-ससुर को जेल जाना पड़ा है। इस मामले की शुरूआत अक्टूबर 2020 से हुई। पुलिस को महिला ने बताया कि मां की मौत के बाद मैं मायके जनकपुरिया रहती थी। मेरे पिता कहते थे कि तुम्हारा पति साथ में नहीं रहता है। इसलिए तुम मेरे साथ

रहो। तुम मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाओ। मैं कैसे उनके साथ गलत काम करती। जिसने पैदा किया, वही ऐसा काम करने की कोशिश करता था। पिता से तंग आ गई थी। एक दिन सुसाइड करने के लिए आरा रेलवे स्टेशन पहुंची। मैं चलती ट्रेन के आगे कूदने की तैयारी में थी। तभी एक युवक अजय ने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे बचा लिया। मैंने उसे अपनी पूरी कहानी बताई। इसके बाद वो मुझे अपने घर मीरगंज ले गया। वहां दो दिनों बाद हमने शादी कर ली। इधर, पीड़ित पति ने बताया कि 'मेरी शादी 3 मई 2015 को हुई थी। शादी के एक साल बाद बेटा हुआ, लेकिन पत्नी की लापरवाही से उसकी अस्पताल में मौत हो गई। 2016 में सास तेतरा देवी की मौत के बाद मेरे पूरे परिवार ने पैसा इकट्ठा कर श्राद्ध कर्म कराया

था। मेरी पत्नी का कोई भाई नहीं है। वो मायके अपने पिता के पास चली गई। ससुर मेरी पत्नी को मारते-पीटते थे। ससुर ने पत्नी को डरा धमका कर मेरे परिवार के खिलाफ महिला थाने में दहेज प्रताड़ना का केस करवा दिया। रिश्तेदार भी जान से मारने की धमकी देते थे। पीड़ित पति ने बताया कि एक दिन पत्नी मायके से भाग गई और फिर वो काफी दिनों तक मिली नहीं।' महिला के पति ने बताया कि '29 अक्टूबर 2020 को सहार थाना क्षेत्र के खड़ाव गांव के सोन नदी से एक अज्ञात महिला का शव मिला था। मेरे ससुर ने उस महिला की डेड बॉडी की पहचान अपनी बेटी के रूप में की थी। इसके बाद मेरे, मेरे बड़े भाई और पिता पर हत्या का आरोप लगा दिया। पुलिस ने हम लोगों को घर से पुल के पास बुलाया। इसके बाद हम दोनों भाइयों की बेहरमी से पिटाई की। हम कहते रहे कि यह मेरी पत्नी की लाश नहीं है, लेकिन किसी ने मेरी बात नहीं मानी। बिना जुर्म किए हमें करीब तीन साल तक जेल में रहना पड़ा। मेरा ससुर थाने पर झूठे आंसू दिखाकर पुलिस से कह रहा था कि मेरी बेटी को इन लोगों ने मारा है। तीन साल तक मेरी मां और बड़े भाई के छोटे-छोटे बच्चे दरझदर भटक रहे थे।' लड़के की मां ने बताया कि 'मेरे छोटे बेटे ने पुलिस के डर से पढ़ाई छोड़ दी थी। उस वक्त घर के कमाने वाले लोग जेल चले गए थे। सिर्फ महिला थी। दूसरे के घर जाकर काम करती थी और परिवार का पालन-पोषण करती थी। मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य किसी ने मदद नहीं की। खाने का एक दाना भी नहीं मिलता था। किसी तरह अपनी हिम्मत को बरकरार रखा और पूरे परिवार को एक साथ लेकर चली।'

कार्तिक मास में क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए

कार्तिक मास चल रहा है। इस माह में विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ ही यम, धन्वंतरि, गोवर्धन, श्रीकृष्ण, चित्रगुप्त आदि की पूजा का महत्व होता है। इस माह में एक साथ समस्त देवी-देवताओं को प्रसन्न किया जा सकता है। आओ जानते हैं कि इस माह में क्या करना चाहिए और क्या नहीं जानते हैं।

पीपल पूजा : पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी का पीपल के वृक्ष पर निवास रहता है। पूर्णिमा के दिन जो भी जातक मीठे जल में दूध मिलाकर पीपल के पेड़ पर चढ़ाता है उस पर मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

चावल का दान : कार्तिक मास में गरीबों को चावल दान करने से चन्द्र ग्रह शुभ फल देता है।

शिवलिंग पूजा : इसी तरह इस माह शिवलिंग पर कच्चा दूध, शहद व गंगाजल मिला कर चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

द्वार श्रृंगार और पूजा : कार्तिक मास के प्रमुख पर्वों पर घर के मुख्यद्वार पर आम के पत्तों का तोरण बांधें।

उपहार : इस माह पत्नी या किसी नन्ही बच्ची को उपहार दें।

रंगोली : कार्तिक मास में माह भर द्वार पर रंगोली जरूर बनाएं। इससे विशेष समृद्धि के योग बनते हैं। नवग्रह प्रसन्न होते हैं।

ये कार्य न करें

- शादीशुदा व्यक्ति कार्तिक मास में शारीरिक संबंध न बनाएं वरना चन्द्रमा के दुष्प्रभाव आपको व्यथित करेंगे।
- इस माह में मांसाहार, शराब और मछली आदि तामसिक भोजन नहीं करना चाहिए।
- इस माह में बैंगन, दही, करेला और जीरा नहीं खाना चाहिए। मूली खाना फायदेमंद होगा।
- दलहन (दालों) खाना निषेध- कार्तिक महीने में द्विदलन अर्थात उड़द, मूंग, मसूर, चना, मटर, राई आदि नहीं खाना चाहिए।

घर लाएं मिट्टी की ये खास वस्तुएं

चमक जाएगी किस्मत, घर लाएं मिट्टी ना सिर्फ मन को सुवासित करती है बल्कि इसके बर्तन, खिलौने और सामग्री अगर घर में लाकर रखी जाए तो जिंदगी भी महक सकती है। मिट्टी से बनी चीजें सुख, सौभाग्य और समृद्धि की कारक होती हैं। मिट्टी का उपयोग हमारे जीवन को भाग्यशाली बना सकता है।

- हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए।
- वास्तुशास्त्र के अंतर्गत भी मिट्टी को महत्वपूर्ण कहा गया है। मिट्टी के घड़े से पानी पीना या घर में मिट्टी के बर्तन रखना अत्यंत लाभदायक माना गया है।
- ऐसा करने से आसपास सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बना रहता है। लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मिट्टी के कुछ बर्तन ऐसे हैं जो हर घर में होने ही चाहिए। जो लोग चाहते हैं कि उनके जीवन में सुख-समृद्धि और सफलता हमेशा बरकरार रहे उन लोगों को कुछ विशेष प्रकार के मिट्टी के बर्तन अपने घर में रखने चाहिए।
- मिट्टी के इन उपयोगी बर्तनों में सबसे पहला नाम है घड़े का।
- बहुत से परिवारों में घड़े का पानी पिया जाता है, घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है।
- यहां तक कि विज्ञान भी यह मानता है कि घड़े का पानी सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।
- अगर आपके घर में घड़ा हैं तो इसे अपने घर की उत्तर-पूर्वी दिशा में ही रखें। यह आपके घर और आसपास के वातावरण की सभी नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है।
- परिवार में सुख और समृद्धि के मार्ग भी खुल जाते हैं।
- घर में कोई व्यक्ति तनाव ग्रस्त हैं या मानसिक रूप से परेशान है तो आप उन्हें माटी के घड़े से किसी भी पौधे को पानी देने के लिए कहें।
- लस्सी और चाय कुल्हड़ में पीने का मजा ही कुछ और है, लेकिन मिट्टी से बने ये गिलास मंगल ग्रह के दुष्प्रभाव से भी मुक्ति दिलवाते हैं।
- इसलिए जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित है, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ कुल्हड़ में ही पीने चाहिए।
- हर शनिवार के दिन किसी कुल्हड़ में पानी भरकर पीपल के पेड़ के नीचे रखने से करियर में लाभ मिलेगा।
- कुल्हड़ में पानी भरकर अपनी छत पर भी प्यासे पक्षियों के लिए रख सकते हैं, इससे अगर आप नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आपकी तलाश जल्द पूरी होगी।
- मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में रखने से भी आपकी धन संबंधी परेशानियां तो दूर होती ही हैं, साथ ही धन की स्थिरता भी बनी रहती है।
- जो लोग धन संबंधी परेशानियां झेल रहे हैं उन्हें हर शनिवार मिट्टी का दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाना चाहिए।
- अगर किसी व्यक्ति के दांपत्य जीवन में परेशानियां चल रही हैं तो उसे नियमित तौर पर तुलसी के पौधे पर मिट्टी का दीया जलाना चाहिए।
- नि:संतान स्त्री या पुरुष को चार मुंह वाले दीये में चार लौ लगाकर श्रीकृष्ण की मूर्ति के आगे प्रज्वलित करना चाहिए।
- मिट्टी से बनी विभिन्न वस्तुओं या खिलौनों का ड्राइंग रूम में प्रयोग करने से धन की आवक बढ़ती है।

इन पुष्पों से करें श्री हरि का पूजन

कार्तिक मास चल रहा है। इस माह की समाप्ति कार्तिक पूर्णिमा के दिन यानी को होगी। इस महीने में विशेष तौर पर भगवान श्री विष्णु का पूजन करने की मान्यता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार कार्तिक माह भगवान श्रीहरि का महीना माना गया है। मान्यतानुसार जो भक्त कार्तिक मासपर्यंत निम्न पुष्पों से भगवान श्री हरि विष्णु का पूजन करते हैं, उनके जन्म-जन्मांतर के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं देवउठनी एकादशी या हरि प्रबोधिनी एकादशी के दिन तो अवश्य ही इन पुष्पों से श्री नारायण का पूजन करना चाहिए। इन पुष्पों के साथ ही तुलसी दल से पूरे कार्तिक मास में विष्णु पूजन करने से मनुष्य को सभी तरह के सुख और चारों दिशाओं से समृद्धि की प्राप्ति होती है।

जानिए किन पुष्पों से करें विष्णु पूजन

- कार्तिक मास में जो मनुष्य तुलसी से भगवान का पूजन करते हैं, उनके 10,000 जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- जो मनुष्य वकुल और अशोक के फूलों से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, वे सूर्य-चंद्रमा रहने तक किसी प्रकार का शोक नहीं पाते।
- जो मनुष्य अगस्त्य के पुष्प से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, उनके आगे इंद्र भी हाथ जोड़ता है। तपस्या करके संतुष्ट होने पर हरि भगवान जो नहीं करते, वह अगस्त्य के पुष्पों से भगवान को अलंकृत करते हैं।
- कार्तिक मास में तुलसी दर्शन करने, स्पर्श करने, कथा कहने, नमस्कार करने, स्तुति करने, तुलसी रोपण, जल से सींचने और प्रतिदिन पूजन-सेवा आदि करने से हजार करोड़ युगपर्यंत विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य तुलसी का पौधा लगाते हैं, उनके कुटुम्ब से उत्पन्न होने वाले प्रलयकाल तक विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य कार्तिक मास में तुलसी का रोपण करता है और रोपी गई तुलसी जितनी जड़ों का विस्तार करती है उतने ही हजार युगपर्यंत तुलसी रोपण करने वाले सुकृत का विस्तार होता है।
- जिस किसी मनुष्य द्वारा रोपी गई तुलसी से जितनी शाखा, प्रशाखा, बीज और फल पृथ्वी में बढ़ते हैं, उसके उतने ही कुल जो बीत गए हैं और होंगे, वे 2,000 कल्प तक विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य कदम्ब के पुष्पों से श्रीहरि का पूजन करते हैं, वे कभी भी यमराज को नहीं देखते।
- जो भक्त गुलाब के पुष्पों से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, उन्हें मुक्ति मिलती है।
- जो मनुष्य सफेद या लाल कनेर के फूलों से भगवान का पूजन करते हैं, उन पर भगवान अत्यंत प्रसन्न होते हैं।
- जो मनुष्य भगवान विष्णु पर आम की मंजरी चढ़ाते हैं, वे करोड़ों गायों के दान का फल पाते हैं।
- जो मनुष्य दूब के अंकुरों से भगवान की पूजा करते हैं, वे 100 गुना पूजा का फल ग्रहण करते हैं।
- जो मनुष्य विष्णु भगवान को चंपा के फूलों से पूजते हैं, वे फिर संसार में नहीं आते।
- पीले रक्त वर्ण के कमल पुष्पों से भगवान का पूजन करने वाले को श्वेत द्वीप में स्थान मिलता है।
- जो भक्त विष्णुजी को केतकी के पुष्प चढ़ाते हैं, उनके करोड़ों जन्म के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- जो मनुष्य शमी के पत्र से भगवान की पूजा करते हैं, उनको महाघोर यमराज के मार्ग का भय नहीं रहता।
- कार्तिक मास में जो मनुष्य बिल्व पत्र से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, वे मुक्ति को प्राप्त होते हैं।

कार्तिक मास में बरसेंगे भगवान विष्णु के आशीर्वाद, जानें तुलसी पूजा के लाभ

कार्तिक माह भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का महीना है। इस महीने में दोनों की पूजा के साथ ही तुलसी पूजा का खास महत्व होता है। माता लक्ष्मी और तुलसी की पूजा करने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस माह की देवउठनी ग्यारस एकादशी पर तुलसी करने का खासा महत्व है।

महाप्रसाद जननी, सर्व सौभाग्यवर्धिनी
आधि व्याधि हरा नित्यं,
तुलसी त्वं नमोस्तुते।।

- भगवान विष्णु को तुलसीजी बहुत ही प्रिय हैं। कार्तिक मास में तुलसीजी का पूजा करने से विशेष पुण्य लाभ मिलता है और जीवन से सारे दुख-संकट दूर हो जाते हैं।
- शालिग्राम के साथ तुलसीजी की पूजा ऐसा करने से अकाल मृत्यु नहीं होती है।
- कार्तिक मास में तुलसीजी की पूजा करके इसके पौधे का दान करना श्रेष्ठ माना गया है।
- कार्तिक माह में तुलसी के पौधे को हर गुरुवार को कच्चे दूध से सींचना चाहिए। इससे माता तुलसी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देती हैं।
- कार्तिक महीने में प्रतिदिन शाम को तुलसी के पौधे के सामने दीपक जलाकर रखना चाहिए। इसे पुण्य की प्राप्ति होती है और घर में सुख शांति बनी रहती है।
- कार्तिक में ब्रह्म मुहूर्त में उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है।
- तुलसी की पूजा और इसके सेवन से हर तरके रोग और शोक मिट जाते हैं और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

घर की उत्तर ईशान की दीवारों का रंग ऐसा रखें

रंगों का हमारे जीवन में बहुत बहुत असर होता है। वास्तु के अनुसार ही घर के पर्दे, चादर, कपड़े और दीवारों तक का रंग होना चाहिए। यदि आप इसका ध्यान रखते हैं तो आने वाली बहुत-सी परेशानियों से बच जाएंगे। वास्तु के अनुसार घर की उत्तर और ईशान दिशा महत्वपूर्ण होती है।

उत्तर की दीवार

- घर का उत्तर का भाग जल तत्व प्रधान होता है। इसे धन और लक्ष्मी का स्थान भी कहा जाता है अत: इस स्थान को स्वच्छ, पवित्र और खाली रखना चाहिए।
- वास्तु के अनुसार इसकी साज-सजा में हल्के हरे रंग या पिस्ता हरे रंग का प्रयोग किया जाना चाहिए। हालांकि आप आसमानी रंग का प्रयोग भी कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।
- यदि यहां अन्य किसी भी प्रकार के गहरे रंगों का प्रयोग किया तो आर्थिक हानि तो होगी ही, साथ ही अन्य परेशानियां भी खड़ी हो सकती हैं। यह दिशा हवा से जुड़ी है।

उत्तर-पूर्व अर्थात ईशन की दीवार

- उत्तर-पूर्व को ईशान कोण कहते हैं। इस दिशा में देवता निवास करते हैं। यह भगवान शिव की दिशा भी मानी जाती है। इस दिशा में आकाश ज्यादा खुला होता है।
- इस दिशा की दीवार का रंग आसमानी, सफेद या हल्के बैंगनी रंग का होना चाहिए। हालांकि इसमें पीले रंग का प्रयोग इसलिए करना चाहिए, क्योंकि यह देवी और देवताओं का स्थान होता है।

आखिर ऋषियों की संख्या 7 ही क्यों हैं? जानिए हर काल के 7 ऋषि कौन हैं

भारतीय ऋषियों और मुनियों ने ही इस धरती पर धर्म, समाज, नगर, ज्ञान, विज्ञान, खगोल, ज्योतिष, वास्तु, योग आदि ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया था। दुनिया के सभी धर्म और विज्ञान के हर क्षेत्र को भारतीय ऋषियों का ऋणी होना चाहिए। उनके योगदान को याद किया जाना चाहिए। उन्होंने मानव मात्र के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी, समुद्र, नदी, पहाड़ और वृक्षों सभी के बारे में सोचा और सभी के सुरक्षित जीवन के लिए कार्य किया।

।।सप्त ब्रह्मर्षि, देवर्षि, महर्षि, परमर्षय:।
कण्डर्षिश्च, श्रुतर्षिश्च, राजर्षिश्च क्रमावश:।।

अर्थात - 1. ब्रह्मर्षि, 2. देवर्षि, 3. महर्षि, 4. परमर्षि, 5. काण्डर्षि, 6. श्रुतर्षि और 7. राजर्षि- ये 7 प्रकार के ऋषि होते हैं इसलिए इन्हें सप्तर्षि कहते हैं।

सप्तऋषि तारा मंडल

आकाश में 7 तारों का एक मंडल नजर आता है। उन्हें सप्तर्षियों का मंडल कहा जाता है। इसके अतिरिक्त सप्तर्षि से उन 7 तारों का बोध होता है, जो ध्रुव तारे की परिक्रमा करते हैं। उक्त मंडल के तारों के नाम भारत के महान 7 संतों के आधार पर ही रखे गए हैं। वेदों में उक्त मंडल की स्थिति, गति, दूरी और विस्तार की विस्तृत चर्चा मिलती है।

भारत में ऋषियों और गुरु-शिष्य की लंबी परंपरा रही है। ब्रह्मा के पुत्र भी ऋषि थे तो भगवान शिव के शिष्यगण भी ऋषि ही थे। प्रथम मनु स्वायंभुव मनु से लेकर बौद्धकाल तक ऋषि परंपरा के बारे में जानकारी मिलती है। हिन्दू पुराणों ने काल को मन्वंतरों में विभाजित कर प्रत्येक मन्वंतर में हुए ऋषियों के ज्ञान और उनके योगदान को परिभाषित किया है। प्रत्येक मन्वंतर में प्रमुख रूप से 7 प्रमुख ऋषि हुए हैं। विष्णु पुराण के अनुसार इनकी नामावली इस प्रकार है-

- प्रथम स्वायंभुव मन्वंतर में- मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य, पुलह, क्रतु और वशिष्ठ।
- द्वितीय स्वारोचिष मन्वंतर में- ऊर्ज्ज, स्तम्भ, वात, प्राण, पृषभ, निरय और परीवान।
- तृतीय उत्तम मन्वंतर में- महर्षि वशिष्ठ के सातों पुत्र।
- चतुर्थ तामस मन्वंतर में- ज्योतिर्धामा, पृथु, काव्य, चैत्र, अग्नि, वनक और पीवर।
- पंचम रैवत मन्वंतर में- हिरण्यरोमा, वेदश्री, ऊर्ध्वबाहु, वेदबाहु, सुधामा, पर्जन्य और महामुनि।
- षष्ठ चाक्षुष मन्वंतर में- सुमेधा, विरजा, हविष्मान, उतम, मधु, अतिनामा और सहिष्णु।
- वर्तमान सप्तम वैवस्वत मन्वंतर में- कश्यप, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और भारद्वाज।

भविष्य में

- अष्टम सावर्णिक मन्वंतर में- गालव, दीप्तिमान, परशुराम, अश्वत्थामा, कृप, ऋष्यश्रृंग और व्यास।
- नवम दक्षसावर्णि मन्वंतर में- मेधातिथि, वसु, सत्य, ज्योतिष्मान, द्युतिमान, सबन और भव्य।
- दशम ब्रह्मसावर्णि मन्वंतर में- तपोमूर्ति, हविष्मान, सुकृत, सत्य, नाभाग, अप्रतिमौजा और सत्यकेतु।
- एकादश धर्मसावर्णि मन्वंतर में- वपुष्मान, घृणि, आरुणि, निःस्वर, हविष्मान, अनघ और अग्नितेजा।
- द्वादश रुद्रसावर्णि मन्वंतर में- तपोद्युति, तपस्वी, सुतपा, तपोमूर्ति, तपोनिधि, तपोरति और तपोधृति।
- त्रयोदश देवसावर्णि मन्वंतर में- धृतिमान, अव्यय, तत्वदर्शी, निरुत्सुक, निर्मोह, सुतपा और निष्प्रकम्प।
- चतुर्दश इन्द्रसावर्णि मन्वंतर में- अग्नीध्र, अग्नि, बाहु, शुचि, युक्त, मागध, शुक्र और अजित।
- इन ऋषियों में से कुछ कल्पान्त-चिरजीवी, मुक्तात्मा और दिव्यदेहधारी हैं।

शतपथ ब्राह्मण के अनुसार

1. गौतम, 2. भारद्वाज, 3. विश्वामित्र, 4. जमदग्नि 5. वसिष्ठ, 6. कश्यप और 7. अत्रि।

महाभारत के अनुसार

1. मरीचि, 2 . अत्रि, 3. अंगिरा, 4. पुलह, 5. क्रतु, 6. पुलस्त्य और 7. वसिष्ठ सप्तर्षि माने गए हैं।

- महाभारत में राजधर्म और धर्म के प्राचीन आचार्यों के नाम इस प्रकार हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज और गौरशिरस मुनि।
- कौटिल्य के अर्थशास्त्र में इनकी सूची इस प्रकार है- मनु, बृहस्पति, उशनस (शुक्र), भरद्वाज, विशालाक्ष (शिव), पराशर, पिशुन, कौणपदंत, वातव्याधि और बहुदंती पुत्र।
- वैवस्वत मन्वंतर में वशिष्ठ ऋषि हुए। उस मन्वंतर में उन्हें ब्रह्मर्षि की उपाधि मिली। वशिष्ठजी ने गृहस्थाश्रम की पालना करते हुए ब्रह्माजी के मार्गदर्शन में उन्होंने सृष्टि वर्धन, रक्षा, यज्ञ आदि से संसार को दिशाबोध दिया।

दीपम ने अधिकारियों से कहा, सार्वजनिक कंपनियों के शेयरों में कारोबार करने से बचें

- अधिकारियों के पास हो सकती है सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के बारे में संवेदनशील जानकारी

नई दिल्ली । निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने अपने अधिकारियों से कहा है कि वह सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में कारोबार से बचें। दीपम ने यह सलाह इसलिए दी है क्योंकि उसके अधिकारियों के पास सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के बारे में बाजार की दृष्टि से संवेदनशील जानकारी हो सकती है। एक आंतरिक आदेश में दीपम ने कहा कि विभाग में शामिल होने वाले किसी भी अधिकारी को सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में अपनी हिस्सेदारी घोषित करनी होगी और ऐसे शेयरों को संबंधित अधिकारी द्वारा विभाग से मंजूरी के बाद ही बेचा जा सकता है। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाला दीपम सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में सरकारी हिस्सेदारी का प्रबंधन करता है। इसके अलावा वह सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री, रणनीतिक विनिवेश और निजीकरण के लिए भी जिम्मेदार है। एक अधिकारी ने बताया कि दीपम ने एक आंतरिक आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि विभाग के अधिकारी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शेयर नहीं खरीदेंगे या इन्हें साझा नहीं करेंगे। इसके पीछे विचार यह है कि दीपम के अधिकारियों के पास कुछ ऐसी जानकारी हो सकती है, जो कंपनियों के शेयर की कीमतों को प्रभावित कर सकती है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे उस जानकारी से लाभ उठा सकें। अधिकारी ने कहा कि दीपम केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) शेयरों के मूल्य को अधिकतम करने की दिशा में काम कर रहा है। यह पूरी तरह स्पष्ट है कि मूल्य-संवेदनशील जानकारी का किसी भी तरह से दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 और 2022-23 में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के क्रमशः 16,507 करोड़ रुपये और 35,294 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

एचडीबी फाइनेंशियल को आईपीओ लाने के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

आईपीओ बाजार के लिए साल 2024 खासा शानदार साबित हुआ है और एक के बाद एक कई बड़ी कंपनियों ने अपने इश्यू पेश किए हैं। हाल ही में ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया ने एलआईसी का रिकॉर्ड तोड़ते हुए देश का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च किया था, जो 27,000 करोड़ रुपये से ज्यादा आकार का था। अब देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर के बैंक एचडीएफसी की सब्सिडियरी कंपनी एचडीबी फायनेंशियल सर्विसेज अपना इश्यू पेश करने के लिए तैयार है और इसकी जानकारी बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। आईपीओ निवेशकों को जल्द ही निवेश के लिए एक और बड़ा मौका मिलने वाला है।

दरअसल एचडीएफसी बैंक की सब्सिडियरी फर्म के आईपीओ का रास्ता साफ हो गया है। एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने एचडीबी फाइनेंशियल को आईपीओ लाने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में शेयर की गई जानकारी के मुताबिक एचडीबी आईपीओ का फुल साइज 12,500 करोड़ रुपये हो सकता है। इसमें 10000 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल के जरिए की जाएगी, जबकि कंपनी 2500 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी करेगी। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में 94.64 फीसदी की स्टेकहोल्डिंग एचडीएफसी बैंक के पास में है। शेयर बिक्री के बाद भी ये एचडीएफसी बैंक की सहायक कंपनी बनी रहेगी। हालांकि आईपीओ का आकार और शेयरों की बिक्री अभी मार्केट स्थिति, रेग्युलेटरी अप्रूवल समेत अन्य चीजों पर निर्भर करेगी। इस प्रस्तावित आईपीओ का प्राइस बैंड और अन्य विवरण भी इसी पर निर्भर करेगा। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि इस 12500 करोड़ रुपये के अनुमानित आईपीओ को कंपनी इस साल के अंत तक पेश कर सकती है।

मेटा के बाद अब नोकिया ने की 2000 कर्मचारियों की छंटनी

मुंबई।

मेटा के बाद अब नोकिया ने भी ग्रेटर चीन क्षेत्र में लगभग 2000 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। यह संख्या कंपनी के कुल वर्कफोर्स का करीब पांचवां हिस्सा है और इसका उद्देश्य लागत में कटौती करना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नोकिया यूरोप में भी 350 कर्मचारियों को निकालने की योजना बना रही है। नोकिया के बीजिंग और शंघाई के साथ-साथ हांगकांग और ताइवान में कई ऑफिस हैं, जो कंपनी के ग्रेटर चीन क्षेत्र का हिस्सा हैं और जहां से यह चाइना मोबाइल जैसे क्लाइंट्स को सेवाएं देती है। नोकिया ने पहले ही घोषणा की थी कि वह 2026 तक 80 करोड़ यूरो से लेकर 1.2 अरब यूरो के बीच बचत करने के लिए 14,000 नौकरियों में कटौती करेगी। यह छंटनी उसी योजना का हिस्सा है। नोकिया के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि यूरोप में 350 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर कंसल्टेशन शुरू हो गया है लेकिन ग्रेटर चीन में हुई छंटनी पर कोई टिप्पणी नहीं की। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2023 तक नोकिया के पास ग्रेटर चीन में 10,400 और यूरोप में 37,400 कर्मचारी थे। जब नोकिया ने

पिछले साल नौकरी में कटौती की घोषणा की थी, तो उसके कुल कर्मचारी 86,000 के आसपास थे। कंपनी का लक्ष्य 2026 तक इस संख्या को घटाकर 72,000 से 77,000 के बीच करना है। वर्तमान में नोकिया के पास लगभग 78,500 कर्मचारी हैं। नोकिया के लिए कभी चीन दूसरा सबसे बड़ा बाजार हुआ करता था लेकिन 2019 से पश्चिमी देशों द्वारा हुवावै पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद, नोकिया और एरिक्सन के लिए चीनी टेलिकॉम ऑपरेटर्स की ओर से कॉन्ट्रैक्ट्स में कमी आ गई। 2019 में नोकिया की शुद्ध बिक्री का 27 फीसदी हिस्सा ग्रेटर चीन से आया था लेकिन हाल की तिमाही में यह योगदान 6 फीसदी से भी कम रह गया है।

करवा चौथ पर 22,000 करोड़ की बिक्री होने का अनुमानः सीएआईटी

नई दिल्ली । भारत में इस बार करवा चौथ 20 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (सीएआईटी) ने कहा कि करवा चौथ के मौके पर दिल्ली एवं देश के बाजारों में लगभग 22 हजार करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक होगा। पिछले वर्ष यह आंकड़ा लगभग 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक का था। पिछले 2 दिनों से कुछ समय से देश के बाजारों में इस पर्व की खरीदारी को लेकर जोश बना हुआ है। कपड़ों, ज्वैलरी से लेकर श्रृंगार-कॉस्मैटिक का सामान, गिफ्ट आइटम्स, पूजा के आइटम्स की जमकर शॉपिंग की जा रही है। इसके लिए दिल्ली समेत देश भर के बाजारों में खूब भीड़ दिखाई दे रही है। इस त्यौहारों के लिए लोग काफी खरीदारी कर रहे हैं। इस साल बाजारों में पिछले साल के मुकाबले रौनक भी ज्यादा दिखाई दे रही है। अगस्त में जन्माष्टमी के त्यौहार पर 25,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ। व्यापारियों के सबसे बड़े संगठन के अनुसार विकासशील अर्थव्यवस्था में ज्यादा बिक्री कारोबार मजबूत उपभोक्ता खर्च को दर्शाता है, जो त्यौहारों के दौरान बढ़ जाता है। सीएआईटी को इस वर्ष त्यौहारी सीजन की बढ़ी हुई अवधि के कारण 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री की उम्मीद है। देश में त्यौहारी सीजन 19 अगस्त को रक्षा बंधन के साथ शुरू हुआ और तुलसी विवाह के दिन 15 नवंबर तक चलेगा।

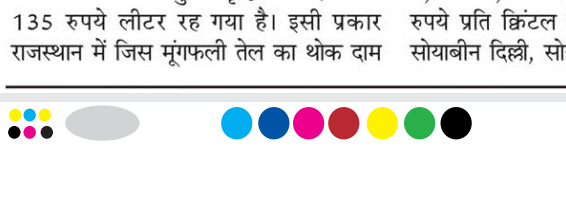

कंपनियों के नतीजों, वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि सप्ताह के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर सभी की नजर रहेगी। इसके अलावा इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है तथा बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अभी तक भारतीय बाजार के प्रदर्शन में प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं। उनका रुख वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और घरेलू राजनीतिक घटनाक्रम पर निर्भर करेगा। एचडीएफसी बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 17,825.91 करोड़ रुपये रहा है। एकल आधार पर निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक का लाभ सितंबर तिमाही में बढ़कर 16,820.97 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 15,976.11 करोड़ रुपये था। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि किसी भी प्रमुख संकेतक के अभाव में बाजार भागीदारों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। सबसे पहले वे एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक जैसे बड़े बैंकों के परिणामों पर प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) और अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी कंपनियां भी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान बजाज हाउसिंग फाइनेंस, अदाणी ग्रीन एनर्जी, बजाज फाइनेंस, वन97 कम्युनिकेशंस, जोमैटो, बजाज फिनसर्व और बैंक ऑफ बड़ौदा के भी तिमाही नतीजे आएंगे। कोटक महिंद्रा बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा 13 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर

तिमाही में बैंक का मुनाफा 5,044 करोड़ रुपये रहा है। एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक का लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 3,344 करोड़ रुपये रहा है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता, चीनी अर्थव्यवस्था में सुस्ती और घरेलू बाजारों से लगातार एफआईआई की निकासी के कारण निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। पिछले सप्ताह विदेशी कोषों की भारी निकासी से घरेलू बाजार में गिरावट आई। विश्लेषकों का कहना है कि एफआईआई की बिकवाली और डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशकों) की खरीद का रुझान निकट भविष्य में बरकरार रहने की संभावना है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली की वजह भारत में ऊंचा मूल्यांकन और चीन के शेयरों का सस्ता मूल्यांकन है।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह खरीफ तिलहन फसलों की आवक बढ़ने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहनों के भाव में गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव नुकसान के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेल-तिलहन कारोबार के समीक्षकों की यह आशंका निर्मूल साबित हुई है कि आयात शुल्क बढ़ाने के बाद खाद्य तेलों की महंगाई बढ़ जायेगी। इसके विपरीत आयात शुल्क बढ़ाये जाने के बाद मूंगफली जैसे महंगे खाद्य तेल के थोक दाम भी गुजरात और राजस्थान में टूटे हैं। गुजरात में शुल्क वृद्धि से पहले मूंगफली तेल का थोक भाव 148 रुपये लीटर बैठता था जो शुल्क वृद्धि के बाद घटकर 135 रुपये लीटर रह गया है। इसी प्रकार राजस्थान में जिस मूंगफली तेल का थोक दाम पहले 130 रुपये लीटर था वह अब घटकर 118 रुपये लीटर रह गया है। आवक बढ़ने और महंगा होने के कारण लिवाली कमजोर होने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट रही।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 6,400-6,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 875 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,115-2,215 रुपये और 2,115-2,230 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,650-4,695 रुपये और 4,350-4,585 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 250 रुपये, 150 रुपये और 100 रुपये घटकर क्रमशः 13,100 रुपये, 12,650 रुपये और 9,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने के बीच महंगे मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले हानि का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की हानि के साथ 6,300-6,575 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,800 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 35 रुपये की गिरावट के साथ 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,325 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये की हानि के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ऐक्टर आलोक नाथ ने दिया मुझे अभिनेत्री बनने का आत्मविश्वास- गीतांजलि

मुंबईः हप्पू की उलटन पलटन की राजेश के रूप में मशहूर गीतांजलि मिश्रा ने हाल ही में अभिनय की दुनिया में आने के अपने रोमांचक सफर के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे किस्मत उन्हें इस फील्ड में लेकर आई, जिसके बारे में उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली गीतांजलि ने कभी कल्पना नहीं की थी कि वह कैमरे के सामने आयेंगी और ऐक्टिंग को अपना कॅरियर बनायेंगी। उनकी असली इच्छा तो कुछ और ही थी, लेकिन शायद किस्मत को यही मंजूर था। मेरी तकदीर ने मेरे लिये कुछ और ही सोच रखा था। मैं मुंबई में जिस बिल्डिंग में रहती थी, उसमें एक महिला भी रहती थी, जो टीवी में काम करती थी। हम अच्छे दोस्त बन गये थे और एक दिन उसने मुझसे पूछा कि वह जिस शो में काम कर रही है, क्या उससे डॉक्टर का रोल निभाने के लिये मैं किसी को रिकमेंड कर सकती हूं। मैंने एक लड़की के नाम का सुझाव दिया, लेकिन शूटिंग के दिन वह नजर ही नहीं आई। किस्मत से उस लड़की की जगह मुझसे ऐक्टिंग करने के लिये कहा गया। आलोक जी ने मुझसे कहा कि ह्य तुमने कमाल कर दिया।ह्य उनकी यह बात सुनकर मैं आत्मविश्वास से भर गई।

खुदरा विक्रेताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की गई

चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं सीएनजी के भाव

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने शहरी खुदरा विक्रेताओं को सस्ती घरेलू प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ऐसे में यदि ईंधन पर उत्पाद शुल्क की कटौती नहीं होती है, तो वाहनों को आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी के भाव चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं। भारत में अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक के स्थलों से जमीन के नीचे और समुद्र तल के नीचे से निकाली गई प्राकृतिक गैस ऐसा कच्चा माल है जिसे वाहनों के लिए सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। सूत्रों ने कहा कि पुराने क्षेत्रों से उत्पादन की कीमतें सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। इनका उपयोग शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को किया जाता है। इन क्षेत्रों से उत्पादन सालाना पांच प्रतिशत तक घट रहा है। इस वजह से शहरी गैस वितरण कंपनियों को आपूर्ति में कटौती की गई है। घरों में रसोई के लिए आपूर्ति की जाने वाली गैस संरक्षित है। ऐसे में सरकार ने सीएनजी के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती की है। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस मई, 2023 में सीएनजी की 90 प्रतिशत मांग को पूरा करती थी और इसमें लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर से आपूर्ति में कटौती कर सीएनजी की मांग का सिर्फ 50.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो इससे पिछले महीने 67.74 प्रतिशत था। शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को इस कमी की भरपाई के लिए आयातित और महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे सीएनजी की कीमतों में 4-6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी होगी। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत 6.50 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) है, जबकि आयातित एलएनजी की कीमत 11-12 डॉलर प्रति इकाई है।सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खुदरा विक्रेताओं ने सीएनजी की दरें नहीं बढ़ाई हैं क्योंकि वे इसके समाधान के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहे हैं।

चेक कंपनी का अधिग्रहण कर सकता है जिंदल समूह

नई दिल्ली । अपनी वैश्विक उपस्थिति मजबूत करने घरेलू जिंदल समूह चेक कंपनी विटकोवाइस की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि समूह अपनी इकाई जिंदल स्टील इंटरनेशनल के जरिये इस वित्त वर्ष के अंत तक यह अधिग्रहण पूरा कर सकता है। यह यूरोप में जिंदल समूह का पहला अधिग्रहण होगा। नवीन जिंदल के स्वामित्व वाले कारोबारी घराने की पहले से ही ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक और ओमान जैसे देशों में इस्पात, बिजली और खनन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि दोनों पक्षों का प्रबंधन इस सौदे के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। सौदे के हिस्से के रूप में जिंदल समूह विटकोवाइस स्टील में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा। सूत्रों के अनुसार सौदे का आकार लगभग 15 करोड़ यूरो यानी लगभग 1,000 करोड़ रुपये हो सकता है। विटकोवाइस स्टील के अधिग्रहण से जिंदल समूह को यूरोपीय बाजार में पैठ जमाने में मदद मिलेगी। समूह ओमान में अपनी इकाई वल्कन ग्रीन स्टील (वीजीएस) के माध्यम से हाइड्रोजन आधारित स्टील विनिर्माण इकाई भी स्थापित कर रहा है।

पूरी दुनिया में इंटरनेट कवरेज देता है एलन मस्क का स्टार लिंक सैटेलाइट

नई दिल्ली ।

सरकार ने सैटेलाइट इंटरनेट स्पेक्ट्रम आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसें में स्टारलिंक सर्विस का जिक्र दोबारा से शुरू हो गया है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट पूरी दुनिया में बेहद पॉपुलर है। यह पूरी दुनिया में इंटरनेट कवरेज देता है। इसके लिए स्टारलिंक को जमीन के भीरत कोई तार नहीं बिछाने होते हैं। न ही स्टारलिंक की ओर से कोई मोबाइल टावर लगाए जाते हैं। यह एक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस है, जिसकी मदद से देश के दूर-दराज के इलाकों तक बिना तार, केबल और मोबाइल टावर के हाई स्पीड इंटरनेट और कॉलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्पेस एक्स कंपनी के तहत काम करती हैं, जिसके ओनर एलन मस्क है। वहीं एलन मस्क जिन्होंने हाल ही में सोशल नेटवर्किंग साइट टिवटर को खरीदा था। स्टारलिंक एक ग्लोबल ब्रॉडबैंड नेटवर्क है, जो लोअर-अर्थ आर्बिट बेस्ड सैटेलाइट सिस्टम पर काम करता है। यह हाई स्पीड इंटरनेट सर्विस पर काम करती है। एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स की स्थापना साल 2002 में हुई थी। स्टारलिंक सर्विस को खराब मौसम को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह खराब मौसम जैसै बारिश, कोहरे और गर्मी में आराम से काम करती है। जब बादल होते हैं, उस वक्त भी स्टारलिंक सर्विस बिना किसी दिक्कत के काम करती है। स्टारलिंक मौजूदा वक्त में 36 देशों में मौजूद है। इसमें अमेरिका का नाम प्रमुखता से आता है। कंपनी 2025 तक ज्यादा से ज्यादा देशों तक पहुंचना चाहती है। भारत में सैटेलाइट स्पेक्ट्रम आवंटन शुरू हो चुका है। कंपनी जल्द ही भारत में सैटेलाइट सर्विस ऑफर कर सकती है।

स्वास्थ्य बीमा से जीएसटी हटाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार टर्म जीवन बीमा पॉलिसियों और वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में जीएसटी छूट दे सकती है। राज्य मंत्रिस्तरीय पैनल के अधिकांश सदस्यों ने आम लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए करों में कटौती का समर्थन किया है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर पर निर्णय लेने के लिए मंत्री समूह की हाल ही में बैठक हुई। जिसमें जीवन बीमा तथा वरिष्ठ नागरिकों द्वारा स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम को कर मुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य व्यक्तियों के लिए पांच लाख रुपये तक के कवरेज वाले स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। फिलहाल पांच लाख रुपये से अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगता रहेगा। इस समय टर्म पॉलिसी और फैमिली फ्लोटर पॉलिसी के लिए भुगतान किए गए जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लग रही है। बैठक में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि जीओएम के सदस्य बीमा प्रीमियम पर दरों में कटौती के लिए व्यापक रूप से सहमत हैं। अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। जीएसटी परिषद ने पिछले महीने अपनी बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था। सम्राट चौधरी मंत्री समूह के संयोजक हैं। इसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, मेघालय, पंजाब, तमिलनाडु और तेलंगाना के मंत्री शामिल हैं।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का होगा मर्जर

मुंबई । मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने डिज्नी हॉटस्टार को खरीद लिया है। इसके बाद कंपनी डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का मर्जर हो जाएगा। डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ जियोसिनेमा का मर्जर होने के बाद यह भारत के सबसे बड़ा ओटीटी प्लेटफॉर्म बन सकता है, क्योंकि दोनों ओटोटी ऐप के पास बड़ा यूजरबेस मौजूद है। इस मर्जर के बाद जियो के पास जियो के पास कुल 100 चैनल हो सकते हैं। रिलायंस जियो दो अलग-अलग ओटीपी ऐप्स नहीं चलाना चाहती हैं क्योंकि अलग-अलग ओटीटी ऐप के लिए अलग रिचार्ज पैक की जरूरत होती है। दोनों दोनों ऐप का अलग से प्रमोशन करना होगा। इससे ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। स्टार इंडिया और वियाकॉम 18 का मर्जर हो गया है। इसके बाद डिज्नी हॉटस्टार सिंगल स्ट्रीमिंग ऐप रह जाएगा। एक रिपोर्ट की मानें, तो जियो को डिज्नी हॉटस्टार की टेक्नोलॉजी ज्यादा पसंद है। यही वजह है कि जियो अपने पॉपुलर ओटीटी ऐप्स जियोसिनेमा को डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ जोड़ना चाहती है। डिज्नी हॉटस्टार के करीब 50 करोड़ ज्यादा यूजर्स हैं, जबकि जियो सिनेमा के पास 10 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। इन दोनों कंपनियों के मर्जर के साथ डिज्नी प्लस हॉटस्टार देश की सबसे बड़ी एंटरटेनमेंट कंपनी बन जाएगी। यह डील करीब 8.5 अरब डॉलर में हुई है। जियो सिनेमा के मंथली औसत यूजर 22.5 करोड़ हैं। वही डिज्नी हॉटस्टार के मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या 33.3 करोड़ है।

रबी फसलों के एमएसपी की घोषणा, बाजारी ताकतों पर नियंत्रण जरुरी

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एक और जहां एमएसपी की खरीद व्यवस्था में सुधार व किसानों को ही वास्तविक लाभ मिले इसके प्रयास करने की आवश्यकता है उसी तरह से बाजार की ताकतों पर भी नजर रखना जरुरी हो जाता है ताकि एक और तो काश्तकार को ठगा महसूस करने से बचाया जा सके और आम नागरिक भी ठगा हुआ महसूस ना कर सके। कहीं ना कहीं बाजार पर सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता है नाकि बाजारु ताकतों के हाथ में छोड़ने की।

बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है।

देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाया गया। कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में गेहूं, धान आदि 7 अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है।

केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखतः राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है। अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता। इसमें व्यवस्था का दोष इस मायने में हैं कि किसान को अपनी तात्कालीक व आवश्यक जरुरतों को पूरा करने के लिए साहूकार पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में काश्तकार अपनी फसल काश्तकार के नाम कर उससे अग्रिम राषि ले लेता है और बदले में काश्तकार के दस्तावेज से बिचौलियें लाभ उठा लेते हैं।

यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फैडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत किया जाता रहा है। एक समय था जब न्यूनतम खरीद आरंभ होते ही मण्डी में भी भावों में तेजी आने लगती थी। पर अब ऐसा नहीं हो रहा है इसके कारण क्या है, इस पर विचार करना।

दरअसल बिचौलियों ने एमएसपी खरीद व्यवस्था में सैंध लगा दी है। किसान से ही खरीद और ऑनलाइन व्यवस्था के बावजूद इस व्यवस्था का लाभ बिचौलिएं अधिक उठाने लगे हैं। सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रुफ बनाना सुनिश्चित कर दे और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आंरभ हो जाएं तो निश्चित रुप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सैंध लगाई गई है उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना होगा। क्यों खरीद बंद होने के कुछ समय बाद ही जिंसों के भाव बढ़ने लगते हैं। हाल ही में गेहूं के भावों में बढ़ोतरी और हर साल एक समय विशेष पर आलू, प्याज, टमाटर के भाव का बढ़ जाना कहीं ना कहीं यह बताता है कि कमोबेस बाजार ताकतें अधिक शक्तिशाली है और वे ही डोमिनेट करती है। इसलिए एक और जहां एमएसपी की खरीद व्यवस्था में सुधार व किसानों को ही वास्तविक लाभ मिले इसके प्रयास करने की आवश्यकता है उसी तरह से बाजार की ताकतों पर भी नजर रखना जरुरी हो जाता है ताकि एक और तो काश्तकार को ठगा महसूस करने से बचाया जा सके और आम नागरिक भी ठगा हुआ महसूस ना कर सके। कहीं ना कहीं बाजार पर सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता है नाकि बाजारु ताकतों के हाथ में छोड़ने की। ऐसा होने पर ही सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का लाभ मिल सकेगा।

संपादकीय

बेहतर बैलेंस

टर्म इंश्योरेंस, वरिष्ठ नागरिक और पांच लाख तक का स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर रेट कम करने के साथ बीस लीटर की पानी की बोतल, साइकिल और अभ्यास नोटबुक पर जीएसटी घटाने के सुझाव दिए गए हैं। दिल्ली में जीएसटी के मंत्री समूह की बिहार के उपमुख्यमंत्री व वाणिज्य-कर मंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न राज्यों के वित्त मंत्री ने इस पर सहमति जताई। इसमें जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा को लेकर चर्चा हुई। टैक्टर को शून्य टैक्स पर लाने और अन्य कृषि उपकरणों पर टैक्स हटाने की भी अनुसंशा की गई। महंगी कलाई घड़ियों और जूतों पर कर बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया। दस हजार से कम कीमत वाली साइकिल पर जीएसटी बारह से घटा कर पांच फीसद करने का सुझाव आया। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। जीएसटी के तहत रोजमर्रा की जरूरी चीजों को कर से छूट दी जा सकती है या सबसे कम स्लैब में रखा जा सकता है। बिल्कुल उसी तरह जैसे नुकसानदेह वस्तुओं व लग्जरी आइटम को सबसे ऊंचे स्लैब में किया जा सकता है। जीएसटी करों की संरचना पांच स्लैबों में यानी आवश्यक वस्तुओं के लिए 0प्र., बुनियादी आवश्यकताओं के लिए 5प्र., मानक वस्तुओं के लिए 12प्र., अधिकांश उपभोक्ता उत्पादों के लिए 18प्र. और विलासिता व नुकसानदेह वस्तुओं पर 28प्र. की दरें निश्चित की गई हैं। पिछले वित्त वर्ष में केंद्र व राज्यों ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमीयर पर जीएसटी लगाकर 8,262.94 करोड़.का राजस्व एकत्र किया था। स्वाथ्य पुनबीर्मा प्रीमियर से 1,484 करोड़.से अधिक का कर वसूला था। आम आदमी तेजी से स्वास्थ्य बीमा कराने के प्रति जागरूक होता जा रहा है। उसे बीमा के प्रति आकर्षित करने के लिए यह कदम सकारात्मक साबित हो सकता है। पूरे देश में समान व्यापक व संतुलित कर प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए वस्तुओं व सेवाओं की विशिष्ट श्रेणियों के लिए नामित किया है जिसके लिए संविधान में संशोधन भी किया गया था। सितम्बर में ही सरकार ने जीएसटी से 1.73 करोड़. रुपये का संग्रह किया है, जो अगस्त में 1.75 करोड़.था। प्रतीत होता है, इसी के मद्देनजर ये सुझाव लिए गए जो जनता को सुकून देने वाले साबित हो सकते हैं। जिन चीजों पर कर बढ़ाने की बात हुई, उनके खरीदारों की जेब पर बढ़ी हुई कीमतों का अधिक असर नहीं होता। दोनों में बैलेंस रखना ही इन सुझावों की नेक-नीयति कही जा सकती है।

चिंतन-मनन

अंदर से खूबसुरत बनिये संसार आपकी पूजा करेगा

स्मार्ट दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते ब्यूटी पार्लर जाते हैं, महंगे प्रीम पाउडर और ब्यूटी टिप्स को आजमाते हैं। सारे उपाय करने के बावजूद बढ़ती उम्र की निशानियों को उम्र की एक सीमा तक ही छिपा सकते हैं। अंत में खूबसूरती ढ़ल जाती है और जिस सुन्दरता पर लोग नाज करते हैं वह लोगों से दगा कर जाती है। इसलिए संतों और ज्ञानियों ने कहा कि रूप के धन पर इतराना नहीं चाहिए। सबसे उत्तम धन ज्ञान है और इसकी सुन्दरता दिन ब दिन बढ़ती जाती है। इसलिए बाहरी सुन्दरता को संवारने पर समय नष्ट करने की बजाय अंदर की सुन्दरता को निखारने का प्रयास करना चाहिए। व्यवहारिक जीवन में आपने देखा होगा कि किसी की सुंदरता को देखकर आपका मन चाहता होगा कि बार-बार उसे देखें।

लेकिन जब आप उस रूपवान व्यक्ति के पास पहुंचते हैं उसके व्यक्तित्व को करीब से जानते हैं तो उससे नफरत होने लगती है। इसके विपरीत किसी कुरूप व्यक्ति को जब आप जानने लगते हैं उसके अंदर के गुण को समझने लगते हैं तो उस कुरूप व्यक्ति के प्रति लगाव और स्नेह बढ़ जाता है। देवी सीता के पिता महाराजा जनक के दरबार में हुई एक घटना इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इनके शासन काल अष्टावप्र नामक एक विद्वान थे। अपने नाम के समान अष्टावप्र का पूरा शरीर टेढ़ा मेढ़ा था। एक बार यह महाराजा जनक की सभा में पहुंचे। ऊंचे आसन पर बैठे सभासद अष्टावप्र को देखकर हंसने लगे। महाराज जनक ने देखा कि सामने से अष्टावप्र पधार रहे हैं। इन्हें देखकर ही सभासद हंस रहे हैं।

महाराज जनक अपने सिंहासन से उतरकर अष्टावप्र के पास पहुंचे। इन्हें आदर पूर्वक लाकर अपने सिंहासन पर बैठाया और सभासदों से कहा कि महात्मा अष्टावप्र के चरण धोने हेतु जल लेकर आएं। महाराज ने स्वयं अपने हाथों से अष्टावप्र की सेवा की और सभासदों से कहा कि आप सब मूर्ख हैं जो बाहरी सौन्दर्य को पहचानते हैं। असली सौन्दर्य को आपने जाना ही नहीं। असली सुन्दरता ज्ञान है जो महात्मा अष्टावप्र के पास है। यह मेरे गुरू के समान हैं। सभासदों को सिर नीचे झुक गया। अष्टावप्र ने कई काव्य लिखे हैं। इन्होंने गीता की भी रचना की है जो अष्टावप्र गीता के नाम से विख्यात है।

गठबंधन धर्म की लाज फिर खतरे में

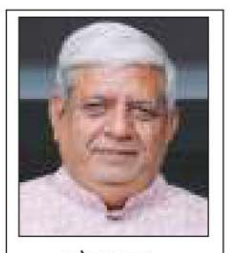

राकेश अचल

करवा प्रधान महिलाओं के देश में गठबंधन की लम्बी उम्र के लिए कोई व्रत करने वाला नजर नहीं आ रहा है। केंद्र की सत्ता से भाजपा को हटाने के लिए एकजुट हुए तमाम राजनीतिक दल एक बार फिर अपनी-अपनी ढपली बजाते नजर आ रहे है। महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा के साथ ही तमाम विधानसभाओं और लोकसभा के उपचुनावों को लेकर गठबंधन की गांठें शिथिल होती दिखाई दे रहीं हैं।

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए गठबंधन ने अपनी तमाम सीटों का न सिर्फ बँटवारा कर लिया है बल्कि उम्मीदवारों की घोषणा भी कर दी है ,जबकि आईएनडीआईए गठबंधन अभी बैठकों से ही फारिग नहीं हो पाया है। महाराष्ट्र में भी कमोवेश यही हालात हैं। सीटों के बंटवारे और प्रत्याशियों कोई घोषणा में हो रही देर इंडिया गठबंधन को भारी पड़ सकती है ,ये जानते हुए भी हर क्षेत्रीय दल कांग्रेस से सौदेबाजी करने में लगा है। हकीकत ये है कि देश में आज ऐसा कोई क्षेत्रीय दल नहीं है जो कांग्रेस को साथ लिए बिना भाजपा को चुनौती दे सके। सौदेबाजी में कांग्रेस का कम लेकिन क्षेत्रीय दलों का ज्यादा नुक्सान होने वाला है।

देश की राजनीति में अब भाजपा कोई किंवदंती नहीं बल्कि एक हकीकत है । भाजपा का एजेंडा भले ही आपको या मुझे रास न आये किन्तु ये सच है कि उसने बीते एक दशक में सत्ता में टिके रहना सीख लिया है। धीरे-धीरे ही सही लेकिन अब भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है और सत्ता के दरबार में भाजपा ने जिस तरह से अपने आपको अंगद के पैर की तरह स्थापित किया है ,उसे कोई चुनौती नहीं दे पा रहा है। अलबत्ता आम चुनावों में सबने मिलकर भाजपा की सत्ता को हिलाने की अभिनव कोशिश की थी। गनीमत है कि बिहार विधानसभा की 4 सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में आईएनडीआईए गठबंधन के बीच सीटों का बँटवारा सौहार्दपूर्ण तरीके से हो गया । यहां 3 सीटें राजद और एक सीट माकपा [माले] को मिली है। कांग्रेस के लिए मप्र में कोई समस्या पहले से ही नहीं थी ,लेकिन महाराष्ट्र में सीटों का बंटवारा अभी तक अधर में है।

महाराष्ट्र में महाराष्ट्र विकास अगाडी की गाडी सीटों के बंटवारे को लेकर आगे ही नहीं बढ़ रही है । शिवसेना [ठाकरे] गुट और कांग्रेस में बात बन नहीं रही है और ऐसा लगता है कि ये गठबंधन बिखर जाएगा,लेकिन यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस को तो कोई नुक्सान नहीं होने वाला लेकिन उद्धव ठाकरे की फजीहत हो जाएगी। शरद पंवार साहब की एनसीपी भी अकेले दम पर भाजपा को रोकने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में इन तीनों प्रमुख घटकों को हिकमत अमली से फैसला करना पडेगा। अब ये महाराष्ट्र विकास अगाडी को तय करना है की वे अपने और महाराष्ट्र के हित में झुकते हैं या नहीं ?

महाराष्ट्र जैसी ही दशा उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले उपचुनावों को लेकर है । यहां कांग्रेस कम से कम 5 सीटें चाहती है और समाजवादी पार्टी शायद इसके लिए राजी नहीं है /आपको याद है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के चलते ही आम चुनावों के दौरान भाजपा के अश्वमेद्ध को उत्तर प्रदेश में रोका जा सका था ,अन्यथा न सिर्फ खुद के लिए 370 सीटें हासिल करती अपितु 400 पार भी कर लेती तो कोई हैरानी न होती।

इन तमाम अटकलों के बीच इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सरगरमी बढ़ी है. कांग्रेस के आला नेता राहुल गांधी, राजद के तेजस्वी यादव सहित राजद की पूरी टीम रांची में थी. सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में दिनभर मंथन हुआ. फिलहाल सहमति बनी है कि झामुमो के खाते में 41 से 42 सीटें जा सकती है. वहीं, कांग्रेस 28-29 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. वहीं वाम दलों को चार सीटें मिल सकती है. माले को बगोदर, निरसा और राजधनवार या सिंदरी मिल सकता है. वहीं सीपीआइ को भी एक सीट देने की चर्चा है. गठबंधन में राजद को पांच से छह सीट देने की तैयारी है।

झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन 81 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगा। हम 81 सीट पर जेएमएम, कांग्रेस और राजद मिलकर चुनाव लड़े थे। इस गठबंधन में नये सहयोगी भी शामिल हुए. हैं। अब लेफ्ट पार्टी की भी भूमिका होगी. इस चुनाव में पहले चरण की बातें हुई हैं. 70 सीटों पर कांग्रेस और जेएमएम लड़ेंगे. बचे हुए सीट पर सहयोगी लड़ेंगे. कौन कहां से लड़ेगा, उसका फैसला बाद में होगा।

महाराष्ट्र में सपा हो या उद्धव ठाकरे की शिवसेना या एनसीपी यदि जरा भी हठधर्मी दिखाते हैं तो यहां भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। इंडिया गठबंधन हरियाणा विधानसभा चुनाव में गर्म दूध से जल चुका है ,इसलिए उसे अब महाराष्ट्र और झारखण्ड में छाछ भी फूंक-फूंककर पीना चाहिए। जल्दबाजी में जबान जलने का खतरा बना ही रहेगा। आज की स्थिति में विपक्ष के पाँव अपनी ताकत बढ़ाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है ,क्योंकि अब मोदी हटाओ का नारा तो 2029 में ही लगाया जा सकेगा। विपक्ष यदि अगले आम चुनाव तक एक न रहा तो भाजपा के लिए तमाम क्षेत्रीय दलों को समाप्त करना आसान हो जाएगा। २०२९ अभी बहुत दूर है। इसलिए सभी को आज की बात करना चाहिए, सुनना चाहि।

विमर्श : मुट्ठी भर ने ही बदला है इतिहास

डॉ. सी.पी. राय

सैकड़ों साल पहले ही भारत में लिख दिया गया था 'कोउ नृप होय हमें का हानि'। इससे भारत की मिट्टी का मूल चरित्र सिद्ध होता है। कुछ लोग कह सकते हैं कि गोस्वामी तुलसीदास ने मुगल राज स्थापित होने के बाद यह लिखा था, राम के युग में ही संपूर्ण जनता किसी गलत के खिलाफ खड़ी हो गई हो ऐसा तो नहीं दिखा। चाहे राम को राजा बनने से रोकना हो या सीता की अग्नि परीक्षा। विस्तार में जाना विवाद पैदा कर सकता है।

कृष्ण युग में कंस हत्याएं करता जा रहा था पर कहां कोई आवाज उठी कि यह गलत है। अशोक के काल में भी कहां जनता ने कुछ भी कहा। जनता हमेशा ताकत और सत्ता की अनुगामिनी ही बनी रही वरना सैकड़ों की तादाद में आते थे विदेशी लुटेरे और लूट कर चले जाते थे भारत को। कोई आता तो खेती करता किसान हल-बैल लेकर किनारे खड़े होकर तमाशा देखता और बाकी लोग भी। लड़ता सिर्फ वो था जिसे लड़ने के पैसे मिलते थे और ज्यादातर वो भी सेनापति के घायल होने या मर जाने पर भाग खड़े होते या विजेता से मिल कर उनके लिए लड़ने लगते।

भारत पर आक्रमण करने वाला या राज करने वाला कोई भी बड़ी फौज लेकर नहीं आया था। सबकी लड़ाई और राज भारतीय लोगों के दम पर ही चले। भारत के नागरिक पर जुल्म या हत्या सब यहीं के लोगों ने किया या तो डर कर या बिक कर और विदेशियों को बुलाकर लाने वाले भी भारतीय थे, रास्ता बताने वाले या कमजोरी बताने वाले भी भारतीय थे। जब सोमनाथ को लूटा जा रहा था तो वहां के सारे पंडे और दर्शनार्थी बैठ कर पूजा करने लगे कि अभी भगवान का प्रकोप होगा और सब लुटेरे भस्म हो जाएंगे। पर वो करने की बजाय उन्होंने अपने थाली-लोटे से भी आक्रमण कर दिया होता तो सोमनाथ नहीं लुटा होता, भगवान की मूर्ति और मंदिर की शक्ति का भ्रम भी बना रहता और लुटेरे टुकड़ों में मुर्दा पड़े होते और उससे भी बड़ा काम यह हुआ होता कि आइंदा कोई भी भारत पर आक्रमण करने से पहले सौ बार सोचता कि भारत का या उसके किसी भी हिस्से का हर आदमी अपने राज या जमीन के लिए लड़ने को खड़ा हो जाता है।

आगे भी पूरा देश तो कभी खड़ा नहीं हुआ, बल्कि थोड़े से लोग खड़े हुए किसी भी लड़ाई में वो आंदोलन चाहे आजादी का रहा हो और चाहे आपातकाल से पहले का। जिन लोगों ने भी हिंसा का रास्ता अपनाया उनके साथ कम लोग खड़े हुए । गांधी जी इस मिट्टी की तासीर को अच्छी तरह समझ गए थे। इसीलिए उन्होंने अहिंसा का रास्ता अपनाया और इस रास्ते से वो लाखों या करोड़ों को जोड़ने में कामयाब हुए पर वो भी पूरे देश को नहीं जोड़ पाए। अंग्रेजों के समय भी पूरी जनता तो इसी कोऊ नृप वाले भाव की थी तो बहुत से लोग अंग्रेजों का साथ दे रहे थे, बहुत से प्रशंसक थे तो हाथों में हथियार लेकर जलियांवाला बाग से होकर पूरे देश में गोली लाठी चलाने वाले, आजाद को गोली मारने वाले, भगत सिंह को फांसी लगाने वाले और सुभाष की सेना पर गोली बरसाने वाले सब तो भारतीय ही थे। केवल आदेश देने वाला अंग्रेज होता था और मुखबिरी कर आजादी के लिए लड़ने वालों की पकड़वाने वाले भी भारतीय ही थे। सभी के खिलाफ अंग्रेजों के पक्ष में मुकदमा लड़ने वाले भी भारतीय थे और गवाही देने वाले भी भारतीय ही थे।

आज भी वही हालत है जो भारत की तासीर है। आज भी सोमनाथ की तरह देश का बड़ा हिस्सा मंदिर में अपना सुख और भविष्य देख रहा है तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। जरा किसी धार्मिक स्थल को कुछ हो जाए, किसी के चित्र या प्रतिमा से कुछ हो जाए या दो जानवरों में से किसी का कुछ हो जाए तो निकलते हैं पर फिर भी मुट्ठी भर और बच-बच कर कि कोई खतरा तो नहीं और नहीं है तथा सामने वाला कमजोर या कम है तो कायरता पूरी ताकत से क्रूरता दिखाती है और चीख की आवाज भी बुलंद होती है। आज फिर भारत आजादी बनाम गुलामी, लोकतंत्र बनाम अधिनायकवाद, संविधान बनाम प्रधान की इच्छा, कानून बनाम सता की लाठी के बीच झूल रहा है। अधिकांश कोऊ नृप होय वाले हैं, तो बहुत से अज्ञात कारणों से प्रशंसक हैं तो बहुत से गली-गली में मुखिबर और बहुत से लाठी बंदूक और कानून की

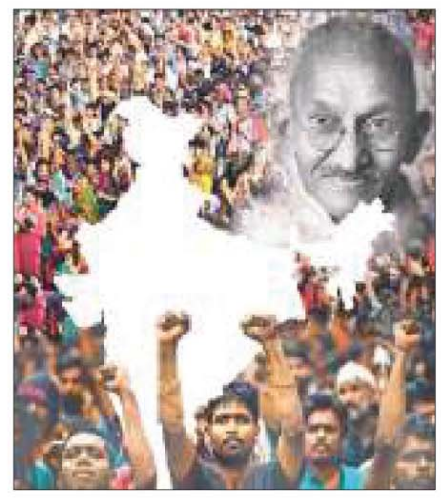

किताब के साथ इनके साथ खड़े हैं, तो बहुत से चाहे कलम से या कला से, जुबान से या आंखों की भाषा से लडाई भी लड़ रहे हैं सच की, ईमान की, लोकतंत्र की संविधान की और अंत में यही जीत जाएंगे सारे जुल्म के बावजूद क्योंकि हमेशा ही ये मुट्ठी भर लोग ही जीते हैं। इतिहास तो यही बताता है। बस, देखना इतना है कि वो एक कौन होगा इस युद्ध का नायक और क्या कोई संपूर्ण भारत को कभी निकाल सकेगा चाहे जिसके खिलाफ चाहे जब और चाहे जो भी गलत हो? क्या कोई बदल पाएगा ये आवाज 'कोऊ नृप होंय हमे का हानी' से ह्यको नृप होय ये हम ही जानी' में।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आदित्य रॉय कपूर ने रिलेशनशिप को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अपनी फिल्मों के लिए कम लेकिन अपने रिलेशनशिप को लेकर लगातार चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में आदित्य बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर के टॉक शो व्हाट वीमेन वांट में रिलेशनशिप को लेकर कई खुलासे किए।

आदित्य का कथित तौर पर इस साल की शुरुआत में अनन्या पांडे से ब्रेकअप हो गया था। फिल्म आशिकी में उनकी भूमिका सभी को पसंद आई। हालांकि, इस फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए परेशान आशिक के किरदार से वह खुद को संबंधित नहीं मानते।

जब शो के दौरान करीना ने पूछा कि आपकी तीन सबसे पसंदीदा खूबियां क्या हैं?, तो आदित्य ने बिना कोई देरी के कहा, मैं बहुत हैंडसम हूं, मैं आकर्षक हूं। इसके बाद करीना ने आदित्य ने पूछा कि बहुत सी महिलाएं आपके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में जानना चाहती हैं। इस पर आदित्य ने कहा, क्या चिल करना भी कोई स्टेटस है? आगे आदित्य ने कहा, मैं चिलर हूं।

आदित्य रॉय कपूर ने अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहा, एक फिल्म जिसने मेरे करियर की दिशा बदल दी, वह थी आशिकी। ऐसा नहीं है कि मैं उस किरदार से इसलिए जुड़ा क्योंकि वह एक शराबी था। करीना ने आदित्य से पूछा कि वह रिश्ते में घोस्टिंग से कैसे निपटते हैं। आदित्य ने कहा कि वह उस शख्स को ब्लॉक करना पसंद करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनन्या और आदित्य करीब दो साल तक साथ रहने के बाद कुछ समय पहले अलग हो चुके हैं। 2022 में, अनन्या और आदित्य के रिलेशनशिप में होने की खबरें हर जगह फैली हुई थीं, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

कुशाल टंडन ने की शिवांगी जोशी के साथ रिश्ते में होने की बात

अभिनेता कुशाल टंडन ने अभिनेत्री शिवांगी जोशी के साथ रिलेशनशिप को लेकर हामी भर दी है। शिवांगी और कुशाल टंडन को कई बार एक साथ देखा जाता था, लेकिन दोनों ने कभी अपने रिलेशन को लेकर हां नहीं की। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कुशाल ने शिवांगी के साथ रिश्ते में होने की बात कंफर्म की है। कुशाल ने इंटरव्यू में कहा कि दोनों इस रिश्ते में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं।

मां मुझे शादीशुदा देखना चाहती हैं

इंटरव्यू में कुशाल टंडन ने शिवांगी जोशी से शादी के बारे में पूछने के बाद ही इस बारे में बात की है। कुशाल ने कहा, मैं अभी शादी नहीं करूंगा लेकिन मैं प्यार में हूं। हम इस रिश्ते को बहुत ही धीरे-धीरे आगे ले जा रहे हैं। मेरी मां मुझे शादीशुदा देखना चाहती हैं, उनका बस चले तो मेरी आज ही शादी करवा दें।

मेरे माता-पिता ने लड़की तलाश रोक दी

कुशाल टंडन ने अपनी शादी को लेकर कहा कि शादी कब होगी अभी कंफर्म नहीं है, लेकिन कभी भी कुछ भी हो सकता है। कुशाल ने कहा, और वैसे देखा जाए तो कुछ भी हो सकता है, कभी भी। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी लेडीलव मिल गई है, हमारा मैच बिल्कुल सही है। कुशाल टंडन ने कहा कि एक अच्छी लड़की की तलाश अब मेरे माता पिता की तरफ से रोक दी गई है।

बरसातें धारावाहिक में किया था साथ में काम

शिवांगी जोशी को टीवी धारावाहिक बरसातें- मौसम प्यार का में साथ में देखा गया था। कुशाल और शिवांगी की जोड़ी को इस शो से काफी प्यार मिला था। शो बाद उनकी ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री ही काफी अच्छी रही। कुशाल को एक हजारों में मेरी बहना है में देखा गया था। शिवांगी जोशी को सबसे पहले ये रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल में देखा गया था।

'अल्फा' की शूटिंग के लिए कश्मीर पहुंचीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट अभिनीत और यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'अल्फा' बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। आलिया भट्ट इस एक्शन थ्रिलर में शरवरी के साथ मुख्य भूमिका में हैं। दोनों अभिनेत्रियां पिछले कुछ महीनों से इसकी शूटिंग कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया शेड्यूल जारी हुआ और अभिनेत्री एक बार फिर कश्मीर लौटी हैं। कश्मीर से अभिनेत्री की कुछ अनदेखी तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आलिया अपनी प्राकृतिक सुंदरता बिखेरती हुई नजर आ रही हैं। 18 अक्टूबर, 2024 को, कश्मीर में आलिया भट्ट की मेजबानी करने वाले होटल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री की शानदार तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में आलिया नेवी ब्लू पैंट के साथ एक सफेद कार्डिगन पहने हुए दिखाई दे रही थीं, जिसके साथ उन्होंने गले में एक सफेद मफलर पहना हुआ था। उन्होंने बिना मेकअप के लुक अपनाया और एक हाथ में हैंडबैग पकड़े हुए अपने बालों को बन में स्टाइल किया है। तस्वीर में एक और व्यक्ति उन्हें एक एंटीक चीज भेंट करते हुए दिखाई दे रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, 'आलिया भट्ट, आपकी मेजबानी करना खुशी की बात थी! आपकी उपस्थिति ने कश्मीर की सुंदरता में एक अतिरिक्त चमक ला दी। हम आपकी अगली यात्रा का इंतजार कर रहे हैं।' अगस्त की शुरुआत में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ कश्मीर में शूटिंग कर रही थीं, जहां दोनों ने अपने इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाली तस्वीर शेयर की थी। वह दोनों एक नदी के पास एक खूबसूरत जगह पर कैमरे से दूर सर्दियों की जैकेट पहने हुए, एक-दूसरे को गले लगाते हुए नजर आई थीं। उन्होंने पोज देते हुए अपने हाथों से दिल का आकार बनाया। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'लव, अल्फा!' 'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल ने किया है और आदित्य चोपड़ा ने इसे प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं, आलिया संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में भी नजर आएंगी।

अपनी छवि को पीआर की बनावट कहने पर बोलीं सारा

सारा अली खान हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। वह इंडस्ट्री की उन चुनिंदा स्टार किड्स में से हैं, जो अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने कुछ फिल्मों में अपने अभिनय के लिए वाह-वाही भी बटोरी है। सारा ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म केदारनाथ से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद से अब तक अपने छह साल के अभिनय करियर में वह फिल्मों के अलावा उनके मस्तीभरे व्यवहार और फैशन सेंस की वजह से भी उन्होंने काफी चर्चा बटोरी है। उनकी एक खास छवि बनी है, जिसे लेकर कई बार कहा जाता है कि ये उनकी पीआर टीम के द्वारा बनाई गई है।

सारा, बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और मशहूर अभिनेत्री अमृता सिंह की बेटी हैं। इस वजह से कई बार वो ट्रोलर्स के निशाने पर भी होती हैं, जो उन्हें नेपोटिज्म को लेकर ट्रोल करते हैं। हालांकि, हार्पर बाजार से बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने खुद का बचाव करते हुए अपनी छवि को लेकर कही जा रही बातों पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी छवि कुछ भी हो सकती है, लेकिन ये पीआर द्वारा बनाई गई नहीं है।

इस बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या ये एक सोचा-समझा फैसला था कि उन्हें काफी समान दिखाया जाए। इस पर जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी खास तरह की छवि बनाने की कोई कोशिश नहीं की है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने कुछ लोगों की निराशा के लिए, खुद की छवि बनाने में कोई ऊर्जा खर्च की है। यह कुछ ऐसा है, जो मैं कैमरे के लिए करूंगी, जहां मैं किरदारों का निर्माण करती हूं। असल जिंदगी में मैं बस वही हूं, जो मैं हूं, फिर चाहे वो पांच जोड़ी शॉर्ट्स पहनकर जिम जाने वाली लड़की हो या एथलीजर पहनकर एयरपोर्ट जाने वाली।

सारा ने इस दौरान अपने बचपन को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका और उनके भाई इब्राहिम अली खान का पालन-पोषण लोगों की अपेक्षा से अलग तरीके से हुआ। उन्होंने कहा कि मां अमृता के साथ उनका बचपन सामान्य जीवन की तरह गुजरा। अभिनेत्री ने कहा,हम वीडियो गेम खेलने या फूड कोर्ट में खाने के लिए मॉल जाते थे। यही वह जीवन है, जिसकी मैं बड़ी होकर आदी हो गई थी। आज, मैं अपने काम की सराहना करती हूं, लेकिन जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं, तो जिम, कैफे, यात्रा करना पसंद करती हूं।मैं बस अपने व्यक्तित्व को बहुत गंभीरता से नहीं लेती और मैं वही करती हूं, जो मुझे अच्छा लगता है।

बता दें कि सारा आखिरी बार नेटफ्लिक्स की फिल्म मर्डर मुबारक और ऐ वतन मेरे वतन में नजर आई थीं। ऐ वतन मेरे वतन में उनके अभिनय को फैंस ने काफी पसंद भी किया। इन दिनों सारा अपनी आगामी फिल्म मेट्रो इन दिनों, स्काई फोर्स और ईगल को लेकर व्यस्त हैं।

दिनेश विजान की फिल्म में नजर आ सकते हैं सिद्धार्थ-कियारा

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने साल 2023 की शुरुआत में शादी कर ली थी। दोनों ने इससे पहले साल 2021 में आई सुपरहिट फिल्म 'शेरशाह' में साथ काम किया था। इसके बाद वे किसी भी फिल्म में साथ नहीं दिखे। हालांकि अब लगता है कि यह जोड़ी एक बार फिर से पर्दे पर दिख सकती है। इस फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है। फिल्म दिनेश विजान की प्रोडक्शन कंपनी मैडॉक फिल्म्स बनाने वाली है। ये वही कंपनी है, जिसने 'स्त्री 2' बनाई है, जिसने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस कर लिया। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट की मानें तो सिद्धार्थ और कियारा ने इस फिल्म के लिए मैडॉक फिल्म्स के साथ बातचीत शुरू कर दी है। ये एक टिपिकल बॉलीवुड लव स्टोरी नहीं होगी। इस फिल्म में रोमांस के साथ फैंटेसी एलिमेंट्स का भी तड़का लगाया जाएगा, जो इसे बाकियों से अलग बनाएगा। हालांकि फिल्म के प्लॉट को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली। मैडॉक ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और इंटरेस्टिंग फिल्म बना रही है। 'शेरशाह' की बात करें तो विष्णुवर्धन के डायरेक्शन में बनी फिल्म कारगिल वॉर के हीरो भारतीय सेना अधिकारी कैप्टन विक्रम बत्रा पर बेस्ड थी। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी।

कार्तिक आर्यन की सफलता में इनकी है अहम भूमिका

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर काफी चर्चा में हैं। उनके फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इंडस्ट्री में बाहर से आकर अपने लिए एक मुकाम बनाना किसी भी कलाकार का एक सपना होता है, जिसे कार्तिक ने अपनी मेहनत और लगन से पूरा किया है। हालांकि, कार्तिक ने अपनी इस सफलता में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दो अन्य लोगों को दिया है। ये दो लोग कोई और नहीं हैं, बल्कि अभिनेता ने अपनी मां और अपनी बहन को अपनी सफलता में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया है। कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 का जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। हाल में ही वह प्रमोशन के लिए इंदौर में थे, जहां अभिनेता से उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों को लेकर सवाल पूछा गया है। इसके जवाब में कार्तिक ने बिना देरी करते हुए अपनी मां और बहन का नाम लिया। अभिनेता ने कहा,मेरे मामले में, यह मेरी मां और बहन हैं। इस बातचीत के दौरान भूल भुलैया 3 अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म को लेकर कई संकेत भी दिए, जिससे ये साफ होता है कि इस बार फिल्म काफी डरावनी और मजेदार होने वाली है। कार्तिक ने कहा, ऐसी कई चीजें हैं, जो इस किस्त को पिछले दो से अलग बनाती हैं। इस नए किस्त में, दर्शकों को और भी ज्यादा डरावनी चीजें देखने को मिलेंगी। दिग्गज अभिनेत्रियां विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी तीसरे भाग का हिस्सा होंगी - सिर्फ उनके नाम ही फिल्म में चार चांद लगा देते हैं। कार्तिक आर्यन ने इस बातचीत के दौरान अपनी फिल्मी सफर को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका सफर काफी चढ़ाव-उतार वाला रहा। इस दौरान अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि संघर्षों पर काबू पाना किसी के लिए भी अपना रास्ता बनाने के लिए काफी जरूरी है। उन्होंने अपनी पहली फिल्म, प्यार का पंचनामा से शुरु हुए अपने सफर को याद करते हुए कहा कि सोनू के टीटू की स्वीटी से उनके करियर में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया और फिर लोग उन्हें पहचानने लगे। अभिनेता ने इस दौरान आगे कहा कि इस फिल्म में भूल भुलैया 2 की भी कुछ चीजें शामिल की जाएंगी। हालांकि, उन्होंने साफ करते हुए कहा कि फिल्म की कहानी बिलकुल नई होने वाली है, जिसमें कई अप्रत्याशित मोड़ और उतार-चढ़ाव देखने को मिलने वाले हैं।

मुन्नाभाई 3 लेकर आएंगे राजकुमार हिरानी

राजकुमार हिरानी की मुन्नाभाई फ्रेंचाइजी के प्रशंसक वर्षों से इसके तीसरे भाग की मांग कर रहे हैं। हिरानी और संजय दत्त दोनों ही अपनी अन्य व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं को पूरी करने में व्यस्त हैं। हालांकि, हिरानी की इच्छा सूची में सबसे ऊपर मुन्नाभाई 3 का नाम है। राजकुमार हिरानी ने हाल ही में कहा कि उनके पास फिल्म की पांच आधी-अधूरी स्क्रिप्ट है। हिरानी ने कहा, मैंने एक स्क्रिप्ट पर छह महीने बिताए, इंटरवल तक पहुंचा, और यह उससे आगे नहीं बढ़ पाया। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि अगली किस्त पिछली फिल्मों से बेहतर होनी चाहिए।

महिला टी20 विश्व कप जीतकर मालामाल हुई न्यूजीलैंड टीम, खिलाड़ियों में बांटे जाएंगे 2.3 मिलियन डॉलर

वेलिंगटन (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराने वाली न्यूजीलैंड 'व्हाइट फर्न्स' क्रिकेट टीम को पुरस्कार राशि में मिली 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19.33 करोड़ रुपए) को खिलाड़ियों के बीच बांटा जाएगा। इससे टीम के प्रत्येक सदस्य के हिस्से में लगभग 155,000 डॉलर (1.31 करोड़ रुपए) आएंगे।

पिछले कई वर्षों से पुरुष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय समानता हासिल करने के लिए वर्षों तक संघर्ष कर रही महिला टीम के सदस्यों के लिए यह बड़ी रकम है। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड की पहली जीत अप्रत्याशित है। टूर्नामेंट के अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराने से पहले 'व्हाइट फर्न्स' ने लगातार 10 टी20 मैच गंवाए थे। न्यूजीलैंड ने अपने अभियान के दौरान लीग चरण में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

टीम ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में छह बार की चैम्पियन और खिताब के दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया था लेकिन फाइनल में यह टीम दबाव में एक बार फिर बिखर गई। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 38 गेंदों पर 43 रन बनाए और फिर 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

कप्तान सूजी बेट्स ने भी 32 रन का योगदान दिया। फाइनल में 25 रन पर तीन विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की गेंदबाज रोजमेरी मायेर ने कहा, 'इमानदारी से कहूं तो यह अविश्वसनीय है।' उन्होंने कहा, 'हम बस एक-दूसरे की बहुत परवाह करते हैं। पिछले 18 महीनों में हम कई कठिनाइयों से गुजरे हैं और हम एक-दूसरे के साथ बने रहे और एक-दूसरे के लिए कड़ी मेहनत करते रहे।'

कप्तान के तौर पर सोफी डिवाइन का यह न्यूजीलैंड के लिए आखिरी मैच था। उन्होंने बेट्स के साथ 2009 से अब तक आयोजित सभी नौ टी20 विश्व कप में खेले हैं। न्यूजीलैंड 2009 और 2010 में पहले दो टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंचा था। दोनों मौकों पर उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

बेट्स ने कहा, ''हमारे लिये यह सब कुछ है। जब आप टीम मैच खेलते हैं, तो आप विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने शीर्ष पर वापसी के लिए संघर्ष किया है। वह (डिवाइन) इस टीम का बहुत शानदार तरीके से नेतृत्व कर रही हैं। वह बहुत शांत स्वभाव की है और सभी खिलाड़ियों पर भरोसा करती है। हम शायद बाद में और भी लंबे समय तक गले मिलेंगे क्योंकि हमने एक साथ कुछ बुरे समय भी देखे हैं और यह बात सिर्फ हमारे ड्रेसिंग रूम के लोग ही समझ सकते हैं।'

केएल राहुल बनाम सरफराज खान, रोहित शर्मा ने कहा- 'यह बहुत सरल है'

बेंगलुरु (एजेंसी)। पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिया कि वे पुणे में गुरुवार 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे मैच के लिए बदलाव कर सकते हैं। पहले टेस्ट में 46 रन पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में रोहित और उनकी टीम के बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद न्यूजीलैंड ने 1988 के बाद से भारत में अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की। 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जसप्रीत बुमराह (2/29) ने भारत के लिए प्रदर्शन किया लेकिन विल यंग (48*) और रचिन रवींद्र (39*) ने मेहमान टीम को सीरीज में 1-0 की बढ़त दिला दी।

गर्दन में अकड़न के कारण सीरीज के पहले मैच के लिए शुभमन गिल को बाहर करना पड़ा। उनकी जगह लेने वाले सरफराज अहमद पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 150 रन बनाकर लौटे। बेंगलुरू में हार के बाद रोहित ने पुष्टि की कि गिल पहले टेस्ट से चूकने के बाद 'ठीक' हैं। उन्होंने संकेत दिया कि युवा बल्लेबाज दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 में वापस आ सकते हैं। उस स्थिति में भारत सरफराज या अनुभवी केएल राहुल में से किसी एक को बाहर कर सकता है, जो एक बार फिर नंबर 6 स्थान पर अपना स्थान बनाने में विफल रहे। केएल राहुल बनाम सरफराज खान बहस के बीच रोहित ने राहुल, गिल और सरफराज से जुड़ी स्थिति को संबोधित किया। भारतीय कप्तान ने जोर देकर कहा कि टीम में हर कोई जानता है कि वे अपने करियर में कहां खड़े हैं और उन्हें क्या करने की जरूरत है। भारतीय कप्तान ने कहा, 'देखिए, मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो हर मैच के बाद लोगों से बात करता हो। उन्हें पता है कि वे अपने खेल में कहां खड़े हैं, अपने करियर में कहां खड़े हैं। हम एक मैच, एक सीरीज के आधार पर अपनी मानसिकता नहीं बदलते। संदेश काफी पहले ही दिए जाते हैं और उन्हें पता होता है कि वे कहां खड़े हैं और टीम की स्थिति क्या है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनसे जो बात कर रहा हूं, उससे अलग कुछ बात करने जा रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह बहुत सरल है, जिस किसी को भी अवसर मिलता है, उसे खेल पर प्रभाव डालने की कोशिश करनी चाहिए। यह एक सरल संदेश है जिसके बारे में हम बात करते रहते हैं और इस तरह के खिलाड़ियों का खेल खेलने के लिए इंतजार करना हमेशा अच्छा होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि शुभमन इस खेल से चूक गए, सरफराज को अवसर मिला और उन्होंने बड़ा शतक बनाया। यह टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।'

वर्षा बाधित मैच में श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

पल्लेकेले (एजेंसी)। श्रीलंका ने वर्षा बाधित एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। रविवार देर रात खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने आठवें ओवर में ब्रैंडन किंग (14) का विकेट गवां दिया।

वेस्टइंडीज ने 25 ओवर में 100 रन स्कोर तक अपने चार विकेट गवां दिए थे। केसी कार्टी (37), ऐलेक ऐथनेज (10) और शो होप (पांच) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड और रॉस्टन चेज ने धीकी गति से रन बनाए और विकेट नहीं गिरने दिया। शरफेन रदरफोर्ड ने (नाबाद 77) और रॉस्टन चेज ने (नाबाद 33) रन बनाए। बारिश के कारण ओवरों की संख्या घटा दी गई। वेस्टइंडीज ने 38.3 ओवर में चार विकेट पर 185 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने दो विकेट लिए।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता, धीरज हारे

टिलेक्सकला (मैक्सिको) (एजेंसी)। भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता। वह फाइनल में चीन की लि जियामैन से 0.6 से हार गई। दिसंबर 2022 में अपनी बेटी के जन्म के बाद विश्व कप फाइनल में लौटी चार बार की ओलंपियन दीपिका को आठ तीरंदाजों में तीसरी वरीयता मिली थी। सेमीफाइनल तक दीपिका को कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली जियामैन से हार गई। दीपिका नौवीं बार विश्व कप फाइनल खेल रही थी। भारत के लिए विश्व कप फाइनल में सिर्फ डोला बनर्जी ने स्वर्ण पदक जीता था जब दुबई में 2007 में वह अव्वल रही थी। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मादेवरा 4.2 से आगे रहने के बावजूद पहले दौर में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक से हार गए। पांच सदस्यीय भारतीय दल में तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज थे। भारत की झोली में सिर्फ एक पदक गिरा। सेमीफाइनल में मैक्सिको की अलेजांद्रा वालेंशिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली दीपिका उस लय को कायम नहीं रख सकी। पहला सेट उसने एक अंक से (26.27) गंवाया। दूसरे सेट में वापसी की लेकिन ली ने 30.28 से जीता। तीसरे सेट में ली ने 27.25 से जीत दर्ज की। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज अकेले भारतीय चुनौती पेश कर रहे थे। उन्हें 4-6 (28-28, 29-26, 28-28, 26-30, 28-29) से पराजय झेलनी पड़ी।

वीरु ने क्या दी... बाबर आजम को सलाह

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को फॉर्म हासिल करने के लिए घरेलू क्रिकेट में वापसी की सलाह दी है। वीरु का यह बयान आजम के हालिया खराब फॉर्म को लेकर आया है। पिछले डब्ल्यूटीसी चक्र में बाबर का प्रदर्शन चिंता का विषय रहा, जिसमें उन्होंने 2023 में पांच टेस्ट मैचों में औसतन 22.66 रन बनाए, और 2024 में चार टेस्ट मैचों में उनका औसत 18.50 रहा। पाकिस्तान ने हाल ही में मुल्तान में इंग्लैंड को 152 रनों से हराकर घरेलू टेस्ट में अपनी हार का सिलसिला खत्म किया। इस मैच से पहले पाकिस्तान ने टीम में कई बदलाव किए, इसमें बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को बाहर किया गया। पाकिस्तान के सहायक कोच अजहर महमूद ने कहा कि इन तीनों खिलाड़ियों को व्हाइट-बॉल दौरे के लिए आराम दिया गया था। इस निर्णय के बाद बाबर के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सहवाग ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनल पर कहा, बाबर को अब घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। इतना ही नहीं बाबर को अपनी फिटनेस पर काम करना चाहिए, परिवार के साथ समय बिताना चाहिए, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकें।

हार्ट सर्जरी के बाद यश धुल की धमाकेदार वापसी, रणजी ट्रॉफी में लगाया शतक, बोले- यह जीवन है

नई दिल्ली । तमिलनाडु के खिलाफ रविवार को एलीट ग्रुप डी रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान अपने शतक के बाद दिल्ली के युवा बल्लेबाज यश धुल ने जुलाई में हार्ट सर्जरी के बाद वापसी पर आभार व्यक्त किया। दिल्ली के लिए पहली पारी में धुल 189 गेंदों में 11 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 103* रन बनाकर नाबाद हैं। दिल्ली 264/8 पर 410 रन से पीछे है जबकि तमिलनाडु ने पहली पारी में 674/6 के विशाल स्कोर के साथ घोषित की। धुल दिल्ली के लिए किला संभाले हुए हैं और जितना संभव हो सके घाटे को कम करना चाहेंगे। हालांकि धुल ने कहा कि उनके सामने जो समस्या थी वह मामूली थी, लेकिन अगर इसे अनदेखा किया जाता तो यह कुछ गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती थी। दिन के खेल के बाद धुल ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण पारी थी, क्योंकि यह सर्जरी के बाद की पारी थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने बहुत कुछ देखा है। जब आप इस तरह के मंच पर खेलने के लिए वापस आते हैं और एक नई पारी शुरू करते हैं, तो यह अच्छी प्रेरणा और सकारात्मक संकेत होता है।' सर्जरी का विकल्प चुनने के कारण होने वाली समस्या के बारे में बात करते हुए धुल ने कहा, 'मुझे पता चला कि यह मामूली है और जन्म से [जन्मजात] है। लेकिन मैं फिर से मैदान पर खेल रहा हूं, यह भगवान की कृपा है। मैं धन्य हूं। मुझे बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में एक शिविर के दौरान [इस समस्या] पता चला। यह जीवन है। कुछ न कुछ होता रहता है।'

बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने से विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई : साक्षी मलिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा। साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं, उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब 'विटनेस% में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है।

उन्होंने लिखा कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी। इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख शरण सिंह पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है।

डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया। अंत में साक्षी हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे। साक्षी की आत्मकथा के जोनाथन सेल्वाराज सह लेखक हैं। इसमें साक्षी ने हालांकि उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्होंने बजरंग और विनेश को प्रभावित किया।

साक्षी ने लिखा, 'पहले की तरह स्वार्थी सोच फिर से हावी होने लगी। बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू कर दिया। वे खेलों के लिए ट्रायल्स से छूट लेने की बात करने लगे।' उन्होंने लिखा, 'बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने का अच्छा असर नहीं पड़ा। इससे हमारे विरोध प्रदर्शन की छवि बुरी तरह प्रभावित हुई। इससे हम ऐसी स्थिति में पहुंच गए जिसमें कई समर्थकों ने यह सोचना शुरू कर दिया कि हम अपने स्वार्थ के लिए यह विरोध कर रहे हैं।'

विनेश और बजरंग दोनों इस महीने के शुरू में हरियाणा विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी से जुड़ गए। विनेश जुलाना विधानसभा से जीत गईं जबकि बजरंग पार्टी की राष्ट्रीय किसान इकाई के प्रमुख बने। साक्षी ने किताब में बताया कि बचपन में ट्यूशन देने वाले शिक्षक से छेड़छाड़ के बारे में वह अपने परिवार को नहीं बता सकीं थीं क्योंकि उन्हें लगता था कि यह उनकी गलती थी।

उन्होंने लिखा, 'मैं इसके बारे में अपने परिवार को नहीं बता सकी क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरी गलती थी। मेरे स्कूल के दिनों में ट्यूशन देने वाला शिक्षक मुझे प्रताड़ित करता। वह मुझे क्लास लेने के लिए बेवक्त अपने घर

बुलाता और कभी कभार मुझे छूने की कोशिश करता। मैं ट्यूशन क्लास के लिए जाने के लिए डरी रहती लेकिन मैं अपनी मां को नहीं बता सकी।' किताब में साक्षी ने अपने करियर के शुरूआती संघर्षों के अलावा पूर्व पहलवान बबीता फोगाट पर अपने स्वार्थ के लिए विरोध प्रदर्शन का फायदा उठाने का आरोप भी लगाया।

रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने लुका मोड्रिक

पोंटेवेद्रा (स्पेन)। लुका मोड्रिक ने रियल मैड्रिड के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 39 साल और 40 दिन की उम्र में विगो के बैलाडोस स्टेडियम में सेल्टा के खिलाफ मैदान पर उतरकर वह रियल मैड्रिड के इतिहास में आधिकारिक मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। इस मैच में उतरकर उन्होंने हंगरी के दिग्गज खिलाड़ी फेरेंक पुस्कस का 1966 का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी आधिकारिक मैच खेला था। इसके साथ ही, लुका ने रियल मैड्रिड के लिए अपनी 250वीं लालिगा जीत भी दर्ज की, जो कि उनके करियर का एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वह क्लब के साथ अपने 13वें सीज़न में हैं और 369वां लालिगा मैच खेल रहे हैं। मॉड्रिक ने 2012 में लालिगा में पदार्पण किया था और तब से उन्होंने रियल मैड्रिड को 4 लालिगा चैंपियनशिप जीतने में मदद की है। मोड्रिक ने अब तक रियल मैड्रिड के लिए 547 मैचों में 27 खिताब जीते हैं, जिनमें 6 यूरोपीय कप, 5 क्लब विश्व कप, 5 यूरोपीय सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप, और 5 स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं, जो उन्हें क्लब के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक बनाता है।

हॉकी का ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल से बाहर होना तय, सीजीएफ , एफआईएच ने साधी चुप्पी

मेलबर्न (एजेंसी)। हॉकी का 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर होना तय है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो लागत में कटौती करना चाहता है। इसकी जानकारी यहां कई मीडिया रिपोर्ट में दी गई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) दोनों इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। हॉकी को 1998 में राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल किया गया था और तब से वह इन खेलों का अभिन्न अंग बना रहा लेकिन मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ग्लासगो खेलों के आयोजक नेट बॉल और रोडरेसिंग के साथ हॉकी को भी खेलों से हटाना चाहते हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 आयोजन पहले ऑस्ट्रेलिया के राज्य विक्टोरिया में होना था लेकिन वह बढ़ती लागत के कारण मेजबानी से हट गया था। इसके बाद स्कॉटलैंड ने इन खेलों की मेजबानी करने के लिए कदम बढ़ाया। खेलों का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया जाना है। इस संदर्भ में पीटीआई ने जब अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से संपर्क किया तो उसने कार्यक्रम के आधिकारिक तौर पर जारी होने तक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एक अधिकारी ने कहा, ''एक-दो दिन में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और आपको जानकारी मिल जाएगी। हमारी तरफ से जब तक सीजीएफ से कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हो जाती तब तक हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं।''

सीजीएफ ने भी ऐसी ही प्रतिक्रिया दी। हॉकी का खेलों से बाहर रहना इसलिए भी तय माना जा रहा है क्योंकि इन खेलों का आयोजन 23 जुलाई से दो अगस्त तक किया जाएगा जबकि इसके तुरंत बाद 15 से 30 अगस्त तक वावरे, बेल्जियम और अम्स्टेलवीन, नीदरलैंड में हॉकी विश्व कप आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रमंडल खेलों से हॉकी का बाहर होना भारत के लिए एक बड़ा झटका होगा क्योंकि उसकी पुरुष टीम इस खेल में तीन बार की रजत विजेता और दो बार की कांस्य पदक विजेता है। महिलाओं ने एक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सामने जो रूट की होगी परीक्षा : चैपल

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर इयान चैपल ने इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज जो रूट की शानदार रन बनाने की क्षमता पर बात करते हुए कहा है कि आने वाले 12 मैचों में रूट को भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। रूट ने अब तक 148 टेस्ट मैचों में 12,716 रन बनाए हैं, जिसमें पिछले ढाई वर्षों में 10 शतक शामिल हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी सर एलिस्टर कुक से छीन लिया है। अपने एक कॉलम में चैपल ने लिखा कि पाकिस्तान के खिलाफ स्पिन की मदद से 3 मैचों की सीरीज में संतुलन बनाने के बाद रूट का प्रदर्शन और भी देखने लायक होगा। उन्होंने कहा कि रूट स्वाभाविक रूप से रन बनाने के लिए बने हैं और भारत के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट पारी में 73 रन बनाकर उन्होंने अपनी क्षमता दिखाई थी। रूट की बल्लेबाजी शैली को सराहते हुए चैपल ने कहा कि वह हर मौके पर रन बनाने की भूख रखते हैं और इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। आने वाले समय में रूट की असली परीक्षा भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी। इन दो कठिन श्रृंखलाओं में उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना करना पड़ेगा। इन दोनों टीमों के आक्रमण में तेज गेंदबाज और स्पिनर दोनों शामिल हैं, जो रूट की तकनीक की गंभीर जांच करेंगे। चैपल ने कहा कि ये चुनौतियां रूट और इंग्लैंड दोनों के लिए बेहद कठिन होंगी। इसके अलावा, चैपल ने यह भी उल्लेख किया कि रूट ने अब तक ऑस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट शतक नहीं बनाया है, भले ही उन्होंने वहां 27 पारियां खेली हैं। उनका औसत लगभग 35 का है और उन्होंने 9 अर्धशतक बनाए हैं, लेकिन शतक का सूखा बना हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर रूट तेज गेंदबाजों के शिकार बने हैं, जो उनकी कमजोरी का संकेत देता है। विशेष रूप से, वह कई बार विकेट के पीछे कैच आउट हुए हैं, जो पिचों की अतिरिक्त उछाल के कारण है। चैपल ने कहा कि रूट को इन पिचों का बेहतर आकलन करने की जरूरत है ताकि वह इन परिस्थितियों में और बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

मयंक यादव भारतीय तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे: मोहम्मद शमी

गुरुग्राम (हरियाणा) (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की तारीफ की है और उन्हें भारतीय गेंदबाजी का भविष्य बताया है। शमी ने खुद को 100 फीसदी फिट और गेंदबाजी के लिए तैयार बताया है। उनका मानना है कि मयंक यादव और हर्षित राणा जैसे युवा भारतीय तेज गेंदबाजी की कमान संभाल सकते हैं।

चोट के बावजूद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले 34 वर्षीय शमी ने 10.70 की शानदार औसत से 24 विकेट लेकर भारत को 2023 वनडे विश्व कप में उपविजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। शमी अब अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रहे हैं। फरवरी में लंदन में सर्जरी के बाद यह तेज गेंदबाज बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपनी रिकवरी पर काम कर रहा है।

शमी ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि हमारी तेज गेंदबाजी की ताकत वास्तव में बढ़ गई है। पहले हमारे पास कुछ ही गेंदबाज हुआ करते थे जो 140-145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते थे, लेकिन अब बेंच पर बैठे गेंदबाज भी 145 से ऊपर की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं। तेज गेंदबाजी में जिन नामों ने मुझे वास्तव में प्रभावित किया है उनमें से एक नाम मयंक यादव का है। वह वास्तव में प्रभावशाली हैं, वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो भविष्य में भारतीय तेज गेंदबाजी की बागडोर संभालेंगे।' शमी ने कहा, 'हमने 2014 से एक इकाई के रूप में काम किया है। भारत के पास कभी भी एक समय में तीन गेंदबाज नहीं थे जो 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकें। अब हमारे पास बेंच पर कुछ ऐसे हैं जो 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं। यह पीढ़ी जानती है कि कैसे जवाबी हमला करना है और हमने विदेशों में यह दिखाया है।'

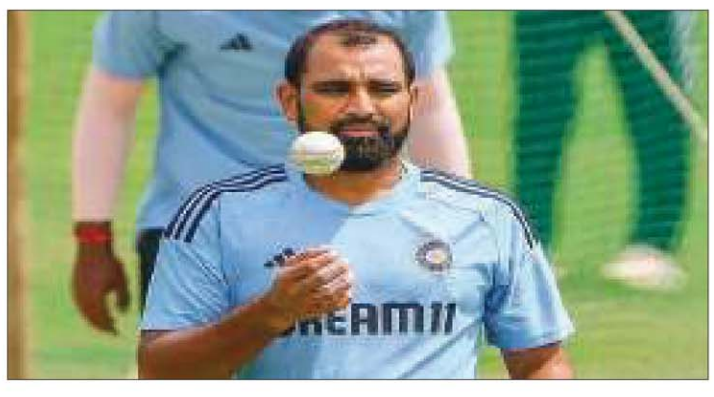

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में नाव हादसा- ढहा फेरी प्लेटफॉर्म, 7 की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के सैपेलो द्वीप पर एक फेरी (छोटे यात्री जहाज) प्लेटफॉर्म के ढहने से बड़ा हादसा हुआ है। जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि शनिवार को एक नाव से टकराने के बाद घाट पर स्थित एक गैंगवे (प्रवेश करने का पथ) ढह गया। इस दौरान वहां जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए लोग पानी में गिर गए। जॉर्जिया प्राकृतिक संसाधन विभाग के प्रवक्ता टायलर जोन्स के अनुसार कई लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने कहा कि वह और उनका परिवार सपेलो द्वीप पर हुई त्रासदी से दुखी हैं। राज्य और स्थानीय बचाव दल इस घटना पर नजर बनाए हुए हैं, वह काम कर रहे हैं, इसलिए हम जॉर्जिया वासियों से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे साथ मिलकर उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो खो गए हैं, जो अभी भी खतरे में हैं, उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करें। जॉर्जिया के प्रतिनिधि बडी कार्टर ने एक्स पर पोस्ट में कहा, फेरी डॉक पर हुई त्रासदी के बाद मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं सैपेलो द्वीप के साथ हैं। गवर्नर केम्प ने खोज, बचाव और रिकवरी में सहायता के लिए राज्य संसाधन भेजे हैं। इस हृदय विदारक क्षति के बाद मदद के लिए आगे आने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। बता दें कि जॉर्जिया के मैकिन्टोश काउंटी में स्थित राज्य संरक्षित अवरोधक द्वीप सैपेलो द्वीप तक केवल नाव द्वारा ही पहुंचा जा सकता है।

एयर न्यूजीलैंड के विमान को मिली बम से उड़ाने की धमकी, 140 यात्री थे सवार

सिडनी, एजेंसी। एयर न्यूजीलैंड के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि शनिवार को सिडनी एयरपोर्ट पर एयर न्यूजीलैंड के विमान में बम की सूचना मिली। इस विमान में करीब 140 यात्री सवार थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्काई न्यूज ऑस्ट्रेलिया और चैनल नाइन न्यूज वेबसाइट के हवाले से बताया कि वेलिंगटन से सिडनी जा रही एयर न्यूजीलैंड की एक उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना के समय विमान में 140 यात्री सवार थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बम की सूचना मिलने के बाद विमान को सुरक्षित तरीके से लैंड कराया गया है। दरअसल, एयर न्यूजीलैंड की फ्लाइट एनजेड-247 ने स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5 :40 बजे वेलिंगटन से उड़ान भरी थी। बम की सूचना मिलने के बाद टेक्निकल ऑपरेशन यूनिट, पैरामेडिक्स और अग्निशमन दल को तुरंत ही मौके पर बुलाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, विमान जब हवा में था तो एयर न्यूजीलैंड ने पुष्टि की है कि उन्हें सुरक्षा खतरे की संभावना के बारे में पता है। एयरलाइन के मुख्य परिचालन और सुरक्षा अधिकारी कैप्टन डेविड मॉर्गन ने एक बयान में कहा, हम स्थानीय अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं और ऐसी घटनाओं के लिए स्थापित मानक प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं।

अफगान सरकार ने हमास नेता सिनवार की मौत पर जताया शोक

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने हमास नेता याह्या सिनवार की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। इस बात की जानकारी प्रशासन के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने दी। मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, हम याह्या सिनवार की शहादत पर इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) और सभी मुजाहिद्दीनों (इस्लामी लड़ाकों) के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। समाचार एजेंसी शन्हिुआ के अनुसार, हमास ने शुक्रवार को सिनवार की मौत की पुष्टि की। सिनवार को इस्माइल हानिया की जगह हमास के राजनीतिक ब्यूरो का प्रमुख नियुक्त किया गया था। हानिया की इस वर्ष जुलाई में ईरान के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के दौरान तेहरान में हत्या कर दी गई थी। इजराइल ने दावा किया है कि 61 वर्षीय सिनवार को पिछले साल 7 अक्टूबर को हुए घातक हमलों के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया था। उसे गाजा में सुरंग नेटवर्क में स्वतंत्र रूप से घूमते हुए देखा गया। सिनवार की मौत की पुष्टि के बाद आईडीएफ प्रमुख ने कहा, हम उन सभी लोगों का पीछा करना और उन्हें खत्म करना जारी रखेंगे, जो इजरायल के नागरिकों को धमकाते हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हम 7/10 में शामिल सभी आतंकवादियों को पकड़ नहीं लेते और सभी अपहृत लोगों को घर वापस नहीं भेज देते।

ड्रोन अटैक के जवाब में इजराइल का बेरूत पर हमला, दाहियेह इलाके को खाली करने के आदेश

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर शनिवार को हुए ड्रोन अटैक के बाद इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना लेबनान में अब तक सबसे बड़ा ऑपरेशन चला रही है। हिजबुल्लाह ने भी इजराइल के उत्तरी इलाकों पर कई रॉकेट हमले किए हैं। नेतन्याहू ने घर पर हुए हमले के बाद इसे हिजबुल्लाह की भारी गलती करार दिया। नेतन्याहू ने कहा कि हत्या का ये प्रयास उन्हें हिजबुल्लाह को खत्म करने से नहीं रोक सकता है। इजराइली पीएम ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह को चेतावनी भी दी।

हमले के वक्त घर पर नहीं थे नेतन्याहू : हिजबुल्लाह ने नेतन्याहू के होम टाउन सिसेरिया को ड्रोन से निशाना बनाया था। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इस हमले की पुष्टि की थी। पीएमओ ने बताया कि इस हमले में पीएम नेतन्याहू का निजी आवास निशाने पर था। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। ड्रोन सिसेरिया की एक इमारत पर गिरा। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के मुताबिक लेबनान से इजराइल पर 3 ड्रोन दागे गए। इजराइली फोर्सेस ने 2 ड्रोन को मार गिराया। आईडीएफ ने माना है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम हमले को रोकने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि वे ड्रोन घुसपैठ की जांच कर रहे हैं। इजराइली सेना का फरमान- दाहियेह इलाके को तुरंत खाली करें इजराइली सेना ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दाहियेह इलाके को तुरंत खाली करने के लिए कहा है। द्वष्ठस्र ने यहां दो इमारतों को टारगेट करने के लिए कहा है। इजराइल ने इन इमारतों को हिजबुल्लाह का ठिकाना बताया है। लिहाजा उन इमारतों के आस-पास रहने वाले लोगों से कम से कम 500 मीटर दूर जाने के लिए कहा है। गाजा में इजराइली हमले में 73 की मौत गाजा के उत्तरी हिस्से के बेइत लाहिया इलाके में इजराइली हमले में 73 लोगों की मौत हो गई है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी सैकड़ों लोग मलबे में फंसे हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया के मुताबिक हमले वाली जगह पर बचाव कार्य जारी है। हालांकि मौत का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। गाजा के उत्तरी इलाकों में 16 दिनों से इजराइली सेना ने नाकाबंदी की हुई है। इसकी वजह से भोजन, पानी और दवाओं की सप्लाई कट गई है। वहीं दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में हुए हमले में भी पांच लोग मारे गए हैं। इनमें चार इंजीनियर और एक कर्मचारी शामिल हैं। ये सभी इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े मरम्मत के काम में जुटे हुए थे। ड्रोन अटैक के बाद भड़के नेतन्याहू, कहा ईरान हिजबुल्लाह को चुकानी होगी भारी कीमत इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर ड्रोन अटैक के बाद अपने पहले बयान में उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. नेतन्याहू ने ईरान हिजबुल्लाह को खुली चुनौती दी है. उन्होंने कहा कि कहा ईरान हिजबुल्लाह को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी. उन्होंने कहा कि जो कोई भी इजराइल के नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. इस बीच संयुक्त राष्ट्र में ईरानी दूतावास ने ड्रोन अटैक को लेकर प्रतिक्रिया दी है और कहा कि इसमें ईरान का हाथ नहीं है. इसके पीछे हिजबुल्लाह शामिल है. इसकी जानकारी इजराइल के विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर दी है. इजराइल के विदेश मंत्री कैट्ज ने ट्वीट किया, संयुक्त राष्ट्र में ईरानी दूतावास ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर हत्या के प्रयास की जिम्मेदारी से इनकार किया है. साथ ही दावा किया है कि इसके पीछे हिजबुल्लाह का हाथ था. हालांकि इजराइल के विदेश मंत्री ने कहा कि वह जिसे ईरान ने बनाया उसका वित्तपोषण किया, हथियार दिए, प्रशिक्षित किया और अब अपने सभी कार्यों को नियंत्रित करता है. वह अचानक उसे एक स्वतंत्र इकाई के रूप में चित्रित किया जा रहा है. यह ईरान का झूठ और झूठे बहाने हैं. आप इसके लिए जिम्मेदार हैं. नेतन्याहू ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, मेरी पत्नी और मुझे मारने की कोशिश करके ईरान हिजबुल्लाह ने एक बड़ी गलती की है. नेतन्याहू ने कहा कि हत्या की कोशिश उन्हें या इजराइल को आतंकवादियों को खत्म करने से नहीं रोकेगा. रिपोर्ट के अनुसार हमले के समय नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे. टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार की सुबह लेबनान से दागे गए दो अन्य ड्रोनों को इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया. इन हमलों के बाद तेल अवीव में सायरन बजने लगे थे।

बढ़ते तनाव को कम करने की कोशिश, मिस्र और लेबनान के विदेश मंत्रियों की फोन पर बातचीत

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और उनके लेबनानी समकक्ष अब्दुल्ला बौ हबीब ने लेबनान के हालात और क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयासों पर चर्चा की। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को फोन पर बातचीत में अब्देलती ने लेबनान में तत्काल युद्ध विराम के लिए मिस्र की कोशिशों की चर्चा की। बयान के अनुसार, अब्देलती ने बढ़ते तनाव को कम करने की जरुरत पर बल दिया, ताकि क्षेत्र को बड़े पैमाने पर युद्ध में घसीटे जाने से रोका जा सके। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र के शीर्ष राजनयिक ने दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) को इजरायली सेना द्वारा जानबूझकर निशाना बनाए जाने की निंदा की। अब्देलती ने मौजूदा गंभीर परिस्थितियों के मद्देनजर लेबनान को हर तरह की सहायता प्रदान करने की मिस्र की इच्छा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मिस्र ने अब तक लेबनान को 44 टन सहायता भेजी है। शीर्ष राजनयिकों के बीच यह चर्चा गाजा में इजरायली सेना द्वारा हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या, गाजा और लेबनान में जारी इजरायली हमलों और ईरान पर हमला करने की इजरायली धमकियों के बाद बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच हुई। इस बीच जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने गाजा पट्टी और लेबनान संघर्ष को कम करने के तरीकों पर इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ चर्चा की। शुक्रवार को जॉर्डन के बंदरगाह शहर अकाबा में दोनों नेताओं की बैठक हुई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने जॉर्डन की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा के हवाले से बताया कि दोनों नेताओं ने तत्काल युद्धविराम तक पहुंचने, नागरिकों की रक्षा करने और लोगों की पीड़ा को समाप्त करने के प्रयासों को तेज करने की जरुरत पर जोर दिया।

पति से झगड़े का बदला: महिला ने बच्चों को 23वीं मंजिल की खिड़की से बाहर एसी पर बिठाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन के हेनान प्रांत के लुओयांग शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक महिला ने पति से झगड़े के बाद अपने दो छोटे बच्चों को 23वीं मंजिल के अपार्टमेंट की खिड़की से बाहर एयर कंडीशनर (एसी) यूनिट पर बिठा दिया। घटना 10 अक्तूबर को हुई और इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों ने जब बच्चों के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनी, तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद तुरंत फायर डिपार्टमेंट की टीम को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जब इस खतरनाक स्थिति की खबर फैली, तो लोग अपने अपार्टमेंट से बाहर आ गए और कुछ लोगों ने घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। वीडियो में देखा गया कि एक छोटी बच्ची रोते हुए दिखाई दी, जबकि उसका छोटा भाई एसी पर चुपचाप बैठा हुआ था। इस दौरान महिला अपने पति को बच्चों के पास जाने से रोक रही थी, जिससे स्थिति और भी खतरनाक हो गई थी। बच्चों ने किसी भी प्रकार का सुरक्षा गियर नहीं पहन रखा था, जिससे उनकी जान पर बड़ा खतरा मंडरा रहा था। दमकल विभाग के अधिकारियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया और बच्चों को सुरक्षित तरीके से अपार्टमेंट के अंदर खींच लिया। इस बीच, पड़ोसियों में इस घटना को लेकर गहरा सदमा था।

कमला हैरिस की कितनी मदद कर पाएंगे ओबामा? आखिरी चरण में चुनावी प्रचार में उतरने के मायने

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए अगले महीने की पांच तारीख को मतदान होगा। इस चुनावी माहौल में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा प्रचार में उतर आए हैं। ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल के साथ कमला हैरिस कई जगह प्रचार करेंगी। उनका उद्देश्य डेमोक्रेटिक मतदाताओं को एकजुट करना और चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन करना है। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति की लोकप्रियता इस बात की ओर इशारा करती है कि वे उन राज्यों में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं, जहां जीत का अंतर कम है। ओबामा की लोकप्रियता से हैरिस को फायदा मिलने की उम्मीद भी है, लेकिन इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी हैं।

सोशल मीडिया पर ओबामा के भाषण के बाद मिली जुली प्रतिक्रिया

पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की कुछ टिप्पणियों ने अश्वेत मतदाताओं में नेगेटिव रिस्पांस पैदा किया है। उन्होंने हाल ही में हैरिस के समर्थन में अश्वेत पुरुष मतदाताओं को दोषी ठहराया था, जिससे उनके प्रति समर्थन में कमी आने की आशंका भी बढ़ गई है। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि क्या ओबामा का समर्थन वास्तव में हैरिस के लिए फायदेमंद साबित होगा। सोशल मीडिया पर ओबामा के भाषण के बाद मिली जुली प्रतिक्रिया आ रही है। 17 प्रतिशत लोगों ने उनकी बातें पॉजिटिव बताई हैं, जबकि 33 प्रतिशत ने नेगेटिव रिस्पांस दी है। कई लोगों ने उनके कमेंट को अपमानजनक और परेशान करने वाला बताया है। ऐसे में कमला हैरिस की चुनावी जीत के लिए मजबूत नींव तैयार करना मुश्किल हो सकता है। ओबामा के असर से डेमोक्रेटिक पार्टी को सही तालमेल बिठाना होगा बहरहाल कमला हैरिस के लिए ओबामा का प्रचार बहुत महत्वपूर्ण है। वे उन राज्यों में जीतने के लिए जोरशोर से प्रचार कर रही हैं, जहां डेमोक्रेट्स को अपनी स्थिति मजबूत करने की जरूरत है। लेकिन ओबामा के नेगेटिव इंपैक्ट को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। इस चुनावी दौर में हैरिस को उम्मीद है कि ओबामा की मौजूदगी उनके ग्राउंड गेम को मजबूती देगी। हालांकि उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी भी नकारात्मक टिप्पणी से बचना अत्यंत जरूरी है। ओबामा के असर से डेमोक्रेटिक पार्टी को इस चुनाव में सही तालमेल बिठाना होगा। कमला हैरिस के लिए ओबामा का समर्थन उनके अभियान को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। ओबामा की मौजूदगी मतदाताओं को उस समय की याद दिलाती है, जब 2008 में उनके चुने जाने पर देश में आशा और उत्साह का माहौल था। कमला हैरिस ओबामा की उपलब्धियों, जैसे अफोर्डेबल केयर एक्ट और जलवायु परिवर्तन की नीतियों से खुद को जोड़कर अपना इमेज मजबूत कर रही हैं। वह खुद को उन नीतियों को आगे बढ़ाने वाली नेता के रूप में दिखा रही हैं, जो देश के विकास के लिए नए कदम उठाने को तैयार हैं। ओबामा का समर्थन हैरिस के लिए निरंतरता और प्रगति का प्रतीक है।

पोलियो से उभर नहीं पा रहा पाकिस्तान, चार और नए मामले आए सामने, अब तक मिले 37 मरीज

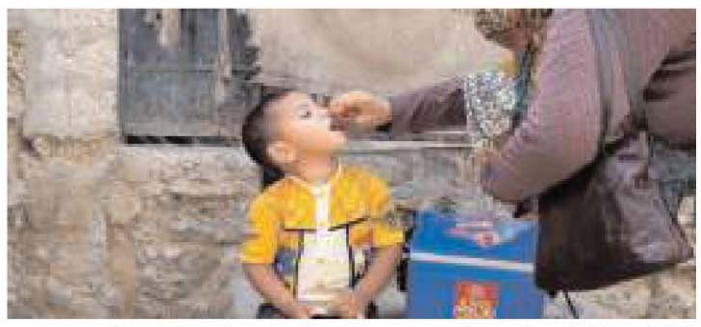

इस्लामाबाद , एजेंसी। 2024 तक पाकिस्तान पोलियो वायरस संक्रमण से अब तक उभर नहीं पाया है। हाल ही में पाकिस्तान में चार नए मामले सामने आए। इसी के साथ ही, पाकिस्तान में इस साल पोलियों संक्रमण के मामले बढ़कर 37 हो गए हैं। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इस्लामाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पोलियो उन्मूलन ने नए 4 मामलों की पुष्टि की है।

खबर के मुताबिक, यह चार नए मामले बच्चों में जंगली पोलियोवायरस टाइप-1 की पुष्टिहुई है। इन मामलों में बलूचिस्तान के तीन और खैबर पख्तूनख्वा का एक बच्चा शामिल है। पोलियों से प्रभावित बच्चों में पिशिन की एक लड़की, बलूचिस्तान के चमन और नोशकी के दो लड़के और खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत जिले की एक लड़की शामिल है। अधिकारी ने बताया कि नोशकी और लक्की मरवत से इस साल रिपोर्ट किए गए ये पहले मामले हैं। इससे पहले, चमन और पिशिन में इस साल की शुरुआत में एक-एक मामला सामने आया था। पाकिस्तान में अब तक पोलियो के 37 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 20 बलूचिस्तान में, 10 सिंध में, पांच खैबर पख्तूनख्वा में और एक-एक पंजाब और इस्लामाबाद में पाए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि इन मामलों पर फिलहाल जेनेटिक सीक्वेंसिंग की जा रही है। बता दें, 2023 और 2024 की शुरुआत में बलूचिस्तान और दक्षिणी खैबर पख्तूनख्वा में पोलियोवायरस के खिलाफ़ लड़ाई में बाधाएं आईं। स्थानीय विरोध, असुरक्षा और सामुदायिक बहिष्कार के कारण टीकाकरण के प्रयास बाधित हुए। नोशकी अफगानिस्तान की सीमा के पास स्थित है और क्वेटा और मस्तंग जिलों के साथ सीमा साझा करता है। हाल के महीनों में इन क्षेत्रों में डब्लयूपीवी1 के लिए सकारात्मक पर्यावरणीय नमूने देखे गए हैं, जो वायरस के प्रसार का संकेत देते हैं। इसी तरह, लक्की मरवत ने भी कई सकारात्मक पर्यावरणीय नमूनों की सूचना दी है। आगामी टीकाकरण अभियान राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान 28 अक्टूबर से शुरू होने वाला है। इस पहल का लक्ष्य पांच साल से कम उम्र के 45 मिलियन से अधिक बच्चों को लकवाग्रस्त पोलियो से बचाना है। यह प्रयास पूरे देश में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।

कनाडा में अब भारतीय के साथ नस्लीय बदसलूकी, वृद्धा ने कहा- तुम काले हो... सब वापस जाओ

ओटावा, एजेंसी। कनाडा और भारत के बीच संबंध तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं, और इस तनाव के बीच एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक भारतीय नागरिक, अश्विन अन्नामलाई, को कनाडा में नस्लीय भेदभाव का सामना करते हुए देखा जा रहा है। अन्नामलाई, जो पिछले छह साल से कनाडा में रह रहे हैं और हाल ही में नागरिकता प्राप्त की है, ने बताया कि जब वह वाटरलू, ओंटारियो में टहल रहे थे, तो एक बुजुर्ग महिला ने उन्हें नस्लवादी टिप्पणी की।

वीडियो में अन्नामलाई महिला को समझाते हैं कि वे भी एक कनाडाई हैं, लेकिन महिला इस बात से असहमत होती हैं। महिला अन्नामलाई के स्किन कलर पर टिप्पणी करते हुए कहती हैं, तुम कनाडाई नहीं हो। यहां बहुत सारे भारतीय हैं, और मैं चाहती हूं कि तुम वापस जाओ। तुम्हारे माता-पिता और दादा-दादी यहां के नहीं हैं। जब अन्नामलाई ने महिला से पूछा कि क्या वह फ्रेंच बोल सकती है (कनाडा की दूसरी आधिकारिक भाषा), तो महिला ने इसका जवाब नहीं दिया और केवल यह कहा, वापस जाओ। वापस भारत जाओ। अन्नामलाई ने अपने पोस्ट में कहा कि यह घटना अकेली नहीं है। इस साल के शुरू से ही ऐसी घृणित घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के व्यवहार को पूरे कनाडा पर नहीं थोपना चाहिए और लोगों को एकजुट होकर समस्याओं का समाधान खोजना चाहिए। भारत-कनाडा संबंधों में गिरावट के बाद से, कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिकों को अक्सर नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ रहा है। अन्नामलाई ने कहा कि उन्हें कभी भी ऐसी कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा जो आज के अंतर्राष्ट्रीय छात्र झेल रहे हैं, और यह कनाडा अब वैसा नहीं रहा जैसा वे आए थे।

सेना की तैयारी देखने पहुंचे शी जिनपिंग, सैनिकों से कहा- युद्ध के लिए तैयार रहो

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी सेना की तैयारियों को देखने पहुंचे। अपनी विजिट के दौरान जिनपिंग ने सैनिकों से कहा कि सेना युद्ध के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत रखे, रॉकेट फोर्स ब्रिगेड का जायजा लेने पहुंचे शी ने परमाणु हथियारों पर भी जोर देने को कहा। चीनी राष्ट्रपति का सैन्य साजो सामान और सेना का हौसला बढ़ाने का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब चीनी सेना लगातार ताइवान के सामने युद्धाभ्यास कर चुनौती पेश कर रही है वहीं भारत के साथ भी सीमा पर टकराव की स्थिति बनी हुई है। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, शी के इस दौरे के दौरान सैनिकों का उत्साह देखने लायक था। राष्ट्रपति ने सैनिकों से कहा कि हमें व्यापक रूप से युद्ध के लिए तैयार रहना होगा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे सैनिकों के पास युद्ध को लड़ने के लिए ठोस क्षमताएं हों। सैनिकों को युद्ध के दौरान काम आने वाली रणनीतिक क्षमताओं का बढ़ाना चाहिए। चीन ने ताइवान के पास तैनात किए अपने लड़ाकू जेट चीन लगातार ताइवान के ऊपर हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। ताइवान को घेरने के लिए ड्रैगन ने लड़ाकू जेट, ड्रोन, युद्धपोत और तट रक्षक जहाजों को तैनात किया है। पिछले दो वर्षों में द्वीपीय देश ताइवान के सामने चीनी सेना का यह चौथा युद्धाभ्यास चल रहा है। चीन की सेना का युद्धाभ्यास ताइवान की धड़कन को बढ़ाने वाला है क्योंकि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता लगातार अपने भाषणों में जोर देकर इस बात को कहते रहते हैं कि वह ताइवान को बीजिंग के नियंत्रण में लाने के लिए सैन्य बल प्रयोग के लिए मना नहीं करेंगे।ठ्ठरिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि चीनी सेना को देश की रणनीतिक सुरक्षा और मुख्य हितों की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। रॉकेट फोर्स को 2015 में शी द्वारा सैन्य पुनर्गठन के तहत स्थापित किया गया था। यह सेना में चलाए जा रहे भ्रष्टाचार रोधी अभियान के केंद्र में रही है। सत्तारूढ़ सीपीसी का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति पद पर आसीन शी (71) चीनी सेना के समग्र उच्च कमान, केंद्रीय सैन्य आयोग के भी प्रमुख हैं। लंबी और छोटी दूरी की मिसाइलों का संचालन करने वाली रॉकेट फोर्स का उनका दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल के वर्षों में इस प्रमुख सैन्य इकाई में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाया गया है। पूर्व रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू सहित इसके कई अधिकारियों को कथित भ्रष्टाचार के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। जनरल ली शांगफू, रक्षा मंत्री के रूप में पदोन्नत किये जाने से पहले रॉकेट फोर्स के प्रमुख थे।

करवा चौथ की खु?शियां मातम में बदलीं, पति-पत्नी ने की आत्महत्या

जयपुर। करवा चौथ की खुशियां एक परिवार के लिए मातम में बदल गई। जब मामूली कहासुनी के बाद पति-पत्नी दोनों ने आत्महत्या कर ली। यह घटना जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र के नांगल सिरस गांव की है, जहां में करवा चौथ की रात 38 वर्षीय घनश्याम बुनकर और उसकी 35 वर्षीय पत्नी मोनिका उर्फ मोना ने आत्महत्या कर ली। सूत्रों के मुताबिक करवा चौथ पर घनश्याम देर रात घर लौटा, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर मोनिका रात करीब 12 :30 बजे घर से बाहर निकल गई। घनश्याम भी उसे रोकने के लिए पीछे-पीछे गया। जब वे जयरामपुरा पुलिया के पास पहुंचे तो मोनिका ने रेलवे ट्रैक पर छलांग लगा दी। ट्रेन से टकराने के बाद मोनिका के शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए। पत्नी की मौत से दुखी घनश्याम खुद को संभाल नहीं सका और घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

भाई को किया मैसेज, मांगी माफी- एसएचओ उदयभान ने बताया कि पति-पत्नी के बीच घर देर से लौटने को लेकर झगड़ा हुआ था, इसके बाद मोनिका ने आत्मघाती कदम उठाया, जबकि घनश्याम इस दुख को सहन नहीं कर सका। इससे पहले, घनश्याम ने अपने भाई को एक वॉट्सऐप मैसेज भेजा था, जिसमें उसने अपनी हार की बात कही और माफी मांगी, साथ ही अपने परिवार की देखभाल करने की अपील की। पुलिस ने दोनों के शवों को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भेज दिया और पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नर्मदा नदी के किनारे अवैध निर्माण हटाएगी मोहन सरकार

भोपाल । प्रदेश सहित देश की जीवन दायिनी नर्मदा नदी के किनारों का सेटेलाईट और ड्रोन से कैचमेंट सर्वेक्षण होगा। मोहन सरकार इसकी निगरानी भी कराएगी। नर्मदा और उसकी सहायक नदियों का सीमांकन होगा। जहां अतिक्रमण हैं, वहां से अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। साथ ही नर्मदा की सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने का काम होगा। नर्मदा किनारे बसे धार्मिक स्थलों, अमरकंटक और ओंकारेश्वर को सेटेलाईट सिटी के रूप में विकसित करने योजना तैयार होगी। नर्मदा के किनारे बड़ी बिल्डिंग के निर्माण नहीं हो सकते है। इस काम का रिव्यू नवंबर के दूसरे सप्ताह में होगा। इसके लिए 11 विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है। मोहन सरकार ने सितंबर में इस लेकर मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में फैसला किया था। इस समिति में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अलावा डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहाद पटेल, परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, पीएचई मंत्री संपतिया उइके और वन मंत्री राम निवास रावत शामिल हैं।

गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए?

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। इस हमले में एक डॉक्टर समेत 6 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई थी। सूत्रों के अनुसार टीआरएफ का चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड है। गुल के कहने पर ही यह हमला किया गया। इस बीच एनआईए की चार सदस्यीय टीम सोमवार को घटनास्थल का दौरा किया। बताया जा रहा है कि एनआईए को इस हमले की जांच सौंपी गई है। यह पहली बार है जब कश्मीरियों और गैर-कश्मीरियों को एकसाथ निशाना बनाया गया है। मालूम हो कि सीनियर पत्रकार शुजात बुखारी की हत्या में भी टीआरएफ का ही नाम आया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल तीन लोगों की पहचान की थी। हमले में शामिल दो लोग साउथ कश्मीर के रहने वाले और तीसरा पाकिस्तानी नागरिक था। टीआरएफ का गठन शेख सज्जाद गुल ने साल 2019 में किया। हालांकि, इस संगठन अस्तित्व में लाने की साजिश सीमा पार से चल रही थी। टीआरएफ लंबे समय से कश्मीर में सक्रिय है जिसके गुर्गों ने कश्मीरी पंडितों और बाहरियों को टारगेट किया है।

हिंदुत्व शब्द को बदलने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व शब्द को भारतीय संविधानत्व शब्द से बदलने की याचिका खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेपी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनवाई के दौरान याचिका को प्रक्रिया का दुरुपयोग करार दिया। याचिका दिल्ली के विकासपुरी निवासी एसएन कुंद्रा ने दायर की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि हिंदुत्व शब्द की जगह भारतीय संविधानत्व शब्द का इस्तेमाल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज दी कि इस तरह के मामलों को आगे बढ़ाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा और यह कोर्ट के समय और संसाधनों का अनुचित उपयोग है। कोर्ट ने कहा कि हम इस याचिका को स्वीकार नहीं करेंगे। यह याचिका प्रक्रिया का दुरुपयोग है और इसे आगे बढ़ाने का कोई आधार नहीं है। कोर्ट के इस फैसले के साथ ही यह मामला खत्म हो गया है।

बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र, चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना

नई दिल्ली। अंडमान सागर के ऊपर चक्रवाती दबाव सोमवार को निम्न दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया और इसके 23 अक्टूबर तक तूफान में बदलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि रविवार को उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती दबाव ने पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना दिया है। विभाग ने कहा कि इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और 22 अक्टूबर की सुबह तीव्र होकर दबाव के रूप में परिवर्तित होने और 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में बदलने की पूरी संभावना है।

महाराष्ट्र में महारार: कांग्रेस और उद्धव सेना में सीटों पर भारी तकरार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में केवल एक महीने का वक्त बचा हुआ है। मतलब 20 नवंबर को मतदान होना है और विपक्षी गठबंधन एमवीए ने अभी तक सीट शेयरिंग फॉर्मूला पेश नहीं किया है। खबरें ये भी हैं कि कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के बीच तनातनी ज्यादा चल रही है। दोनों ही दलों के दिग्गज दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) चीफ शरद पवार के द्वार पहुंचे हैं। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होगा। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एआईसीसी की चुनाव और स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें होना थीं, लेकिन सीट शेयरिंग में सहमति नहीं बनने के चलते ये रद्द हो गईं। कहा जा रहा है कि समितियां अगले 1-2 दिनों में फिर मीटिंग कर सकती हैं। इधर, शनिवार को एमवीए में सीट शेयरिंग पर दोबारा बातचीत शुरू हो गई थी।

खबर है कि शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे और एमएलसी अनिल परब ने भी सीनियर पवार से मुलाकात की है। पदाधिकारियों का कहना है कि मीटिंग घोषणापत्र के चलते की गई थी, लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीट पर छिड़ी रार अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है। यह खासतौर से शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच जारी है। रविवार के उद्धव ठाकरे ने भी मातोश्री में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली।कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनती है, तो पार्टी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी कहा है कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। शनिवार को ही कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्ध ठाकरे और पवार से मुलाकात की थी। एआईसीसी की तरफ से भी सीडब्ल्यूसी के सदस्य नसीम खान को स्थिति संभालने के लिए मैदान में उतारा गया है। उन्होंने अखबार को बताया, विवादित सीटों को लेकर शरद पवार से मेरी छोटी सी मुलाकात हुई है। एमवीए के सूत्रधार होने के नाते उन्होंने उद्धव ठाकरे और संजय राउत दोनों से मुलाकात की है। मुझे भरोसा है कि शरद पवार के हस्तक्षेप के बाद विवाद सुलझ जाएगा।रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस के पदाधिकारी ने शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को लेकर कहा, उनकी मांग वास्तविक नहीं हैं। वे ऐसी सीटों की मांग कर रहे हैं, जहां उनकी मौजूदगी लगभग शून्य है।

राष्ट्रपति के ह्राथों जल संरक्षण में केरल और छत्तीसगढ़ को मिला पुरस्कार

नई दिल्ली । 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू जल संरक्षण के लिए जल अवार्ड का प्रथम पुरस्कार केरल को तथा द्वितीय पुरस्कार छत्तीसगढ़ को समारोह में देंगी । केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के पल्लमपारा गांव जो कि लगभग 26 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है ।यहां के ग्रामवासियों ने 12 किलोमीटर दूर वामन पुरम नदी तक गांव के पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए संयुक्त प्रयास किया। हरित कर्म सेना बनाई गई। इस सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा जल स्रोत में कचरा डालने से रोका गया। सफाई के लिए विशेष इंतजाम किए गए। बारिश का पानी रोकने के लिए छोटे-छोटे बांध बनाए गए। उनके आसपास वृक्षारोपण किया गया। मनरेगा के तहत पुराने तालाबों और कुओं की साफ सफाई की गई। 600 नए तालाब खोदे गए। जिसके कारण इस क्षेत्र की स्थिति बिल्कुल बदल गई है। 910 हेक्टेयर क्षेत्र में वाटरशेड परियोजना चलाई जा रही है ।सारा गांव हरा भरा हो गया है। पेयजल भी स्थानीय निवासियों को आसानी से मिल रहा है। इसे जल अवार्ड का प्रथम पुरस्कार मिला है। द्वितीय पुरस्कार छत्तीसगढ़ के मासूलपानी गांव को प्राप्त हुआ है। गांव से लगे हुए पहाड़ से जो पानी आता है ।उसे गांव में ही रोका गया। इसके लिए चोटी से घाटी तक पानी को रोकने के लिए चेक डैम बनाए गए। मनरेगा के अंतर्गत 277 छोटी-छोटी कृषि डवरियाँ तैयार की गई। 50 सोलर पंप लगाकर किसानों की 125 एकड़ भूमि को सिंचित बनाया गया। गांव के लोग पानी की कमी के कारण मजदूरी करने के लिए गांव से बाहर जाते थे। अब उन्हें गांव पर ही काम मिलने लगा है। अब यह गांव आसपास के लोगों को भी रोजगार दे रहा है।

डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए जम्मू कश्मीर के युवाओं को बनाया जा रहा आतंकी

श्रीनगर। संयुक्त राष्ट्र ने बार-बार भर्ती और हिंसा भड़काने सहित विभिन्न नापाक उद्देश्यों के लिए प्रचार का लाभ उठाने में आतंकवादी समूहों के प्रभाव को रेखांकित किया है। इन चुनौतियों के जवाब में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 2017 के संकल्प 2354 (व्यापक अंतरराष्ट्रीय रूपरेखा) को अपनाया था। इसके बाद भी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और विभिन्न आतंकी समूह जम्मू-कश्मीर में दहशतगर्दों की भर्ती बढ़ाने के लिए अब डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सुरक्षाबलों की कड़ी नाकेबंदी के कारण उनके लिए युवाओं से सीधे संपर्क करना मुश्किल होता जा रहा है। ये समूह अब मुख्य रूप से एक्स (पुराना नाम ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग एप का इस्तेमाल कर भावनात्मक रूप से कमजोर युवाओं को लक्षित कर रहे हैं। आईएसआई और आतंकी समूह पहचान छिपाने के लिए फर्जी प्रोफाइल और वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल कर रहे हैं। वांछित युवाओं की पहचान होते ही उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने निजी ग्रुपों में शामिल कर लेते हैं। इन ग्रुपों में युवाओं को बरगलाने के लिए उन्हें सुरक्षा बलों के अत्याचारों को दर्शाने वाले मनगढ़ंत वीडियो सहित फर्जी तरीके से बनाई गई इसी तरह की सामग्री भेजी जाती है। यह रणनीति आईएसआई से जुड़े संचालकों की ओर से नफरत फैलाने और भर्ती के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के लिए अपनाई जाती है।

रूसी सेना में जबरन भर्ती 20 भारतीयों की रिहाई जल्द संभव

-करीब 85 भारतीयों को रिहा किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कजान यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली द्वारा मॉस्को के समक्ष मामला उठाए जाने के बाद से करीब 85 भारतीय जिन्हें रूसी सेना में धोखे से भर्ती किया गया था, उन्हें रिहा कर दिया गया है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि रूसी सेना से अभी भी 20 भारतीयों को रिहा किया जाना बाकी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शेष भारतीयों की जल्द रिहाई के लिए कोशिश के बारे में बताया हैं। इसके अलावा भारतीय विदेश सचिव मिसरी ने कहा कि भारत और चीन सोमवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त करने के लिए एक समझौते पर पहुँचे। यह समझौता लद्दाख सेक्टर के देपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त से संबंधित है। एलएसी पर गश्त पर समझौते पर विदेश सचिव मिस्री ने कहा, पिछले कई हफ्तों में हुई चर्चाओं के परिणामस्वरूप भारत-चीन सीमा क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति बन गई है और इससे 2020 में इन क्षेत्रों में उत्पन्न हुए मुद्दों का समाधान हो रहा है। विदेश सचिव मिस्री ने बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संस्थापक सदस्यों के साथ-साथ नए सदस्य भी भाग लेने वाले है। शिखर सम्मेलन 22 अक्टूबर को शुरू होगा और पहले दिन शाम को नेताओं के लिए रात्रिभोज होगा। शिखर सम्मेलन का मुख्य दिन 23 अक्टूबर है, जो दो सत्रों में होगा। सुबह एक बंद पूर्ण सत्र और उसके बाद दोपहर में एक खुला पूर्ण सत्र जो शिखर सम्मेलन के मुख्य विषय पर समर्पित होगा। शिखर सम्मेलन 24 अक्टूबर को समाप्त होगा लेकिन प्रधानमंत्री स्वदेश में महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं के कारण 23 अक्टूबर को नई दिल्ली लौटने की उम्मीद है।

सीजेआई पर विवादित बयान दे फंसे राम गोपाल यादव... विवाद बढ़ने पर मारी पलटी

-अखिलेश यादव को चाचा की आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी सांसद राम गोपाल यादव ने तब बड़ा विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ को कैमरे पर गाली दी। दरअसल राम गोपाल यादव से अयोध्या विवाद के संदर्भ में की गई टिप्पणी भगवान से प्रार्थना के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछा गया था। हालांकि, आलोचनाओं का सामना करने के बाद, सपा नेता यादव ने यह कहकर अपना बयान वापस ले लिया कि किसी ने भी उनसे सीजेआई के बारे में कुछ नहीं पूछा था। सपा नेता यादव ने कहा मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। जब आप भूतों को जीवित करते हैं, जब आप मृतकों को जीवित करते हैं, तब वे भूत बन जाते हैं और न्याय का पालन करना शुरू कर देते हैं। वे अब

कहां हैं?... भूल जाइए, इसतरह सभी घटिया लोग ऐसी बातें कहते रहते हैं। क्या मुझे उन पर ध्यान देना चाहिए?

बाद में, जब सपा नेता यादव ने आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया, तब उन्होंने ऐसा कोई बयान देने से इंकार कर तर्क दिया कि उन्हें बहराइच हिंसा पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा, किसी ने मुझसे सीजेआई के बारे में कुछ नहीं पूछा। सीजेआई बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। मैंने कभी (उन पर) कोई टिप्पणी नहीं की। मुझसे बहराइच (हिंसा) के बारे में पूछा गया और मैंने उसका जवाब दिया। विवाद पर प्रतिक्रिया देकर पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें अपने चाचा द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्होंने फैसला सुनाने से पहले राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए प्रार्थना की थी।

अयोध्या मामले पर 3 माह तक विचार-विमर्श करने के अपने समय को याद कर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) होते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंचते। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो 3 महीने तक मेरे सामने था।

बाते दें कि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद लंबे समय से कानूनी और राजनीतिक मुद्दा रहा है कि क्या 16वीं सदी की मुगल मस्जिद उस जगह पर मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाई गई थी, जिसे भगवान राम का जन्मस्थान बताया जाता है।

केंद्र की योजनाओं पर नजर रखेंगे शिवराज

-पीएम मोदी ने योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज क्रियान्वयन के लिए निगरानी समूह बनाया

-पहली बैठक में सभी प्रमुख सचिवों ने लिया था भाग

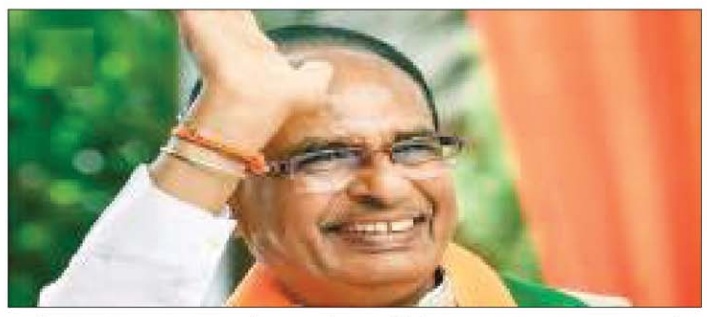

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक विशेष निगरानी समूह का गठन किया है। केंद्र की सभी योजनाओं पर नजर रखने जैसी अहम जिम्मेदारी शिवराज को पीएमओ ने सौंपी है, जिससे उनका कद राजनीतिक गलियारे में भी और बढ़ गया है। बताते चलें कि निगरानी समूह की पहली बैठक 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में आयोजित की गई थी, जिसमें सभी प्रमुख सचिवों ने भाग लिया था।

पीएमओ ने एक जानकारी में बताया है कि इस निगरानी समूह का उद्देश्य 2014 से अब तक घोषित सभी योजनाओं, बजट घोषणाओं और अधीनस्थ कानूनों की प्रगति पर नजर रखना है, ताकि उन्हें समय पर और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। समूह हर महीने पीएमओ में बैठक करेगा और योजनाओं की समीक्षा करेगा। बैठक में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव भी शामिल होंगे, जो इन योजनाओं के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार सरकारी योजनाओं में देरी को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं, और यह कदम उनकी इसी चिंता का परिणाम बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि शिवराज की अध्यक्षता वाला यह निगरानी समूह योजनाओं की प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जिन्हें एक कुशल प्रशासक माना जाता है, अब सचिवों को पीएमओ की अपेक्षाओं से अवगत कराएंगे और किसी भी योजना के पिछड़ने या अंतर-मंत्रालयी समर्थन की आवश्यकता होने पर संबंधित मंत्रालयों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। पीएम मोदी की इस पहल से उम्मीद है कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी, जिससे जनता को समय पर लाभ मिल सकेगा और सरकारी योजनाओं की प्रगति में सुधार आएगा।

बेंगलुरु में भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुटटी... निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भरा

पणजी(एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। बेंगलुरु में बीतें दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और कई निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भर गया है। बेंगलुरु के उपायुक्त (शहरी) जगदीश जी. ने भारी बारिश के बीच सोमवार को स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखने का आदेश दिया है।

बेंगलुरु में एक सप्ताह के भीतर भारी बारिश के कारण स्कूल बंद करने के आदेश दूसरी बार दिए गए हैं। बारिश के बीच यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जलमग्न सड़कों से गुजरे। शहर के कई स्थानों में पेड़ गिरने के कारण वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लिए बेंगलुरु में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। कलेक्टर ने कहा कि यह निर्णय एहतियाती उपाय और छात्रों के हित में लिया गया है। हालांकि, अन्य सभी डिग्री पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर कार्यक्रम, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग और आईटीआई खुले रहने वाले है। कॉलेजों के प्रमुखों और संबंधित व्यक्तियों को कॉलेजों में व्याख्यान आयोजित करते समय कुछ बिंदुओं पर विचार करने के लिए एक सामान्य निर्देश दिया गया है। यदि कमजोर, जीर्ण भवन हैं तो ऐसी इमारतों का उपयोग व्याख्यान के लिए नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में, कॉलेजों के प्रमुखों को कॉलेज भवनों की अच्छी स्थिति पर ध्यान देना चाहिए और किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए उचित उपाय करने चाहिए, अधिकारियों ने कहा।

एहतियाती उपाय के रूप में, छुट्टी के कारण पढ़ाई के समय की कमी को शनिवार दोपहर या रविवार को अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करके पूरा किया जाता है। विद्यार्थियों के अभिभावकों, कॉलेज प्रमुखों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विद्यार्थी पानी वाले निचले इलाकों में न जाएं। विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज आने-जाने के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

दो या दो अधिक बच्चे वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे

- आंध्र प्रदेश में घटती युवा आबादी पर सीएम चंद्रबाबू नायडू चिंतित हैं, इस ?लिए नया कानून बनाएंगे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में घटती युवा आबादी पर सीएम चंद्रबाबू नायडू चिंतित हैं। राज्य में जनसंख्या दर को बढ़ाने के लिए उनकी सरकार नया कानून लाने की योजना बना रही है। इसके तहत आंध्र प्रदेश में दो या दो अधिक बच्चे वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे। सीएम नायडू ने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही इस बाबत कानून बनाने की योजना बना रही है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट को लागू करने की योजना बना रही है, जिसमें अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रोत्साहित करने के लिए नए कानून पर विचार किया जा रहा है। नायडू ने कहा ?कि राज्य सरकार एक ऐसा कानून लाने पर विचार कर रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। राज्य ने पहले दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को स्थानीय चुनाव लड़ने से रोकने वाला कानून पारित किया था, लेकिन हमने उस कानून को निरस्त कर दिया है। राज्य में अधिक वाले परिवारों को अधिक लाभ प्रदान कर सकती है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में गिरती जनसंख्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा ?कि आंध्र सहित दक्षिण भारत में बुढ़ापे की समस्या के लक्षण दिखने लगे हैं। जापान, चीन और कुछ यूरोपीय राष्ट्र जैसे कई देश इस समस्या से जूझ रहे हैं, जहां बुजुर्गों की आबादी अधिक है। दक्षिण भारत में युवा लोगों के देश के अन्य हिस्सों या विदेश में पलायन करने से समस्या और भी बढ़ गई है। सीएम ने बताया कि दक्षिणी राज्यों में प्रजनन दर पहले ही 1.6 तक गिर गई है, जो राष्ट्रीय औसत 2.1 से काफी कम है। ऐसा ही चलता रहा तो 2047 तक बुजुर्गों की आबादी में जबरदस्त वृद्धि हो जाएगी, जो चिंता का विषय है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि देश के गांव में सिर्फ बुजुर्ग लोग ही बचे हैं। युवा आबादी शहरों में चली गई है।